{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 01 जनवरी 2026
पौस शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 100
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,220.60
निफ्टी	-	26,129.60
सोना	-	1,35,220
चांदी	-	2,40,000
डॉलर	-	89.87

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

हर अंत एक मौन तैयारी है आगत उजाले की !!

इस साल के आख़िरी सूरज के साथ कुछ स्मृतियाँ ढल रही हैं, कुछ सवाल अब भी खड़े हैं. जो मिला, उसने गढ़ा. जो छूटा, उसने सिखाया. सूरज हर रोज़ डूबता है, लेकिन हर बार यह भरोसा छोड़ जाता है कि अंधेरा स्थायी नहीं होता. शायद ज़िंदगी भी यही कहती है. हर अंत, एक मौन तैयारी है अगले उजाले की।

आज पीछे मुड़कर देखते हुए शिकायत कम हो, समझ ज़्यादा हो और आगे देखते हुए डर कम, उम्मीद ज़्यादा. साल बदल रहा है.हम भी थोड़ा बदल जाएँ, इतना कि इंसान बने रहें।

नया साल हमें यह भी मौका देता है कि हम बीते कल की गलतियों को बोझ नहीं, अनुभव बनाएं।

जो मिला उसके लिए शुक्रिया कहें और जो नहीं मिला उसके लिए मन में कड़वाहट न रखें।

आने वाला साल आपके जीवन में सुकून, स्थिरता और विश्वास लेकर आए।

नया साल
एक खुली खिड़की की तरह आए —
हवा में नमक
और रोटी की गंध लिए ।
नया साल इस उम्मीद से आए
कि अभी भी
इंसान होना मुमकिन है।

सूर्य संवेदना पुष्पे, दीप्ति कारुण्यगंधने।
लब्ध्वा शुभं नववर्षेऽस्मिन् कुर्यात्सर्वस्य मंगलम्॥

जैसे सूर्य प्रकाश देता है, संवेदना करुणा को जन्म देती है, फूल हमेशा महकता रहता है। इसी तरह, नया साल आपके लिए हर दिन, हर पल मंगलमय हो।

-स्थानीय सम्पादक

कुछ ना कहना

नववर्ष 2026 ईस्वी : उम्मीदें 365

दुनियाभर में नए साल का जश्न शुरू, न्यूजीलैंड में आतिशबाजी के साथ हुआ 2026 का

दुनिया में नए साल की दस्तक हो चुकी है। किरिबाती के बाद न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में नए साल के जश्न की शुरुआत हो चुकी है। सबसे पहले आइलैंड किरिबाती की घड़ी में 12 बजे के साथ सेलिब्रेशन शुरू हो गया।

नई दिल्ली/ एजेंसी । नए साल की शुभकामनाएं ! किरिबाती। एक आइलैंड देश है, जहां की घड़ी में सबसे पहले साल 2026 शुरू हो चुका है। किरीबाती की घड़ी में 12 बज गए हैं। ऐसे में यह नया साल मनाने वाला पहला देश बन गया है, उसके बाद न्यूजीलैंड का नंबर आता है। जल्द ही, जश्न ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट के अधिकतर हिस्सों में नया साल दस्तक दे देगा। इसके बाद पूर्वी एशिया से होते हुए आगे बढ़ेगा। इसमें उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया और जापान सभी नए साल का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। उसके बाद चीन, हांगकांग और ताइवान का नंबर आएगा। दुनियाभर में अलग-अलग टाइम जोन के कारण 29 देश ऐसे हैं जहां भारत से पहले नए साल का जश्न मनाया जाएगा।

दुनिया भर में नए साल का उत्सव शुरू हो गया है। लोग अलग-अलग तरीकों से नए साल के जश्न का आनंद ले रहे हैं। शहरों में रंग-बिरंगी रोशनी, आतिशबाजी और संगीत के साथ लोग नए साल की तैयारी में जुटे हैं।

नए साल की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति मुर्मू ने देशवासियों को बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नए साल 2026 की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने सभी नागरिकों से राष्ट्र के विकास, सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने कहा कि नया साल नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने इसे आत्म-चिंतन और नए संकल्प लेने का अवसर बताया। राष्ट्रपति मुर्मू ने देश और विदेश में रहने वाले सभी

भारतीयों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, ईश्वर करे कि वर्ष 2026 हमारे जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह नया साल एक मजबूत और अधिक समृद्ध भारत के निर्माण के लिए नई ऊर्जा का संचार करेगा।

असम में साल 2025 का आखिरी सूरज डूबा, गुवाहाटी से दिखा सुनहरा नजारा

खट्टी-मिठी यादों के साथ साल 2025 आज समाप्त हो रहा है. भारत में रात 12 बजते ही नए साल की शुरुआत हो जाएगी. वहीं, देश के कई देशों में नए साल का जश्न की शुरू हो गया है. स्वागत के लिए पूरी दुनिया में जश्न की तैयारी चल रही है. लोग अपनी फैमिली, फ्रेंड्स के साथ नए साल के स्वागत की जश्न में तैयारी में जुटे हैं. वहीं, बहुत सारे लोग नए साल का स्वागत मंदिरों में पूजा-अर्चना से करने की तैयारी में हैं. इस कारण वैष्णो देवी, अयोध्या राम मंदिर, काशी वाराणसी मंदिर, उज्जैन महाकाल मंदिर सहित देश के अन्य सभी प्रमुख मंदिरों में भक्तों का तांता लगा है. दूसरी ओर शिमला, मनाली, देहरादून सहित अन्य टूरिस्ट स्पॉट पर लोगों की भीड़ जुटी है. दूसरी ओर दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, बेंगलुरु, पुणे जैसे मेट्रो शहरों में भी नए साल के स्वागत की भव्य तैयारी की गई है।

असम के गुवाहाटी में साल 2025 के आखिरी दिन सूर्यास्त के मनमोहक दृश्य सामने आए। ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे आसमान सुनहरे, नारंगी और लाल रंगों में रंगा नजर आया, जिसने शहरवासियों को थमकर इस पल को देखने पर मजबूर कर दिया। नदी किनारे और ऊंची जगहों से लोगों ने मोबाइल कैमरों में इस दृश्य को कैद किया। साल के अंतिम सूर्यास्त ने बीते समय की यादों और नए साल की उम्मीदों के साथ 2025 को विदा किया।

एसडीओ, रेंजर और वन कर्मियों के खिलाफ थाने में शिकायत

आरोप-पैसों का लालच देकर जुर्म कबूल करने बनाया जा रहा दबाव

पद्मेश न्यूज। कटंगी। उप वनमंडल अधिकारी बी.आर.सिरसाम, वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार, वनपाल सतीश उईके, वनरक्षक दिलीप परिहार और सुरेन्द्र खरोले के खिलाफ बुधवार की शाम साढ़े 04 बजे तिरोड़ी थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज हुई है। वन विभाग के इन अफसरों और कर्मचारियों के खिलाफ रामजी टोला के ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज करवाई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इन सभी ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की और अब पैसों का लालच देकर जुर्म कबूल करने का दबाव बनाया जा रहा है। पूरा मामला वन्य प्राणी बाघ की मौत से जुड़ा हुआ है। बीते दिनों 12 दिसंबर को वन परिक्षेत्र कटंगी के अंबेझरी बीट के कक्ष क्रमांक 562 में वन्य प्राणी

बाघ का शव मिला था। प्रारंभिक जांच में करंट की चपेट में आने से बाघ की मौत होने की पुष्टि हुई थी। पूरे मामले में जानकारी देते हुए वन मंडल अधिकारी नित्यानयम एल ने कहा था बाघ की मौत कहीं और हुई है। कक्ष क्रमांक 562 में शव को लाकर फेंका गया है। उन्होंने वास्तविक घटनास्थल और आरोपियों की तलाश करने की जिम्मेदारी अपने मातहत कर्मचारियों को सौंपी। किंतु घटना के 20 दिन बाद भी वन विभाग को वास्तविक घटनास्थल और आरोपियोंका पता लगाने का दबाव बढ़ता ही जा रहा है। वन विभाग के स्थानीय अधिकारी और कर्मचारियों वरिष्ट अधिकारियों के दबाव के चलते ग्रामीणों से और अधिक सख्ती से पूछताछ कर रहे है।

4 जनवरी को मनाया जायेगा नेमा समाज का पारिवारिक मिलन समारोह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 4 जनवरी दिन रविवार को नेमा समाज का पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन भटेरा रोड़ स्थित एक लान में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया है। इस कार्यक्रम में आयोजन समिति की बैठक में विनोद नेमा, हरिप्रसाद नेमा, पंकज नेमा, सुनील नेमा, अशोक नेमा, दिनेश नेमा, मनीष नेमा पार्षद, सतीश शंकर लाल नेमा, विजय गुप्ता, अर्चित नेमा, अरुण नेमा संदीप नेमा, आलोक नेमा, अंकित नेमा आदि की उपस्थिति में निर्णय लिया गया की 4 जनवरी दिन रविवार को नेमा समाज का पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है,जिसमे नेमा समाज बालाघाट ने सभी नेमा सामाजिक बंधुओ वारासिवनी, कटंगी, मलाजखंड, बैहर, लालबर्रा आदि स्थानों में रह रहे नेमा सामाजिक बंधुओ को आमंत्रित किया गया है। इस नेमा मिलन पारिवारिक समारोह में विभिन्न संस्कृति कार्यक्रम बच्चो के खेलकूद गीत संगीत डांस प्रतियोगिता महिलाओ के कार्यक्रमो के साथ साथ जिन बच्चो ने कक्षा 10 वी 12 वी में 75प्रति. सर्वोच्च अंक प्राप्त किया है या किसी प्रतियोगिता में उपलब्धि हासिल किये है उन्हें पुरस्कार प्रदान किया जावेगा। उक्त जानकारी नेमा समाज वरिष्ठ पदाधिकारी दिनेश नेमा द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।

कोसमी में संगीतमय श्री भागवत ज्ञान सप्ताह का आयोजन 4 से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नव वर्ष के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय से सटे ग्राम कोसमी में साप्ताहिक संगीतमय श्री भागवत ज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया है।जो 4 जनवरी से 11जनवरी तक चलेगा।गोंदिया रोड़ स्थित वार्ड नं9 आदर्श नगर कोसमी में इस आयोजन में संगीतमय श्री भागवत ज्ञान सप्ताह में श्री धाम वंदावन की कथावाचक राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता साध्वी रचना प्रणव 11 जनवरी तक रोजाना भागवत कथा के अलग अलग प्रसंगों का संगीतमय वाचन करेंगी।आयोजक मंडल द्वारा उक्त भागवत कथा में अधिक से अधिक धर्मप्रेमीयो से पहुचकर, पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया गया है।

सिनेमा चौक में ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर

वाहन मालिकों के बीच चली जुबानी जंग, यातायात हुआ प्रभावित

पद्मेश न्यूज। कटंगी। नगर के सिनेमा चौक में बड़केश्वर मंदिर के ठीक सामने बुधवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे के आसपास धान से भरे एक ट्रक ने सड़क पर खड़े पिक-अप वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों ही वाहन क्षतिग्रस्त हुए। जिसके बाद घटनास्थल पर दोनों ही वाहन संचालकों के बीच जमकर जुबानी जंग चली। विवाद को देखने के लिए यहां तमाशबीन जनता की भीड़ जमा हो गई। जिससे कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ। ट्रक संचालक जो घटना के वक्त वहां मौजूदा नहीं था उसका तर्क था कि पिकअप वाहन सड़क पर खड़ा था जिस कारण हादसा हुआ। वहीं पिकअप वाहन मालिक ने ट्रक चालक पर लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर टक्कर मारने का आरोप लगाया। इसी बात को लेकर दोनों ही वाहन मालिकों के बीच करीब आधे घंटे तक जमकर जुबानी जंग चली लेकिन दोनों ही वाहन मालिक थाने में एक-दूसरे की शिकायत करने के लिए नहीं गए। थाने नहीं जाने की वजह बिलकुल साफ थी दोनों ही वाहन यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। ट्रक जिसने टक्कर मारी जिसमें क्षमता से अधिक सरकारी धान भरकर परिवहन किया जा रहा था। जबकि पिकअप वाहन सड़क पर खड़ी थी। जिस कारण वाहन संचालकों के बीच केवल भरपाई कौन भरेगा इसी बात को लेकर बहस चली। इस सड़क हादसे के बाद स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि सिनेमा चौक की होटल और भोजनालय के संचालकों के पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में यहां आने वाले लोग सड़क पर ही अपना दोपहिया और चारपहिया वाहन खड़ा करते है। जिससे सिनेमा चौक में आवागमन प्रभावित होता है और हादसे होने का खतरा भी बना रहता है। दरअसल, कटंगी शहर में यातायात व्यवस्था बुरी तरह से चरमराई हुई है। बस स्टैण्ड से लेकर सिनेमा चौक और पुराना पेट्रोप पंप चौक से लेकर अर्जुननाला और मुंदीवाड़ा रोड़ पर लोग सड़क पर अपनी दुकान लगा देते है ऐसे में जब कोई ग्राहक दुकानों में खरीददारी करने के लिए अपने वाहन से जाता है तो वह सड़क के बीचों-बीच वाहन खड़ा कर देता है। नगर में यातायात की सुचारू व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी पुलिस और नगर परिषद की हैं किंतु इन दोनों ही विभागों के बीच आपसी समन्वयक की कमी है। नगर परिषद के उपयंत्री राजेश चौकसे पहले ही शहर को बर्बादी की कगार पर लाकर खड़ा कर चके है उन्होंने नागरिकों को नाली पर निर्माण करने की अनुमति दे रखी है। कई जगह सड़क पर अतिक्रमण है परंतु उन्होंने अपनी आंखों में पट्टी बांध रखी है। खैर, कटंगी में यातायात की व्यवस्था तब तक नहीं सुधर सकती जब तक स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधि दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ इस दिशा में प्रयास ना करें। जनप्रतिनिधियों को वोट बैंक की राजनीति से हटकर शहर के विकास के बारे में सोचना होगा वरना कटंगी शहर सिकुड़ कर ही रह जाएगा।

डॉ. अंबेडकर की पवित्र अस्थियों का आगमन आज

भरवेली रमाई आंबेडकर परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भीमा कोरेगांव गांव शौर्य दिवस महोत्सव पर, 1 जनवरी 2026 दिन गुरुवार को रमाई आंबेडकर परिसर भरवेली में,परम पूज्य बोधिसत्व डॉ भीमराव आंबेडकर जी की पवित्र अस्थियों का आगमन हो रहा है,कार्यक्रम के अंतर्गत प्रात: 8 बजे से भव्य बाइक रैली का नगर भ्रमण कराया जाएगा।तो वही डॉ आंबेडकर चौक में बाबा साहब आंबेडकर जी को वंदन करने के उपरांत बाबा साहब की पवित्र अस्थियों को भव्य शोभा यात्रा के साथ रमाई आंबेडकर परिसर भरवेली में आगमन होगा , उसके उपरांत दोपहर 1बजे से वंदनीय भिक्षु संघ,भदंत यश जी श्रीलंका,भदंत अश्वजीत जी नागपुर,भदंत धम्मशिखर जी बालाघाट, और भदंत संपजानों जी अरुणाचल प्रदेश द्वारा परित्राण एवं धम्मदेशना शाम 4 बजे तक दी जाएगी।जिसके उपरांत शाम 5 बजे से सामूहिक भोजन एवं शाम 7 बजे से संगीतमय समाज प्रबोधन कार्यक्रम प्रारंभ होगा।आयोजकों द्वारा जिले के समस्त बुद्ध आंबेडकर अनुयायियों से डॉ बाबा साहब आंबेडकर जी की पवित्र अस्थियों के दर्शनार्थ अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/क्षेत्र बिरसोला जिला बालाघाट स्थित भूमि के संबंध में माननीय न्यायालय में वाद/प्रकरण विचाराधीन है (Sub-Judice)। यह स्पष्ट किया जाता है कि श्री नजीर ड्राइवर पिता श्री हनीफ निवासी बालाघाट द्वारा उक्त भूमि के संबंध में किया गया दावा कथित एवं विवादित दस्तावेजों पर आधारित है। उक्त दस्तावेजों के संबंध में यह गंभीर आरोप है कि वे कूटरचित/जाली हैं, जिनकी वैधता एवं सत्यता माननीय न्यायालय के परीक्षणाधीन है। यह भी स्पष्ट रूप से सूचित किया जाता है कि उक्त भूमि के संबंध में हमारी ओर से किसी भी प्रकार का कोई लेन देन, भुगतान, बैंक प्रविष्टि, एग्रीमेंट, अनुबंध अथवा सहमति कभी भी नहीं की गई है। उक्त विषय में थाना कोतवाली, बालाघाट में विधिवत शिकायत दर्ज है। पुलिस जांच प्रचलित है, जिसके अंतर्गत कथित दस्तावेजों की प्रामाणिकता एवं तथ्यों की जांच की जा रही है।

अत: समस्त नागरिकों को सावधान किया जाता है कि वे श्री नजीर ड्राइवर के कथित दावे के आधार पर उक्त भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार का सौदा, भुगतान, दस्तावेजी कार्यवाही या निर्णय करने से पूर्व स्वतंत्र वैधानिक जांच अपनी जिम्मेदारी पर करें।

यह सूचना केवल जनहित में वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने हेतु प्रकाशित की जा रही है तथा माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी।

सूचनाकर्ता
सफी खान
बालाघाट मध्यप्रदेश
मो. नंबर 9424980786

GENERAL NOTICE

I Azmina Khan D/o shri Abdul Akil Khan, d/o – Ward No-07, Baihar Road, Tah & Disti Balaghat M.P. do herby declare that I always write my name as Azmina Khan d/o Shri Abdul Akil khan. But for the Secondary School examination in Central Board of Secondary Education, Delhi, my father's name was wrongly written in document as Abdul Akeel Khan. Hence to correct the false spelling of my father, I declare that my father's name should be written 'Akil' in place of 'Akeel' in the relevant document. This publication is being made for the correction of the spelling mistake of my father's home ; and that my father's name 'Akil Khan' should be read and written. And I Azmina d/o Akil and Azmina d/o Abdul Akeel khan are the same person.

Azmina Khan D/o shri Abdul Akil Khan
Ward No-07, Baihar Road,
Tah & Disti Balaghat M.P.

आम सूचना

मै अजमिना खान पिता श्री अब्दुल अकिल खान निवासी वार्ड नं. 07 बैहर रोड बालाघाट तह. व जिला बालाघाट म.प्र. यह घोषणा करती हूं कि मैं अजमिना खान पिता श्री अब्दुल अकिल खान लिखती हूं मेरे द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली में सेकेण्ड्री स्कूल एक्जामिशन के दस्तावेज में मेरे पिता का नाम अंग्रेजी के **ABDUL AKIL KHAN** के स्थान पर **ABDUL AKEEL KHAN** लिखा गया है और इस त्रुटि को सुधारने के लिये मैं यह घोषित करती हूं कि मेरे नाम के बाद मेरे पिता का नाम **AKEEL** के स्थान पर **AKIL** लिखा जाये और यही सुधारने जाने हेतु मेरे द्वारा यह प्रकाशन किया जा रहा है कि आगे मुझे मेरे पिता का नाम **ABDUL AKIL KHAN** ही पढा जाये और लिखा जाये तथा मैं **AZMINA** पिता **ABDUL AKIL KHAN** एवं **AZMINA** पिता **ABDUL AKEEL KHAN** एक ही व्यक्ति हूं।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

अजमिना खान पिता श्री अब्दुल अकिल खान
वार्ड नं. 07 बैहर रोड बालाघाट
तह. व जिला बालाघाट म.प्र.

सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में चार दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का भव्य आयोजन

रोबोटिक्स प्रदर्शनी और आनंद मेले का भी किया गया आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मांझापुर स्थित सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में दिनांक 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक चार दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। उत्सव का भव्य उद्घाटन 27 दिसंबर को हुआ, वहीं 30 दिसंबर को समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। उत्सव के अंतिम दिन विद्यार्थियों के लिए आनंद मेले का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों द्वारा आकर्षक स्टॉल लगाए गए। इस मेले में विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और भरपूर आनंद उठाया। इसी क्रम में विद्यालय में रोबोटिक्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 2 से 9 तक के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने अपने नवाचार और तकनीकी कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नॉन-कोडिंग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार स्मार्ट ट्रैफिक लाइट परियोजना के लिए कक्षा 4 को प्राप्त हुआ। द्वितीय पुरस्कार टच सेंसर अलार्म परियोजना के लिए कक्षा 2 को मिला। तृतीय पुरस्कार स्मार्ट वाटर टैंक परियोजना के लिए कक्षा 5 को प्रदान किया गया। कोडिंग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार लाइट फॉलोइंग रोबोटिक्स परियोजना के लिए कक्षा 6 को मिला। द्वितीय पुरस्कार ड्रोन प्रोजेक्ट के लिए कक्षा 9 को प्राप्त हुआ। तृतीय पुरस्कार एयर क्वालिटी मॉनिटर परियोजना के लिए कक्षा 7 को दिया गया। वार्षिक खेल उत्सव के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री रामदत्त पांडे, कंपनी कमांडर, 36 बटालियन फोर्स उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसारे ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर संस्था के निदेशकगण श्री संजीव मिश्रा, श्री अंशुल जायसवाल, श्री मुक्तानंद गौतम, श्री नरेश धुवारे एवं श्री लकेश बिसेन, सतपुड़ा बी.टेक एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, सीईओ श्री मितेश शुक्ला, सतपुड़ा डी.एड एवं बी.एड कॉलेज के प्राचार्य श्री देवेंद्र रहांगडाले, सतपुड़ा आईटीआई के प्राचार्य श्री कमल ब्राम्हे, सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सुश्री पूर्णिमा देशमुख सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं स्टाफ उपस्थित रहे। रोबोटिक्स प्रदर्शनी के निर्णायक मंडल में आईआईटी पटना के विहान अग्रवाल, आईआईटी रुड़की की सान्या सचदेव, श्री अंकित लिल्हारे (डायरेक्टर, सोलर पावर), सतपुड़ा इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज के व्याख्याता प्रदीप शरणागत तथा ब्राइटोरियल प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक नितेश सदारंगानी शामिल रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यार्थियों में खेल भावना, रचनात्मकता एवं तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने वाला रहा।

बिछुआ की लाल खरगोश बैल जोड़ी ने मारा मैदान

जिपं.सभापति केसर बिसेन के हस्ते पुरूस्कृत हुए प्रतिभागी

पद्मेश न्यूज। कटंगी। समीपस्थ ग्राम पंचायत चिकमारा में 29 दिसम्बर से आयोजित दो दिवसीय पट प्रतियोगिता में बालाघाट सहित आस-पास के जिलों से आयी बैल जोड़ियों ने जोर आजमाइश की। फाइनल राउंड में सिवनी जिले के बिछुआ धारना की लाल खरगोश बैल जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं लालू माठिया बांडरेव बांसी

द्वितीय एवं देवा शिवा बबई तृतीय स्थान पर रही। पट प्रतियोगिता का लुत्फ उठाने के लिए बड़ी संख्या में दर्शकों का हुजूम यहां लगा रहा। पट प्रतियोगिता में शामिल हुए प्रतिभागियों में विजेता, उप विजेता एवं रनर अप रही बैल जोड़ियों के नेतृत्वकर्ताओं को आयोजन समिति की ओर से उचित पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया। जिला पंचायत सभापति केसर बिसेन के मुख्य आतिथ्य में पुरूस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिपं.सभापति श्रीमती बिसेन ने कहा कि पट प्रतियोगिताएं बालाघाट जिले एवं क्षेत्र की शान है। किसान एवं पशु पालक बड़ी मेहनत एवं लगन से बैल जोड़ियों को पट प्रतियोगिता के लिए तैयार करते हैं। इस तरह की प्रतियोगिताओं से किसानों में पशुपालन के प्रति रूचि बनी रहती है। इस पट प्रतियोगिता में शामिल हुए सभी प्रतिभागी प्रशंसा के पात्र हैं। इस अवसर पर पूर्व सरपंच महेन्द्र बाहेश्वर, आयोजन समिति अध्यक्ष ईश्वरी पंचेश्वर, सचिव धर्मेन्द्र खरे, उपाध्यक्ष सूरज खरे, सहसचिव खुश्याल बोपचे, कोषाध्यक्ष राधेलाल मानकर, संरक्षक धर्मेन्द्र नागेश्वर, महामंत्री धर्मेन्द्र देशमुख, मंत्री आकाश पंचेश्वर, सदस्यगण रूपेन्द्र बाहेश्वर, कन्हैया गाड़ेकर, महेश राउत, श्रीराम आचरे, अनिल हरदे, योगेश कावरे, सुखदास पंचेश्वर आदि उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में इन सभी का विशेष योगदान रहा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

दिल्ली में आयोजित कराटे चैंपियनशिप में बालाघाट के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट खेल एवं कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी अभिषेक चौधरी तथा राहुल बरेसा के मार्गदर्शन में कटंगी युवा समन्वयक एवं मुख्य कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी के नेतृत्व में बालाघाट जिले के कराटे खिलाड़ियों ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया।

दिल्ली एनसीआर के बाटा चौक मेट्रो स्टेशन स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन

ब्लू में 26 एवं 27 दिसंबर को 6वीं ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप तथा 13वीं अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के टेक्निकल डायरेक्टर एवं शितो रियो कराटे स्कूल ऑफ इंडिया के टेक्निकल डायरेक्टर सिंहान लाल दरदा तथा चीफ इंस्ट्रक्टर सेंसाई अशोक दरदा के मार्गदर्शन में किया गया। राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का उद्घाटन नेशनल कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जापान के मास्टर सिंहान मेनेरुकानाजावा एवं सिंहान लाल दरदा उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, गुजरात सहित देश के अनेक राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने कुल 4 कांस्य पदक अर्जित किए। इनमें वंश मुन्नालाल बर्वे ने 1 कांस्य पदक, आरोही रविंद्र शरणागत ने 1 कांस्य पदक, शुशांक पारधी ने कराटे की दोनों विधाओं काता एवं कुमिते में 2 कांस्य पदक प्राप्त किए। इसके पश्चात 28 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ जापान के मास्टर सिंहान मेनेरुकानाजावा, इंडिया के डायरेक्टर सिंहान लाल दरदा, नेपाल के मास्टर अभिषेक सिंह गुरु, ईरान, उज़्बेकिस्तान एवं बांग्लादेश के मास्टर्स की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश से प्रशिक्षक संतोष पारधी ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक की भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें जापान के मास्टर मेनेरुकानाजावा द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 3 स्वर्ण, 2 रजत एवं 6 कांस्य पदक अर्जित किए। वंश मुन्नालाल बर्वे ने कराटे की दोनों विधाओं में 1 स्वर्ण एवं 1 कांस्य पदक, आरोही रविंद्र शरणागत ने 1 स्वर्ण एवं 1 रजत पदक, शुशांक पारधी ने 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक, उमंग दामोदर जंघेले ने 1 स्वर्ण एवं 1 कांस्य पदक,अनिल सावनकर ने 2 कांस्य पदक अर्जित किए। इस उपलब्धि पर बालाघाट कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ के संरक्षक अनिल धुवारे, अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, सदस्य राजेंद्र बल्ले, शुभम मनेश्वर, आशीष बाघ, संजू मेश्राम, अक्षय सोनटके, अशोक मिश्रा, सरिता केवल सोनकर, अमर सिंह ठाकुर, शेख अंसार, रीना शरणागत सहित कटंगी के प्रधान पाठक एम.एल. भलावी, लेंडेझरी स्कूल के प्राचार्य अवध नारायण त्रिपाठी, बरसोला स्कूल की प्राचार्य इंद्रावती पटेल, अमेडा स्कूल के प्राचार्य बी.एस. घरते तथा बालाघाट जिला खेल एवं कल्याण विभाग के समस्त पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

पिकनिक स्पॉट और मंदिरों में रही भीढ़, नए साल के स्वागत को लेकर दिखा उत्साह

खट्टी मीठी यादों के साथ शहरवासियों ने वर्ष 2025 को विदा किया

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वर्ष 2025 के अंतिम दिन 31 दिसंबर को शहर में अलग ही उल्लास और उत्साह का माहौल देखने को मिला। साल को यादगार बनाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने शहर के आसपास स्थित पिकनिक स्पॉट्स और धार्मिक स्थलों का रुख किया और परिवार व मित्रों के साथ समय बिताकर वर्ष 2025 को अलविदा कहा। सुबह से ही शहर के प्रमुख धार्मिक मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही, जहां लोगों ने पूजा-अर्चना कर बीते वर्ष के लिए आभार जताया और आने वाले वर्ष 2026 के सुखद और सफल होने की कामना की। दोपहर के बाद शहर के आसपास स्थित पिकनिक स्थलों पर लोगों की भीड़ बढ़ती नजर आई, जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने प्रकृति के बीच समय बिताते हुए वर्ष के अंतिम दिन का आनंद लिया। पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान कई लोगों ने बताया कि वर्ष 2025 उनके लिए अच्छा रहा और इस दौरान उन्हें कई सकारात्मक अनुभव मिले। लोगों ने आशा जताई कि आने वाला वर्ष 2026 भी सभी के जीवन में खुशियां, तरक्की और सुख-शांति लेकर आएगा। खट्टी मीठी यादों के साथ लोगों ने बीते वर्ष को विदाई दी और नए साल के स्वागत की तैयारियों में जुटे नजर आए।

हर वर्ष की तरह इस बार भी वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसंबर को लोगों ने अपने-अपने स्तर पर बीते साल को यादगार बनाते हुए विदाई दी। वर्ष की अंतिम तारीख को खास बनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार, सगे संबंधियों और मित्रों के साथ घरों से बाहर निकले। यही नजारा 31 दिसंबर को शहर और उसके आसपास देखने को मिला। शहर से लगे पिकनिक स्थलों और धार्मिक स्थलों पर सुबह से ही आमजन की आवाजाही शुरू हो गई थी। वैनगंगा नदी तट, जागपुरघाट, डेंजर रोड, शंकर घाट, वनस्पति उद्यान, मोती गार्डन सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर आम जनों ने पहुंचकर पिकनिक मनाई। कई स्थानों पर लोगों ने स्वयं भोजन तैयार किया और बच्चों के साथ खेलकूद व मनोरंजन करते हुए दिनभर का समय बिताया, जिससे वर्ष का अंतिम दिन यादगार बन गया। बड़ी संख्या में लोग धार्मिक आस्था के चलते मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान की पूजा अर्चना कर बीते वर्ष के लिए धन्यवाद दिया और आने वाले नए वर्ष के सुख समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रांगणों में भी परिवारों ने साथ बैठकर समय बिताया और शांत वातावरण में वर्ष 2025 को विदाई दी। शाम होते ही शहर के कई वार्डों में उत्साह और बढ़ गया। कुछ युवाओं ने घरों की छतों पर डीजे लगाकर संगीत के साथ जश्न मनाया, जबकि शहर की कुछ निजी संस्थाओं द्वारा पार्टियों और विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो देर रात तक चलते रहे। इधर, वर्ष के अंतिम दिन शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस पॉइंट लगाए गए, सुरक्षा की दृष्टि से विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस की मौजूदगी के चलते शहर में व्यवस्था बनी रही और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा बल मुस्तैद रहे। शहरवासियों ने खट्टी-मीठी यादों के साथ वर्ष 2025 को अलविदा कहा और सभी ने एक स्वर में उम्मीद जताई कि आने वाला वर्ष 2026 खुशहाली, तरक्की और शांति लेकर आएगा।

अंतिम दिन को यादगार बनाने पिकनिक आए हैं - ललित कटरे

ललित कटरे ने बताया कि वे बूढ़ी के निवासी हैं और आज वे वैनगंगा नदी के किनारे अपने पूरे परिवार के साथ वर्ष 2025 के अंतिम दिन को यादगार बनाने के उद्देश्य से पिकनिक मनाने आए हैं। उन्होंने कहा कि परिवार के साथ प्राकृतिक वातावरण में समय बिताकर वर्ष के अंतिम दिन को खास बनाया जा रहा है। ललित कटरे ने बताया कि रात्रि 12ः00 बजे वर्ष 2025 को विदाई दी जाएगी और आने वाले नए वर्ष 2026 का स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कामना की कि नया वर्ष सभी के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और खुशहाली लेकर आए।

2026 सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए - माधुरी अग्रवाल

माधुरी अग्रवाल ने बताया कि आज वे अपने घर से समय निकालकर अपनी महिला बहनों और सहेलियों के साथ शंकर घाट में पिकनिक मनाने आई हैं। उन्होंने कहा कि शंकर घाट पहुंचकर सबसे पहले भगवान की पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद सभी महिलाएं आपसी मेल-मिलाप के साथ मनोरंजन कर रही हैं। माधुरी अग्रवाल ने कहा कि जिस प्रकार वर्ष 2025 सभी के लिए अच्छा रहा, उसी प्रकार आने वाला वर्ष 2026 भी सभी के जीवन में खुशियां, प्रेम और सकारात्मकता लेकर आए, यही उनकी प्रार्थना है।

वर्ष 2026 से बहुत उम्मीदें हैं - आशासिंह ठाकुर

आशा सिंह ठाकुर ने बताया कि उन्होंने वर्ष के अंतिम दिन की शुरुआत भगवान के नाम से की है और आने वाले नए वर्ष की शुरुआत भी वे ईश्वर का स्मरण करते हुए करेंगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 उनके लिए अच्छा और यादगार रहा है तथा वर्ष 2026 से भी उन्हें बेहतर उम्मीदें हैं। उन्होंने कामना की कि नया वर्ष सभी के लिए सुख-समृद्धि और खुशियां लेकर आए तथा सभी की मनोकामनाएं पूरी हों। आशा सिंह ठाकुर ने बताया कि वर्ष के अंतिम दिन महिला बहनों के साथ कुर्सी दौड़ जैसी मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वर्ष के अंतिम दिन को हसी खुशी के साथ यादगार बनाया।

सोशल मीडिया पे भी गूंजा नववर्ष

वर्ष 2025 के अंतिम दिन जहां लोग पिकनिक, पूजा-अर्चना और पारिवारिक आयोजनों के माध्यम से एक-दूसरे के साथ समय बिताते नजर आए तो सोशल मीडिया पर भी नववर्ष को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। पुराने साल को विदाई देने और आने वाले नए वर्ष 2026 का स्वागत करने के लिए लोगों ने सोशल मीडिया को एक अहम माध्यम बनाया। व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिनभर से लेकर देर रात तक बधाई और शुभकामनाओं का सिलसिला चलता रहा। लोगों ने अपने करीबी मित्रों, रिश्तेदारों, परिचितों और समर्थकों को संदेश भेजकर नए वर्ष की शुभकामनाएं दीं ।कई लोगों ने वर्ष 2025 की यादों को तस्वीरों और वीडियो के रूप में साझा किया, तो वहीं कुछ ने प्रेरणादायक संदेशों के माध्यम से आने वाले वर्ष को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेशों और शुभकामनाओं से यह साफ नजर आया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म भी नववर्ष के जश्न का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।

शास्त्री चौक में तलवार बाजी में एक व्यक्ति घायल

घायल आदिल खान जिला अस्पताल मे भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के शास्त्री चौक में तलवार बाजी में एक व्यक्ति घायल हो गया। 30 दिसंबर की रात्रि 9ः30 बजे करीब यह वारदात आपसी रंजिश के चलते हुई ।तलवार के वार से घायल व्यक्ति आदिल खान पिता समीम खान 35 वर्ष वार्ड नंबर 4 बैहर चौकी बालाघाट निवासी को जिला अस्पताल में किया गया भर्ती।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आदिल खान वार्ड नंबर 4 बैहर चौकी बालाघाट निवासी पिछले एक माह से नगर के शास्त्री चौक में समोसे और बड़े की दुकान हाथ ठेला में लगाते हैं। जब से आदिल खान शास्त्री चौक में दुकान लगा रहे हैं। तभी से नाजिम खान नामक व्यक्ति आदिल खान से दुर्भावना रखते हुए उसे आए गालिया देते रहता था। रोज की तरह 30 दिसंबर को आदिल खान ने शास्त्री चौक में अपनी दुकान लगाई थी। रात्रि 9ः30 बजे करीब आदिल खान अपने ठेला में था। उस समय ग्राहक भी थे ।तभी नाजिम खान आया और आदिल खान को अश्लील गालियां देने लगा। आदिल खान ने उसे गालीयो देने से मना किया ।किन्तु नाजिम खान आवेश में आ गया और आदिल खान के साथ झुमाझपटी हाथापाई कर बैठा जिसके बाद नाजिम खान वहां से चला गया ।इसके बाद आदिल खान अपनी दुकान बंद कर रहा था। तभी ।पुन: नाजिम खान ऑटो में आया और एकाएक आदिल खान पर पीछे से तलवार से वार कर दिया। तलवार का वार आदिल खान के जांघ कंधे में लगने से वह घायल हो गया था। इसी दौरान नाजिम खान ने आदिल खान की दुकान का गल्ले रुपए निकाल कर वह फरार हो गया और आदिल खान को उसने रिपोर्ट करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस घटना के दौरान वहां पर भीड़ लग चुकी थी। आदिल खान के ही किसी रिश्तेदार ने डायल 112 को सूचित किये। घायल आदिल खान को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने आदिल खान के बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवा दिया।

एक किसान को एक व्यक्ति से उधारी के रुपए मांगना पड़ा महंगा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गोपालपुर में एक किसान को अपने गाव के एक व्यक्ति से ट्रैक्टर की जुताई का पैसा मांगना उस समय महंगा पड़ गया जब इस व्यक्ति ने किसान को ईंट से मार कर घायल कर दिया और उसे पैसे मांगने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। ईंट के वार से घायल किसान परमलाल पिता हुलासराम मंसूरे 42 वर्ष का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वही उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर भागचंद मंडावी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपालपुर निवासी परमलाल मंसूरे खेती किसानी करते हैं। 2 साल पहले परमलाल मंसूरे ने अपने गांव के भागचंद मंडावी के खेत की जुताई एवं अन्य खेती कार्य अपने ट्रैक्टर से किया था। जिसका 21000 रुपए परमलाल मंसूरे को भागचंद मंडावी से लेना था। किंतु भागचंद मरावी पिछले 2 साल से रुपए ना देते हुए परमलाल मंसुरे को आजकल कल दूंगा कहकर टालते जा रहा था। 31 दिसंबर को सुबह 8ः00 बजे परमलाल मंसूरे अपना ट्रैक्टर की जुताई का पैसा मांगने के लिए भागचंद मंडावी के पास गया और बोला कि मुझे पैसों की आवश्यकता है काफी दिन की उधारी हो गई मुझे मेरा पैसा दे दो। परमलाल मंसुरे के यह कहते ही भागचंद मंडावी ने आवेश में आकर बोला कि काहे का पैसा मांगने आया है, मैं अपनी मर्जी से पैसा दूंगा और नहीं दूंगा तो क्या कर लेगा, कहकर वह परमलाल मंसुरे को अश्लील गालियां देने लगा ।परमलाल ने उसे गालियां देने से मना किया तो भागचंद ने ईंट उठाकर परमलाल मंसुरे को मारकर घायल कर दिया। और हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। परमलाल के चिल्लाने पर मोहल्ले के लोग दौड़े और बीच बचाव किया ।इसके बाद भागचंद मंडावी ने परमलाल मंसुरे को दोबारा पैसा मांगने आने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद परमलाल मंसूरे रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंचा। किरनापुर पुलिस ने परमलाल मंसुरे का इलाज किरनापुर के अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर भागचंद मंडावी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 36 एवं सहायिका के 83 पदों पर भर्ती होगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा बालाघाट जिले की विभिन्न बाल विकास परियोजनाओं अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिले में कुल 36 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 83 आंगनवाड़ी सहायिका के पद पूर्णत: अस्थायी एवं मानदेय आधारित हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह भर्ती प्रक्रिया एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से संचालित की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होकर 10 जनवरी 2026 तक चलेगी। वहीं, आवेदन पत्र में संशोधन करने की अंतिम तिथि 12 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। बाल विकास परियोजना बैहर के अंतर्गत कार्यकर्ता के 06 व सहायिका के 03, बिरसा के अंतर्गत कार्यकर्ता के 08 व सहायिका के 14, परसवाड़ा के अंतर्गत कार्यकर्ता के 05 व सहायिका के 06, बालाघाट ग्रामीण के अंतर्गत कार्यकर्ता के 04 व सहायिका के 01, किरनापुर के अंतर्गत कार्यकर्ता के 03 व सहायिका के 11, लांजी के अंतर्गत कार्यकर्ता के 05 व सहायिका के 08, वारासिवनी के अंतर्गत कार्यकर्ता के 01 व सहायिका के 14, लालबर्रा के अंतर्गत कार्यकर्ता के 02 व सहायिका के 05, कटंगी के अंतर्गत कार्यकर्ता के 02 व सहायिका के 09 पद रिक्त है। इसी प्रकार बाल विकास परियोजना खैरलांजी में सहायिका के 07 एवं बालाघाट शहरी परियोजना में सहायिका के 05 पद रिक्त है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद के लिए आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है। साथ ही शैक्षणिक योग्यता के रूप में हायर सेकेंडरी (12वीं उत्तीर्ण) होना आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्र की आंगनवाड़ी के लिए संबंधित ग्राम (राजस्व ग्राम) का निवासी होना अनिवार्य होगा, जबकि नगरीय क्षेत्र की आंगनवाड़ी के लिए संबंधित नगर/वार्ड का निवासी होना आवश्यक है। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि नियुक्ति हेतु केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं, जिम्मेदार नागरिक बनें

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत 22 जनवरी तक दावे-आपत्तियां आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की प्रक्रिया जारी है। इस क्रम में प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को किया जा चुका है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मृणाल मीना ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे अपने नाम मतदाता सूची में अवश्य जांचें तथा समय-सीमा के भीतर आवश्यक दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे।

निर्वाचक नामावली का प्रारूप voters.eci.gov.in, ceoelection.mp.gov.in एवं ECINet App पर उपलब्ध है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने नाम, पता एवं अन्य विवरणों की जांच अवश्य करें। दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

इस अवधि के दौरान प्रत्येक कार्यदिवस में सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर उपस्थित रहेंगे। उनके माध्यम से नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन करने एवं आपत्ति दर्ज कराने से संबंधित आवेदन लिए जाएंगे। नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 के साथ घोषणा-पत्र अनिवार्य होगा। यदि कोई मतदाता अन्य राज्य से स्थानांतरित होकर आया है, तो उसे फॉर्म-8 के साथ घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा। ऑफलाइन आवेदन करने पर आवेदकों को बीएलओ से रसीद प्राप्त करना अनिवार्य बताया गया है।

दावे एवं आपत्तियों के निराकरण के पश्चात पात्रता की जांच की जाएगी। आवश्यक होने पर संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी कर 14 फरवरी 2026 तक सुनवाई की जाएगी, जिसमें उन्हें निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होना होगा। फॉर्म-6, फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 मतदाता वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। ये प्रपत्र बीएलओ, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं जिला निर्वाचन कार्यालय से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा के लिए ECINet App को गूगल प्ले-स्टोर से डाउनलोड करें। मोबाइल नंबर से पंजीकरण कर ह्ङ्मक्क सत्यापन करें। Voters Services में जाकर Voter Registration विकल्प चुनें। फॉर्म-6 व घोषणा-पत्र भरें। इसके अतिरिक्त, https://voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। जिला निर्वाचन कार्यालय ने कोई मतदाता छूट न जाए संदेश के साथ सभी नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। अधिक जानकारी के लिए 1950 हेल्पलाइन, ceoelection.mp.gov.in, @ceompelections एवं /ceompelections/CEOMPSVEEP से संपर्क किया जा सकता है।

आस-पास की खबरें

बकोड़ा पीएम श्री हाई स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित पीएम श्री हाई स्कूल में मंगलवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम किसनलाल मानेश्वर के मुख्य आतिथ्य, स्कूल प्राचार्य जीआर अंगुरे की

अध्यक्षता एवं ज्ञानीराम पंचेश्वर जनपद सदस्य प्रतिनिधि, श्रीनिवास कावरे उपसरपंच, बेनीराम चुरहे वरिष्ठ नागरिक, समाज सेवी, श्रीमती सुषमा, आर सी पटले सेवानिवृत्त शिक्षक, श्याम भलावी बीएसी के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर खेल-कूद प्रतियोगिता संपन्न हुई। साथ ही पेंटिंग, निबंध लेखन, रंगोली और मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने गीत, भाषण, नाटक एवं नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दिये। वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं उपस्थित अतिथियों ने छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं की सराहना करते हुए पढ़ाई पर विशेष ध्यान देकर अपना भविष्य बेहतर बनाने की बात कही। स्कूल प्राचार्य जीआर अंगुरे ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन संस्था के शिक्षक लक्ष्मी ठाकरे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक अफरोज खान, टी एस बिसेन, श्रीमती लेखन पटले, आर पी पटले, धनंजय सोनी, श्याम सोलंकी, अजय कटरे, संदीप सोनी कैरियर काउंसलर, मनीष अटरे, दीपांकर मेश्राम, भविष्य कटरे, श्री कटरे व्यवसायिक शिक्षक, श्रीमती लता शिव, श्रीमती भूवनेश्वरी मदनकर, श्रीमती भारती बिसेन, श्रीमती शीला पंचेश्वर सहायिका, नरेन्द्र हाथी भृत्य और विद्यार्थीगणों का सराहनीय योगदान रहा।

जनपद कार्यालय में मरम्मत कार्य अधूरा, टूटी टाइल्स से घायल हो रहे ग्रामीण

लाखों की लागत से बने भवन की हालत जर्जर, गुणवत्ता पर उठे सवाल, कछुआ गति से कार्य होने से बढ़ी परेशानी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत कार्यालय जो क्षेत्र के विकास कार्यों का मुख्य केंद्र माना जाता है। वर्तमान में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। लाखों रूपयों की लागत से विगत वर्ष पूर्व बने इस भवन में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग की पोल खुलने लगी है। वहीं जनपद पंचायत कार्यालय में लगी टाइल्स उखड़ने एवं क्षतिग्रस्त होने के बाद उसके स्थान पर नया टाइल्स लगाने के लिए क्षतिग्रस्त टाइल्स को करीब तीन माह पूर्व उखाड़कर अलग कर दिया गया है। लेकिन अब तक उखड़े हुए फर्श वाले स्थान पर टाइल्स नही लगाया गया है। जिसके कारण उक्त स्थान समतल नही है ऐसी स्थिति में जनपद पंचायत कार्यालय आने वाले हितग्राही, आमजन लगातार चोटिल हो रहे है। जबकि जिस जनपद पंचायत कार्यालय से शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्य करवाने के निर्देश पंचायतों को दिये जाते है। उसी जनपद पंचायत कार्यालय में करीब तीन माह से टाइल्स लगाने का कार्य अधुरा पड़ा हुआ है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके कारण जनपद पंचायत कार्यालय में आने वाले लोगों में आक्रोश व्याप्त है। जबकि रोजाना जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी उखड़ी टाइल्स वाले स्थान से गुजरते है, लेकिन वे भी इस कार्य को करवाने हेतु कोई सार्थक प्रयास नही कर रहे है। इस तरह से कछुआ गति से चल रहे कार्य और जिम्मेदार अधिकारियों की टालमटोल नीति के कारण लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। आम नागरिक एवं हितग्राहियों ने जनपद प्रशासन से जल्द अधुरे कार्य को पूर्ण करवाने की मांग की है।

भवन निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह

आपकों बता दे कि जनपद पंचायत लालबर्रा के इस नये भवन का निर्माण विगत वर्ष पूर्व किया गया था। लेकिन कुछ साल बाद ही दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई और फर्श से टाइल्स उखड़ने लगी थी। इस तरह से लाखो रूपयों की लागत से बने भवन का गुणवत्ता की कुछ वर्ष में ही पोल खुल गई थी। जिसके बाद पिछले वर्ष जनपद पंचायत भवन की दीवारों में आई दरारों का मरम्मत कार्य करवाया गया था। उसके बाद भवन के फर्श में लगी टाइल्स भी उखड़ने लगी थी। जिसके बाद उखड़ रही टाइल्स को निकालकर उसके स्थान पर नये टाइल्स लगाने के लिए करीब 3 माह पूर्व टाइल्स को निकालकर अलग रख दिया गया है। लेकिन अब तक नया टाइल्स नही लगाया गया है। ऐसी स्थिति में जिस स्थान से टाइल्स निकल चुका है। उन स्थानों पर उबड़-खाबड़ फर्श होने के कारण जब कोई बुजुर्ग हितग्राही एवं अन्य लोग पहुंचते है तो टाइल्स उखड़े वाले स्थान से गुजरने पर वे अनियंत्रित हो जाते है और गिरकर चोटिल भी हो रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में जनपद प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं जनपद पंचायत कार्यालय में आने वाले हितग्राही एवं ग्रामीणजनों का कहना है कि भवन निर्माण के दौरान भारी अनियमितता बरती गई है और गुणवत्ता की अनदेखी की गई है। जिसका खामियाजा अब सभी को भुगतना पड़ रहा है।

महीनों से उखड़ी पड़ी हैं टाइल्स - अरविंद

अरविंद अवधिया ने बताया कि जनपद पंचायत कार्यालय में टाइल्स जगह-जगह से टूटी-फुटी हुई है और मरम्मत के नाम पर करीब 3 माह से टाइल्स को उखाड़कर रख दी गई है। लेकिन नया काम शुरू नही किया गया है और उबड़-खाबड़ फर्श के कारण दुर-दराज से आने वाले हितग्राही एवं ग्रामीणजन फिसलकर गिर रहे है एवं चोटिल हो रहे है। श्री अवधिया ने बताया कि शासकीय कार्यालय होने के कारण रोजाना वृध्द एवं महिलाओं का आना-जाना लगा रहता है एवं पूर्व में शिविर भी आयोजित किये गये थे। उस समय विकलांग सहित अन्य वृध्दजन आये थे जिन्हे भी काफी परेशानी हुई थी। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते काम पड़ा है अधुरा - सतानंद

नगपुरे पूर्व सरपंच सतानंद दमाहे ने बताया कि जनपद भवन का विगत वर्ष पूर्व ही निर्माण किया गया है, लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही टाइल्स क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसे करीब 3 माह पूर्व उखाड़कर अलग कर दिया गया है लेकिन अब तक नया टाइल्स नही लगाया गया है। जिसके कारण उक्त स्थान पर फर्श समतल नही होने पर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री दमाहे ने बताया कि जानकारी मिल रही है कि यह कार्य मानपुर पंचायत को करवाना है लेकिन प्रशासन का कहना है कि ठेकेदार के माध्यम से कार्य होना है, इस तरह से प्रशासन के द्वारा केवल टालमटोल की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि जनपद पंचायत कार्यालय से पूरी तहसील के पंचायत विकास योजनाओं का क्रियान्वयन और स्वीकृति होती है, वहां की कार्यप्रणाली इस समय पूरी तरह लचर है। भवन कम अवधि में ही खराब होने लगी है जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है। इसलिए जनपद प्रशासन से मांग है कि जो काम अधुरे है उसे जल्द पूरा करवाये।

इनका कहना है-

जनपद पंचायत भवन की जो टाइल्स क्षतिग्रस्त हो रही थी उसके स्थान पर नये टाइल्स लगाने का कार्य किया जाना है और इस कार्य के लिए मानपुर पंचायत को एजेंसी बनाया गया है। लेकिन उनके द्वारा कार्य में विलंब क्यों किया जा रहा है उसकी जानकारी लेकर जिस स्थान पर टाइल्स लगाना है उसे जल्द पूरा करने निर्देशित किया जायेगा।

चंदरसिंह मंडलोई
सीईओं
जनपद पंचायत लालबर्रा।

100 यूनिट रक्तदान कर युवा एवं समर्थकों ने पेश की मिसाल

अस्पताल में विशाल रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को जिला पंचायत सभापति डुलेंद्र ठाकरे (मुन्ना भैया) के जन्मदिवस के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही राजनीति और समाजसेवा के संगम के रूप में आयोजित इस रक्तदान शिविर में क्षेत्र के युवाओं और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह रक्तदान शिविर जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व चिकित्सकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थिजतनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात केक काटकर जिला पंचायत सभापति श्री ठाकरे का जन्मदिन मनाया गया। जिसके बाद श्री ठाकरे के द्वारा बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे का शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने जिला पंचायत सभापति श्री ठाकरे को शाल, श्रीफल भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। जिसके बाद रक्तदान शिविर प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों के द्वारा रक्तदान देने पहुंचे लोगों की बीपी, सुगर की जांच की गई और 100 लोगों ने रक्तदान किया है। इस तरह से इस रक्तदान शिविर में 100 यूनिट रक्तदान कर युवा एवं श्री ठाकरे के समर्थकों ने मिसाल पेश की है। वहीं रक्तदान शिविर में एकत्रित 100 यूनिट रक्त सरकारी ब्लड बैंक की टीम को सौंपा गया है, ताकि जरूरतमंद मरीजों और आपातकालीन स्थिति में लोगों की जान बचाई जा सके। डॉक्टरों की टीम ने रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर पूर्ण सावधानी के साथ रक्तदान शिविर को संपन्न करवाया। वहीं आमतौर पर राजनेताओं के जन्मदिन पर भव्य आयोजनों की परंपरा रही है, लेकिन जिला पंचायत सभापति श्री ठाकरे ने अपने जन्मदिन को मानवता की सेवा के लिए समर्पित किया। साथ ही इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय एवं समर्थकों ने जिला पंचायत सभापति श्री को पुष्पगुच्छ भेंट एवं रक्तदान कर जन्मदिन की बधाईयां दी। साथ ही कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है और जन्मदिन मनाने का यह तरीका समाज के लिए प्रेरणादायक है। वहीं जिला पंचायत सभापति श्री ठाकरे ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज बहुत खुशी हो रही है कि क्षेत्र के युवा साथी और कार्यकर्ताओं के सहयोग से हमने 100 यूनिट रक्त एकत्रित किया है। पिछले वर्ष हमने सर्राटी नदी की पुलिया का मरम्मत कार्य करवाकर जनहित का मार्ग चुना था और इस वर्ष रक्तदान-महादान के जरिए लोगों की जान बचाने का छोटा सा प्रयास किया है। साथ ही यह भी बताया कि रक्तदान के लिए कतार में खड़े रहे लोग और आप सभी के इस प्रेम एवं सहयोग ने मेरे जन्मदिन को यादगार बना दिया है। आपके द्वारा दान किया गया रक्त किसी के जीवन का आधार बनेगा, यही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे सहित उनके समर्थक, कार्यकर्ता एवं युवा, चिकित्सक उपस्थित रहे।

हार्टफुलनेस निबंध प्रतियोगिता में बालाघाट के छात्र ने किया जिले का नाम रोशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हार्टफुलनेस (Heartfulness) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की निबंध प्रतियोगिता में शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, बालाघाट के छात्र पीयूष राहंगडाले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर में पाँचवां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि उन्होंने हिंदी माध्यम एवं 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग में हासिल की है।

पीयूष राहंगडाले वर्तमान में शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, बालाघाट में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (प्रथम वर्ष) के विद्यार्थी हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल संस्थान बल्कि संपूर्ण जिले का नाम गौरवान्वित हुआ है। प्रतियोगिता में देशभर से हजारों विद्यार्थियों ने सहभागिता की थी, जिसमें पीयूष ने अपनी सशक्त लेखन शैली, विचारों की स्पष्टता और भावनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया।

इस उपलब्धि पर शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिवार, शिक्षकों, मित्रों एवं परिजनों द्वारा उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। संस्थान परिवार ने आशा व्यक्त की है कि पीयूष आगे भी इसी प्रकार अपनी प्रतिभा से प्रदेश एवं देश स्तर पर बालाघाट का नाम रोशन करते रहेंगे।

सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन ने पांढरवानी सरपंच को सौंपा ज्ञापन

संत रविदास मंदिर में सभामंच एवं सरकारी कुएं का जीर्णोद्वार करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन लालबर्रा के पदाधिकारी बुधवार को ग्राम पंचायत पांढरवानी कार्यालय पहुंचकर पांढरवानी सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपकर वार्ड नं. 18 लालबर्रा स्थित संत रविदास मंदिर के समीप सभामंच निर्माण एवं मंदिर के पास स्थित सरकारी कुएं का जीर्णोद्वार करवाने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पांढरवानी पंचायत क्षेत्र के वार्ड नं. 18 में संत रविदास मंदिर स्थित है जहां जयंती एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। लेकिन सभामंच नही होने के कारण आयोजन करवाने में परेशानी होती है। साथ ही उसी स्थान पर सरकारी कुआं निर्मित है, लेकिन देख-रेख के अभाव में कुआं जीर्णशीर्ण होने लगा है। जबकि इस कुएं का पानी वार्डवासी उपयोग करते है इसलिए मंदिर परिसर में सभामंच एवं सरकारी कुएं का जीर्णोद्वार करवाने की मांग सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन लालबर्रा के द्वारा पांढरवानी पंचायत से की गई है। इसी मांग को लेकर बुधवार को सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन लालबर्रा के पदाधिकारियों ने पांढरवानी सरपंच को ज्ञापन सौंपकर मंदिर परिसर में सभामंच एवं कुएं का जीर्णोद्वार करवाने की मांग की है। सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन लालबर्रा अध्यक्ष दीपक चौधरी ने बताया कि सामाजिक बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि संत रविदास जी की प्रतिमा स्थल में सभामंच का निर्माण होना चाहिए। इसी मांग को लेकर बुधवार को पांढरवानी सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपकर वार्ड नं. 18 लालबर्रा स्थित संत रविदास मंदिर परिसर में सभामंच निर्माण एवं मंदिर के पास स्थित सरकारी कुआं जो जर्जर

हो चुका है उसका जीर्णोद्वार करवाने की मांग की गई है। जिन्होने दोनों कार्य को करने आश्वास्त किया है। इस अवसर पर सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन लालबर्रा अध्यक्ष दीपक चौधरी, सचिव कमलेश खरोले, जितेंद्र तरवरे, अशोक महोबे, बी.एल. खरोले, रमेश झाड़ेकर सहित सामाजिक लोग उपस्थित रहे।

इनका कहना है-

सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन के द्वारा ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा के वार्ड नं. 18 संत रविदास मंदिर के समीप सभामंच निर्माण एवं कुएं का जीर्णोद्वार करवाने की मांग की है और दोनों मांगे जनहित में है, जिसे पंचायत प्रमुखता से पूर्ण करेगी।

अनीस खान
सरपंच
ग्राम पंचायत पांढरवानी।

निर्माण लागत की संतोषजनक राशि मुआवजा दिलाए प्रशासन

रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण स्थल पर मशीनों के लिये मकान तोड़कर रास्ता बनाने का मामला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित द्वारा रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण जारी है। जहां रेलवे पटरी वाले स्थान पर मशीनों को लाने के लिए रास्ता निर्माण करने मकान को तोड़ने की कवायद प्रशासन के द्वारा प्रारंभ कर दी गई है। मौके पर प्रशासन के द्वारा नाप जोक कर समीपस्त मकान में टूटने वाले स्थल की मार्किंग कर ली गई है। जहां निवासरत लोगों का विरोध केवल मिलने वाले मुआवजे को लेकर है कि निर्माण कार्य जो क्षतिग्रस्त किया जाएगा उसके अनुसार राशि प्राप्त हो तभी तोड़ने दिया जायेगा। इसको लेकर लगातार प्रशासन के द्वारा मकान मालिकों से चर्चा की जा रही है। वहीं मुआवजा स्वरूप राशि वितरण के लिए एस्टीमेट भी तैयार करना बताया जा रहा है। किंतु वर्तमान तक मकान मालिकों को मिलने वाले राशि की जानकारी नही होने से उनमे असंतोष है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारा रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। जहां वर्तमान में आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित कर रेलवे पटरी के ऊपर के पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जहां विभिन्न प्रकार की मशीनों से यह निर्माण कार्य होना है जिसके आवागमन के लिए उक्त स्थान पर मार्ग पर्याप्त नहीं हैं। इसमें मार्ग किनारे निवासरत कमलाबाई पटले, बलराम रहाँगडाले, संजय दुबे, प्रदीप भगत , ईश्वरीदयाल पटले के मकान के कुछ हिस्से को तोड़कर व्यवस्था बनाए जाने की कार्यवाही प्रशासन के द्वारा की जा रही है। जिसमें मौके पर राजस्व विभाग एवं निर्माण एजेंसी के द्वारा मार्ग की व्यवस्था बनाने के लिए नाप जोख कर मार्किंग कर दी गई है। जिसमें किसी का मकान ५ फीट किसी का १० फीट तक अंदर तोड़ने की मार्किंग दीवारों पर की गई है। तो वहीं ईश्वर दयाल के मकान का एक हिस्सा जहां मवेशियों को बांधने का कार्य उसके द्वारा किया जाता है तो वही कृषि उपकरण एवं मवेशियों का चारा भरा हुआ है जिसे करीब ७०० स्क्वायर फीट का पूरा तोड़ने की मार्किंग बताई जा रही है। ऐसे में उक्त व्यक्ति काफी डरे हुए हैं कि उन्हें मुआवजा स्वरूप क्या मिलेगा इसको लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। जिनके द्वारा संतोषजनक मुआवजा मिलने की मांग की जा रही है ताकि वह पुन: अपना निर्माण कार्य उक्त लागत से कर सके।

मकान क्षतिग्रस्त होगा तो राशि भी निर्माण कार्य के बराबर मिलना चाहिये-प्रदीप

मकान मालिक प्रदीप भगत ने बताया रेलवे ओवर ब्रिज बन रहा है यहां ठेकेदार को मशीन लाने के लिए सड़क की जरूरत है। जिसमें हम ७ लोग के मकान फस रहे हैं इसके लिए हमारे मकान तोड़े जाने हैं। तो इसी हिसाब से रुपये हमें मिलनी चाहिए परंतु वह राशि नहीं देने की ठेकेदार सोच रहा है। जबकि उनके द्वारा किसी मकान का ५ फीट हिस्सा तोड़ा जा रहा है तो उसमें २५ फीट का पूरा मकान क्षतिग्रस्त होगा और पांच मकान है। एक मकान को ५०० से अधिक स्क्वायर फीट तोड़ा जाएगा उसे कच्चा बोलकर वह क्या राशि बता रहे हैं पता नहीं हमें कुछ बताया तो है नहीं पर उतना नहीं देंगे कहते हैं। जब नुकसान हो रहा है तो रुपये भी इस प्रकार दे की बाद में हम निर्माण कर सके यहां सभी किसान है मेहनत मजदूरी कर अपना घर बनाए हैं। अब आपको जरूरत है तो हमने मना नहीं किया किंतु रुपये हमें बराबर दो इसके लिए हम एसडीएम के पास भी गए थे तो उन्होंने आज इंजीनियर और पटवारी भेजे थे। तो वह लोग आए और यहां पर देखने के बाद चले गए हैं अब पता नहीं वह कितना रेट तय करते हैं।

हमें नुकसानी का मुआवजा बराबर मिलना चाहिए-ईश्वर

मकान मालिक ईश्वर दयाल पटले ने बताया कि हमारा विरोध केवल जो नुकसानी हुई है उसका मुआवजा बराबर मिलना चाहिए इसी को लेकर है। हमें ज्यादा और कम मुआवजा नहीं चाहिए वस्तु स्थिति मौके पर दिख रही है उसके हिसाब से यह लोग हमें मुआवजा दे। मेरा ७०० स्क्वायर फीट का मकान टूटने वाला है उसमें टीन शेड और स्लाप दोनों हैं। यहाँ करीब ६ मकान है जिसमें किसी का पोर्च किसी का शटर फस रहा है मुआवजा अभी हमें बताएं नहीं है एसडीएम के द्वारा लोगों को भेजा गया था उन्होंने आकर देखा और चले गए। अब उन्होंने क्या डिसीजन निकाला है पता नहीं हम चाहते हैं कि हमें लागत का पैसा मिले। ताकि हम संतुष्ट हो सके अभी हम संतुष्ट नहीं है और संतोषजनक राशि नहीं मिलेगी तो तोड़ने भी नहीं देंगे।

ग्राम कुम्हली में ग्रामीण टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

विधायक गौरव सिंह ने प्रदान किए पुरस्कार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/कटंगी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कुम्हली में महारानी अवंती बाई लोधी क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में ओपन ग्रामीण टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल १६ टीमों ने भाग लिया। जिसमें खैरी ,सवारी, पिंडकेपार, कुंभली, बपेरा, पिपरिया, छतेरा, भंडारबोडी, चोरपिंडकेपार, रामपायली, बिटली और चिचोली सहित विभिन्न ग्रामों की टीमों ने अनुशासित और उत्साहपूर्ण खेल का प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कड़े मुकाबलों के बाद ग्राम कुम्हली की टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुंभली की ही दूसरी टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रथम पुरस्कार के रूप में ७००१ रुपये तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में ४००१ रुपये प्रदान किए गए।

समापन समारोह के अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने ने कहा कि ग्राम कुम्हली में महारानी अवंती बाई लोधी क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में यह प्रतियोगिता विगत कई वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करती हैं। ग्रामीण अंचलों में ऐसे आयोजन खेल प्रतिभाओं को आगे लाने का सशक्त माध्यम हैं और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती मंजुषा कैलाश कुंजाम, पूर्व सरपंच अभिमन्यु सेलोकर, धनराज कडव,मंगलेश माहुले, रोशनलाल लिल्हारे, अभिषेक सेलोकर, युवराज बघेले, पवन बघेले, घनश्याम बनोटे, खुमेश लिल्हारे, ओमप्रकाश लिल्हारे सहित आयोजन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

झालीवाड़ा श्री साँई मंदिर वार्षिक उत्सव का समापन आज

१ जनवरी को विशाल भंडारा एवं रूद्रकांत ठाकुर की भजन संध्या का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत साँईधाम झालीवाड़ा में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ११ दिवसीय श्री साँई मंदिर वार्षिकोत्सव का १६ वां वर्ष श्री साँई मंदिर ट्रस्ट एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वाधान में २२ दिसंबर से प्रारंभ किया गया था। श्री साई मंदिर वार्षिक उत्सव २०२५ का समापन १ जनवरी को विशाल भंडारा और रात्रि में बरघाट के रुद्रकांत ठाकुर द्वारा भजन संध्या के साथ किया जाएगा। जिसमें ३१ दिसंबर को श्री भक्तमाल कथा का विश्राम कर यज्ञ पूर्ण की गई। इसमें परंपरा अनुसार इस वर्ष साँईधाम झालीवाड़ा में श्री शिरडी के साँई बाबा के प्राण प्रतिष्ठा का १६ वां वार्षिक उत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम कर साँई बाबा का अभिषेक कर पूजा अर्चना उपरांत आरती कर शोभायात्रा निकालकर ग्राम का भ्रमण कर प्रारंभ किया गया था। इसके बाद २३ दिसंबर से श्री भक्तमाल कथा का प्रारंभ किया गया । जिसमें नोखा बीकानेर राजस्थान से पधारे संत श्री माधव दास महाराज के द्वारा व्यास आसन पर विराजमान होकर कथा का वाचन किया गया। जिसमें प्रतिदिन दोपहर १२ से शाम ५ बजे तक संगीतमय कथा का वाचन कर बताया की भक्तमाल हिंदू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रंथ है इसका अर्थ भक्तों की माला हैं। इस कथा में मुख्य रूप से भगवान के भक्तों के चरित्र उनकी भक्ति यात्रा और उनके जीवन के चमत्कारों का वर्णन भक्तों की महिमा का गुणगान किया गया। इस भक्तमाल का मूल उद्देश्य भगवान से भी बढकर भगवान का भक्त होता है। इस कथा में भक्तों के जीवन का परिचय कराकर इसमें बताया गया कि कैसे एक भक्त अपने विश्वास से ईश्वर को भी वश में कर लेता है। कथाओं के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि यदि मनुष्य पूरी तरह से भगवान की शरण में चला जाए तो भगवान स्वयं उसकी रक्षा के लिए दौडे चले आते हैं। इसमें भक्तों के संकट के समय भगवान के द्वारा की गई चमत्कारी मदद के प्रसंग सुनाए गए जिसे बड़ी संख्या में ग्रामीणों के द्वारा उपस्थित होकर श्रवण किया गया। जिसमें २४ दिसम्बर को कथा एवं रात्रि ८ बजे से संगीतमय योग २५ दिसम्बर को कथा एवं रात्रि ८ बजे से सुंदरकांड झाकीमय प्रस्तुती संगीत प्रेमी म्युजिक ग्रुप कटंगी के द्वारा २७ दिसम्बर को कथा एवं रात्रि ८ बजे से अशोक बोपचे सुरदास परसवाड़ा के द्वारा भक्तिमय गीत २८ दिसम्बर को कथा एवं रात्रि ८ बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम २९ दिसम्बर कथा एवं रात्रि ८ बजे से भजन संध्या मॉ लता देवी जागरण ग्रुप नागपुर सौजन्य से योगराज मुन्नु सोनवाने एवं परिवार झालीवाड़ा के द्वारा किया गया। जहाँ ३१ दिसम्बर को संगीतमय कथा का शाम ५ बजे कथा विश्राम कर यज्ञ पूर्णाहुति की गयी। तत्पश्चात १ जनवरी २०२६ को कलश विसर्जन प्रात: ८ बजे कर दोपहर १ बजे से ७ बजे तक विशाल भण्डारा एवं रात्रि ८ बजे से भजन संध्या रूद्रकांत ठाकुर बरघाट की आयोजन की जायेगी। आयोजन समिति अध्यक्ष जगदीश पटले ने बताया कि मां भवानी एवं श्री सांईनाथ महाराज की कृपा से झालीवाड़ा में श्री शिरडी सांई बाबा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा १६ वर्ष पहले हर्ष उल्लास के साथ की गई थी। जिसका वार्षिक उत्सव प्रतिवर्ष हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष भी यह आयोजन किया गया। इसमें लक्ष्य रखा गया था कि हिंदू धर्म में जितने पुराण और कथाएं हैं वह आयोजन किये जायेंगे। इसी के तहत हर वर्ष अलग कथा आयोजित की जाती है। इस वर्ष श्री भक्तमाल कथा का आयोजन किया गया था जिसमें दोपहर १२ से संध्या ५ बजे तक संत श्री माधव महाराज नोखा बीकानेर राजस्थान से पधारे के द्वारा व्यास आसन से संगीतमय कथा का वाचन किया गया। वहीं प्रतिदिन रात्रि में ८ बजे अन्य संस्कृति एवं धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते रहे। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म में वातावरण का निर्माण करना है युवाओं को धर्म से जोड़ना और सत मार्ग पर चलना है। क्योंकि वर्तमान में लगातार हमारी युवा पीढ़ी गलत रास्ते पर जा रही है जिन्हें सही रास्ता दिखाने का कार्य किया जा रहा है। हर वर्ष ११ दिवसीय यह कार्यक्रम होता है जिसमें नववर्ष १ जनवरी के अवसर पर विशाल भंडारा एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इस वर्ष रुद्रकांत ठाकुर की भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें आकर्षक झांकियां के साथ प्रस्तुति दी जायेगी। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के लोगों से आधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील श्री सांई मंदिर ट्रस्ट एवं समस्त ग्रामवासियों ने की है।

भगवत कथा से प्रेम, भक्ति,त्याग और विनम्रता की प्रेरणा मिलती है-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम झालीवाड़ा में श्री सांई मंदिर के १६ वें वार्षिक उत्सव सांईधाम में सदगुरू साईनाथ महाराज के चरणो में नमन करते हुये पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने श्री भक्तमाल कथा के समापन में प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल हुये। संत माधवदास महाराज से व्यासपीठ से आर्शीवाद प्राप्त करने के बाद पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने संबोधित करते हुये कहा की इस कथा का उद्वेश्य ही है की भक्तो की जीवन चरित्रो के माध्यम से भगवत प्रेम,भक्ति,त्याग और विनम्रता की प्रेरणा मिलती है। ताकि श्रोतागण अपने जीवन में अहंकार का नाश कर सके। और भगवान के प्रति अनन्य भक्ति जगा सके। हमे सदैव अच्छा करने का प्रयास करना चाहिये की हम अच्छा सोचे, अच्छा करें जिससे हमारे जीवन में सदैव अच्छा ही होगा। इस दौरान जगदीश पटले, गुडडा पटले, राम खंडेलवाल, अजय पटले, आशीष देशमुख, छोटू टेंभरे, ओरेलाल बघेले,पुलकित पटले, अरविंद देशमुख, श्रीमती गीता सुरेन्द्र देशमुख,श्रीमती माया कन्हैया पारधी, वेदप्रकाश पटले, अनिश मिश्रा, शैलेन्द्र तिवारी, रतन ठाकरे, श्रीमती वीणा शुक्ला मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर में श्री शिवपुराण महोत्सव आज से प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री राम मंदिर में श्री सकल समाज महिला मण्डल के तत्वाधान में १ जनवरी से नववर्ष के अवसर पर संगीतमय श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस संबंध में महिला मंडल के द्वारा बताया कि श्री शिवमहापुराण यज्ञ सप्ताह संगीतमय कथा का पुनित आयोजन श्री राम मंदिर में १ से ७ जनवरी तक आयोजित है। जिसमें प्रथम दिन भव्य कलश शोभा यात्रा सुबह ११ बजे से हनुमान मंदिर सराफा बाजार से राम मंदिर के लिये निकाली जाएगी जो नगर का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंचेगी। जहां श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथावाचक पूज्य गुरुदेव अन्तराष्ट्रीय कथा वाचक रामकृपाल त्रिपाठी के द्वारा व्यास आसन पर विराजीत होकर अपनी रसमयी ललित अमृत वाणी द्वारा सभी भक्तो को जीवन उध्दारक कथा सुनाएंगे। यह कथा १ जनवरी से ७ जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर ३ बजे से शाम ५ बजे तक की होंगी। इसमें ७ जनवरी को पुर्ण आहुति एवं प्रसादी वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिदिन श्रध्दालुओं के द्वारा पार्थिव रूद्री निर्माण करवाकर रूद्राभिषेक सुबह ९बजे से रखा गया है जो आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र से अधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील श्री सकल समाज महिला मण्डल वारासिवनी ने की हैं।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

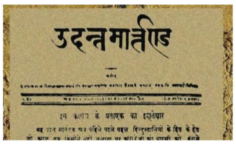

तिजोरी में अर्थव्यवस्था

यह तथ्य कि भारतीय परिवारों के पास मौजूद कुल सोने का मूल्य पहली बार 450 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से भी ज्यादा है, चौंकाने वाला तो खैर है ही, यह अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी नीतिगत चुनौती भी पेश करता है।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष मॉर्गन स्टेनली के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय परिवारों के पास करीब 34,600 टन सोना है। इस आधार पर देखें, तो वैश्विक स्तर पर हाल ही में सोने की कीमतें 4,500 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंचने के साथ ही भारतीय घरों में मौजूद सोने का मूल्य देश की संपूर्ण अर्थव्यवस्था के आकार से भी बड़ा हो जाता है। ये आंकड़े, सोने के प्रति भारतीयों के सदियों पुराने सांस्कृतिक लगाव को तो दिखाते ही हैं, इसके साथ ही वैश्विक अनिश्चितताओं में इसे सुरक्षित निवेश के रूप में देखने की प्रवृत्ति को भी उजागर करते हैं।

उल्लेखनीय है कि सरकारी सोने के भंडार के मामले में भारत भले ही दुनिया के शीर्ष पांच देशों में भी न आता हो, लेकिन यह भी सच है कि निजी सोने के भंडार में दुनिया का कोई भी देश भारत के आगे नहीं टिकता। लेकिन यही सफलता एक विरोधाभास भी रचती है। सोने का यह विशाल भंडार ज्यादातर निष्क्रिय है, जो उत्पादक गतिविधियों में नहीं लगा है। बैंक जमा, शेयर बाजार या उद्योगों में निवेशित धन अर्थव्यवस्था को गति देता है, नौकरियां पैदा करता है और विकास को बढ़ावा देता है। लेकिन घर के लॉकरों में पड़ा सोना बेशक व्यक्ति को निजी तौर पर समृद्ध बनाता है, लेकिन इससे आयात पर निर्भरता बढ़ती है, चालू खाते का घाटा प्रभावित होता है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है।

इन चुनौतियों के मद्देनजर ही स्वर्ण मुद्रीकरण योजना, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे कदम उठाए गए हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को भौतिक सोने के बजाय वित्तीय सोने की ओर आकर्षित करना है। इन प्रयासों में कुछ सफलताएं मिलीं, तो सरकार को भी कुछ सीखें मिलीं। समग्र तौर पर देखें, तो सोने के कुल निजी भंडारों के अनुपात में ये प्रयास सीमित ही रहे हैं। दरअसल, नीतिगत समाधानों का रास्ता एकतरफा हो ही नहीं सकता।

इसलिए पहली जरूरत वित्तीय साक्षरता को गहरा बनाने की है, ताकि लोग सोने से लगाव और इसे अर्थव्यवस्था में उत्पादक रूप से उपयोग में लाने के बीच संतुलन बनाना सीख सकें। यह इसलिए भी जरूरी है, ताकि निष्क्रिय सोना देश की विकास गाथा में सक्रिय भूमिका निभा सके, अन्यथा इसकी चमक सिर्फ तिजोरियों तक सीमित रह जाएगी।

समय की नयी इबारत

जो दिख रहा और जो नहीं दिख रहा

2026 का भारत अब सिर्फ छोटे वीडियो का बहुत बड़ा उपभोक्ता नहीं है; यह दुनिया का सबसे बड़ा रील्स, मीम्स, वॉइस नोट्स बनाने और फॉरवर्ड करने वाला देश है। जिस देश में अवसरों से अधिक प्रतिभाएं हों, वहां इस तरह की स्थिति के खतरे भी हो सकते हैं। इसलिए, एआई के दौर में सतर्कता पूर्वशर्त है।

यह हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गई है। दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है

सोचना मुश्किल है कि दो दशक पहले सोशल मीडिया, फेसबुक, पेटीएम या ऐसी कोई भी चीज नहीं थी, जो आज बदल रही है और हम चाहे गांव में रहते हों या शहर में, इन बदलावों को अपना रहे हैं। लेकिन प्रौद्योगिकी ने अभी हमारा साथ नहीं छोड़ा है, जैसे हम सोशल मीडिया के आदी हुए, अब हम खुद को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में पाते हैं। कुछ दिन पहले मैं एक डिनर पार्टी में चालीस की उम्र के कुछ लोगों से बात कर रही थी। जब मैंने उनसे पूछा कि क्या वे चैटजीपीटी या अन्य एआई प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं, तो मुझे यह जानकर हैरानी हुई कि वे इसके खिलाफ थे। एक महिला कलाकार ने बताया कि वह एआई का उपयोग नहीं करती है। उसे डर था कि यह सोचने को आसान बना देगा, जबकि दिमागी तौर पर सक्रिय एवं सजग रहने के लिए बौद्धिक मेहनत जरूरी है। मुझे यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि क्या हम सब दिमागी तौर पर आलसी होने के कगार पर हैं।

दरअसल, एआई ने पूरा खेल ही बदल दिया है। शिक्षक बताते हैं कि अब उन्हें असाइनमेंट में एआई से तैयार सामग्री को स्कैन करना पड़ता है, चोरी, नकल वगैरह पिछली सदी की बातें हो गई हैं। जैसे ही हम 2026 में कदम रखेंगे, एआई एक ऐसी चीज लगेगा, जो चुपचाप चीजों को बनाने, बात करने, अभियान चलाने, इस्तेमाल करने और यहां तक कि आरोप लगाने के तरीके को ऊर्जा देगा। वर्ष 2024 व 2025 में भारतीयों ने वायरल डीपफेक, क्लोन की हुई आवाजों, सिंथेटिक रील्स और चैटबॉट असिस्टेंट के जरिये एआई का एहसास किया था, लेकिन 2026 में एआई सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण बन जाएगा। अब सवाल यह नहीं होगा कि सामग्री एआई-जनरेटेड है या नहीं, बल्कि यह होगा कि 1.4 अरब लोगों, सैकड़ों भाषाओं और दुनिया के सबसे ज्यादा डिजिटल जुड़ाव वाले देश में क्या प्रामाणिकता का अब भी महत्व है। भारत अब सिर्फ छोटे वीडियो का बड़ा उपभोक्ता नहीं है; यह दुनिया का सबसे बड़ा रोल्स, मीम्स, वॉइस नोट्स बनाने और फॉरवर्ड करने वाला देश है। सिर्फ 2025 में ही, जेनरेटिव रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल हो गए, जिनका इस्तेमाल इन्फ्लुएंसर्स ने रील्स बनाने, राजनेताओं ने ज्यादा असरदार बनने, धोखाधड़ी करने वालों ने अधिकारियों की नकल करने और आम लोगों ने ऐसी सामग्री बनाने के लिए किया, जिसे बनाने के लिए पहले उनके पास हुनर या पैसे नहीं थे।

2026 तक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब शॉर्ट्स और नए

क्षेत्रीय प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली रील्स का एक बड़ा हिस्सा आशिक या पूरी तरह से एआई की मदद से बनाया जाएगा। एआई इंदौर के एक बेडरूम क्रिएटर और मुंबई के एक स्टूडियो के बीच के अंतर को खत्म कर देगा। जैसे सोशल मीडिया ने विचारों को सबके लिए सुलभ बनाया, वैसे ही एआई रचनात्मकता के लिए भी ऐसा ही करेगा। वर्ष 2026 में, एआई भारतीय क्रिएटर्स, शिक्षकों, इतिहासकारों, फिटनेस कोच, आध्यात्मिक कहानीकारों और आंत्रप्रेन्योर्स को बड़ी टीम के बिना पेशेवर तरीके से अपने आइडिया को प्रस्तुत करने में मदद करेगा। क्षेत्रीय ज्ञान, लोक कथाएं, मंदिरों का इतिहास, खाने की स्थानीय परंपराएं, भूली-बिसरी राजनीतिक हस्तियां एआई की मदद से आख्यान और दृश्यों के माध्यम से नई जिंदगी पाएंगे। छोटे व्यवसायी स्थानीय भाषाओं में सिनेमाई अंदाज में विज्ञापन देने के लिए एआई रील्स का इस्तेमाल करेंगे। जिस देश में प्रतिभा हमेशा से अवसरों से ज्यादा रही हो, वहां यह लोकतंत्रीकरण आजादी जैसा लगेगा। लेकिन वही मशीनरी, जो रचनात्मकता को बढ़ावा देती है, भरोसे को भी खत्म कर सकती है। भारत ने यह सबक 2025 में अच्छी तरह से सीखा, जब डीपफेक पहले परेशानी और फिर खतरा बन गया। मशहूर हस्तियों, खासकर महिलाओं को कृत्रिम सामग्री बनाकर निशाना बनाया गया। आवाज व वीडियो की नकल करके वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। वर्ष 2026 में यह सब और बढ़ सकता है। डीपफेक का मकसद हमेशा वायरल होना नहीं होगा। कई ऐसे डीपफेक होंगे, जिन्हें निजी तौर पर निशाना बनाकर और जबर्दस्ती तैयार करके उनका इस्तेमाल जबरन वसूली, उत्पीड़न, राजनीतिक धमकी या इज्जत खराब करने के लिए किया जाएगा।

भारत के संदर्भ में खतरा सिर्फ पैमाने का नहीं, बल्कि असमानता का भी है। एआई टूल्स तक पहुंच रखने वाला कोई भी गलत इरादे वाला व्यक्ति अब ऐसे किसी इन्सान को परेशान कर सकता है, जिसके पास कानूनी जानकारी, डिजिटल जागरूकता या सामाजिक ताकत नहीं है। महिलाओं, नाबालिगों और हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए यह असमानता खास तौर पर गंभीर होगी। राजनीतिक तौर पर एआई का प्रभावी इस्तेमाल करने के लिए पूरे चुनाव को पलटने की जरूरत नहीं है। जिस देश में राजनीतिक संदेश उसके सत्यापन से ज्यादा तेजी से फैलते हैं, वहां एआई से बने ऑडियो और वीडियो झूठे लोगों के फायदे को और बढ़ा देंगे। लोकतंत्र सिर्फ बोलने की आजादी पर ही नहीं, बल्कि भरोसे और अच्छी नीयत पर भी निर्भर करता है।

2026 तक, हो सकता है कि डीपफेक, फर्जी जानकारी और प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी को लेकर नियम 2025 की तुलना में ज्यादा स्पष्ट रूप में हों। हालांकि, यह सब पर एक तरह से लागू नहीं हो पाएगा। भारत की चुनौती कानून की कमी नहीं है, बल्कि इसे लागू करने का पैमाना, रोजाना लाखों अपलोड, कई ज्यूरिस्डिक्शन और विभिन्न प्लेटफॉर्म का देश के बाहर मुख्यालय हैं। ज्यादा टेकडाउन मैकेनिज्म, रिपोर्टिंग टूल और पहचान की चोरी और सिंथेटिक नुकसान के बारे में कानूनी भाषा की उम्मीद करें, पर यह भी स्वीकार करें कि इसे लागू करना आसान नहीं होगा। नागरिकों को सतर्क रहना होगा और जो हम देखते हैं, उस पर सवाल उठाना होगा। इस बात की पूरी आशंका है कि समुदाय ऐसे क्लिप्स के आधार पर एकजुट हो जाएंगे, जो बाद में फर्जी पाए जाएंगे। जब तक सुधार होंगे, तब तक भावनात्मक नुकसान ज्यादा हो चुका होगा।

फिर भी, भारत सांस्कृतिक रूप से बदलाव को अपनाने वाले अग्रणी समाजों में से एक हो सकता है। समाज को अपनी भूमिका निभानी होगी। हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा और यह पूछना शुरू करना होगा कि कोई खास क्लिप कहां से आई है, यह पूछने से पहले कि क्या वह सच है। इस लिहाज से, 2026 %देखना ही विश्वास करना है के अंत और पता लगाना ही विश्वास करना है की शुरुआत का साल हो सकता है। और, हमें वहां तक तेजी से पहुंचना होगा।

-अद्वैता काला
(पत्रकार, फिल्म कथा लेखक एवं चर्चित उपन्यासकार)

अंत ही शुरुआत है

- टी एस इलिएट

हर सूर्योदय आपके लिए नया अध्याय लिखने का निमंत्रण है। इस जोश के साथ शुरुआत करें कि गलतियां, अफसोस और बाधाएं नए अवसरों को रोक न पाएं।

जीवन कई बार हमें ऊंच-नीच, विफलता, कठिनाइयां और मानो अंत-सा अनुभव कराता है। ऐसे में अक्सर हमारे मन में यह सवाल उठता है कि क्या असफलताओं के बाद जीवन फिर से शुरू हो सकता है? दरअसल, जिसे हम शुरुआत कहते हैं, वह अक्सर अंत होता है, और अंत करना ही एक नई शुरुआत करना है। यही अंत वह स्थान है, जहां से हम फिर शुरुआत करते हैं। इसका अर्थ यह है कि कोई भी अनुभव-चाहे वह कठिनाई, विफलता या दिल टूटने का क्षण हो-आखिरकार एक अंत की तरह प्रतीत होता है, लेकिन असल में वह नई

सीख और आगे बढ़ने का अवसर भी है। अंत तब तक पूरा नहीं होता, जब तक हम सीखना और उसे अपनाना नहीं सीख लेते। इसलिए डरने के बजाय अंत को ही शुरुआत बनाएं।

हर सूर्योदय आपके लिए नया अध्याय लिखने का निमंत्रण है। इस जोश से शुरुआत करें कि पुरानी गलतियां, अफसोस अवसरों को रोक न पाएं। नई शुरुआत पुरानी जड़ों से जुड़कर ही सार्थक होती है। हर चुनौती के बाद आने वाला अगला क्षण आपके हाथ में एक नई शुरुआत की चाबी देता है। जब आप स्पष्ट रूप से यह महसूस करते हैं कि हर पल आपको नए सिरे से शुरुआत करने का

मौका देता है, तो जीवन की निराशा कम होती है और उत्साह बढ़ता है। आप हर सुबह अपने भीतर के डर को हराकर आगे बढ़ सकते हैं।

पिछले साल के शब्द पिछले साल की भाषा का हिस्सा हैं, और अगले साल के शब्द किसी नई आवाज का इंतजार कर रहे हैं। इसका मतलब है कि भूतकाल को उसी में रहने दें, और भविष्य के लिए अपनी आवाज खुद बनाएं। नई आवाज, नई सोच और नई आशा ही आपको आगे बढ़ने की शक्ति देती है।

नई शुरुआत आपको आत्मविश्वास देती है। यह याद दिलाती है कि गलतियां स्थायी नहीं हैं। यह आगे बढ़ने की ऊर्जा देती है, चाहे जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थिति क्यों न आए, यह समझाती है कि अंत भी एक शुरुआत है, बस उसे पहचानने का नजरिया चाहिए।

मुद्दा

यह आगे बढ़ने का समय है

पीछे मुड़कर देखें, तो युद्धों व अमेरिकी टैरिफ से वैश्विक व्यापार में कुछ अनिश्चितता जरूर पैदा हुई है, पर यह आगे बढ़ने का समय है और दुनिया के देश यह समझ भी रहे हैं।

वैश्विक व्यापार में बदलाव आ रहा है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद के दौर में अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय के लिए जो मॉडल बना था, वह अनिश्चित नीति, अविश्वसनीय आधारभूत ढांचे और दुर्लभ मृदा खनिजों जैसी संवेदनशील चीजों की बढ़ती मांग से बदल रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद से मजदूरों की कमी, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीति ने भी दुनिया भर में वस्तुओं की आवाजाही पर असर डाला है। इसने बंदरगाहों के कामकाज, शिपिंग कंटेनरों की स्थिति और व्यापार विस्तार की योजनाओं को भी प्रभावित किया है। कंपनियां अमेरिकी टैरिफ से पैदा हुए व्यापार युद्ध के मौजूदा दौर को प्रबंधित करने के तरीके ढूंढ रही हैं, तो क्या वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला हमेशा के लिए टूट गई है?

येल यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर एलेह त्सिविंस्की कहते हैं यूनाइटेड नेशंस कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के अनुसार, मूल्य के हिसाब से दुनिया का लगभग 70 प्रतिशत व्यापार समुद्री रास्ते से होता है, और इसका लगभग दो-तिहाई हिस्सा कंटेनरों में होता है। कंटेनरों को समझना मतलब वैश्विक व्यापार की संरचना को समझना है। त्सिविंस्की कहते हैं कि मैंने अन्य प्रोफेसरों के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला में बाधा का सूचकांक तैयार किया, जो उत्पाद, कंपनी और क्षेत्रीय स्तर पर बाधाओं का पता लगाता है। नतीजों से पता चला कि कोविड के दौरान आपूर्ति में रुकावटें अपने

चरम पर थीं, लेकिन तब से कुल मिलाकर कम हो गई हैं, हालांकि वे महामारी से पहले के स्तर से ऊपर बनी हुई हैं। जब हम जरूरी सामान पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो तस्वीर और भी खराब हो जाती है। दुर्लभधातुओं जैसे महत्वपूर्ण उत्पादों की पहचान करने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग करके, हमने महत्वपूर्ण आपूर्ति बाधाओं का ब्लू सेंटर इंडेक्स बनाया। यह इंडेक्स दिखाता है कि जहां आम आपूर्ति श्रृंखला झटकों से जल्दी ठीक हो जाती हैं, वहीं जरूरी आपूर्ति श्रृंखला पर ज्यादा गंभीर असर पड़ता है और उन्हें स्थिर होने में काफी समय लगता है। आज वैश्वीकरण की यही सबसे बड़ी कमजोरी है। हमने पाया कि अमेरिका की मनमानी टैरिफ नीति के चलते वैश्वीकरण का स्वरूप बदल रहा है। हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें खासकर बड़े झटकों के समय, जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला आर्थिक सुरक्षा को परिभाषित करेंगी, न कि उपभोक्ता वस्तुएं। सरकारों और व्यवसायों के लिए चुनौती अब आपूर्ति श्रृंखला को ज्यादा मजबूत बनाने के बजाय जरूरी वस्तुओं के प्रवाह को सुरक्षित रखने की होगी।

ग्लोबल शिपिंग एसोसिएशन बीआईएमसीओ की पूर्व अध्यक्ष सबरीना चाओ कहती हैं कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अनुसार, इस साल टैरिफ और व्यापार नीति में बढ़ती अनिश्चितता के कारण दुनिया भर के निर्यात में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। यूरोप में अब भी युद्ध जारी है और लाल सागर इलाके में व्यावसायिक जहाजों पर हमले हो रहे हैं। जब अमेरिका जैसा देश वैश्विक व्यापार सिद्धांतों को चुनौती देता है और ब्रेटन वुड्स सिस्टम जैसे समझौतों व डब्ल्यूटीओ जैसे संगठनों के इरादे कमजोर होते हैं, तो वैश्विक व्यापार पर बुरा असर पड़ता है। पर कभी-कभी आगे बढ़ने से पहले पीछे मुड़कर देखना भी लाभप्रद होता है। इस संदर्भ में, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के बीच 2025 में हुए क्षेत्रीय समझौते महत्वपूर्ण हैं, जो दुनिया को बहुध्रुवीय बनाने के साथ वैश्विक व्यापार को भी एक नया रूप दे रहे हैं। ऐसे में, वैश्विक व्यापार जिस अनिश्चितता से जूझ रहा है, वह ज्यादा लंबे समय तक टिकेगी नहीं।

(द न्यूयार्क टाइम्स से साभार)

-रिचर्ड बोरडे

नए साल में ट्रेंड बदलेंगे, तकनीक बदलेगी, पर ग्राहकों की सस्ते और भरोसेमंद अनुभव की चाह कभी नहीं बदलेगी।

वह जो नए साल में भी नहीं बदलेगा

एक साल में तो हम वादों की झड़ी लगा देते हैं और फिर कुछ भूलते, कुछ याद करते, कुछ दोहराते, फिर अपनी कुछ और आदतें बदलने की आशा रखते हुए दिनों को बिताते हैं। मान लीजिए कि आपसे कोई यह प्रश्न करे कि आने वाले दस वर्षों में ऐसा क्या है, जो नहीं बदलेगा, तो आप क्या जवाब देंगे? यह प्रश्न थोड़ा अटपटा तो जरूर है, क्योंकि हम जिस अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और संदिग्ध, यानी चूका वाली दुनिया में रहते हैं, वहां तो सिर्फ बदलाव और उसको अपनाने की ही बातें होती रहती हैं। लेकिन यह सोचना कि आने वाले कई वर्षों तक क्या नहीं बदलेगा, अपने आप में कुछ सजग और संचेत करने वाला सवाल जरूर है।

कुछ ऐसी ही चर्चा जेफ बेजोस ने की, जब वह अमेजन की एक कॉन्फ्रेंस में बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाते समय भविष्य के ट्रेंड्स के बजाय ग्राहकों की स्थायी इच्छाओं पर ध्यान देने की बात कह रहे थे। उन्होंने कहा, %मुझसे अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि अगले दस वर्षों में क्या बदलने वाला है? यह बहुत ही दिलचस्प, लेकिन आम सवाल है। लेकिन मुझसे कभी यह नहीं पूछा जाता कि अगले दस वर्षों में क्या नहीं बदलने वाला है? दूसरा सवाल असल में ज्यादा जरूरी है, क्योंकि आप उन चीजों के आसपास बिजनेस स्ट्रेटेजी बना सकते हैं, जो समय के साथ बनी रहती हैं... खुदरा व्यवसाय में, ग्राहक कम कीमतें चाहेंगे, उन्हें तेज डिलीवरी और बहुत सारे उत्पादों के प्रकार चाहिए होंगे। आज से दस साल बाद भी यही सच रहेगा। फिर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न बदलने वाली बुनियादी चीजों में वस्तुओं की कम कीमतें, तेज डिलीवरी, और ग्राहक को चुनाव के अवसर देने होंगे और ये कभी नहीं बदलेंगे। इस दृष्टिकोण ने अमेजन की प्राथमिकता को दिशा दी और लॉजिस्टिक्स इनोवेशन से लेकर प्राइसिंग एल्गोरिदम तक, और एआई एवं ई-कॉमर्स में तकनीकी हस्तक्षेप के बावजूद यह सही साबित हुआ। बेजोस का कहना है कि इन बातों पर ध्यान देना जरूरी है और यों ही बदलावों के पीछे भागना जोखिमपूर्ण भी है। उनका तरीका अपनी दीर्घकालीन व्यवसाय रणनीति में एक जैसे नैतिक ढांचे को शामिल करना है, जो उन चीजों पर फोकस करने के सिद्धांत पर आधारित हो और जो अगले दस साल में नहीं बदलेंगी। अमेजन के लिए, इसका मतलब ग्राहकों पर ध्यान देना है, जिसे जेफ व्यवसाय का सबसे बड़ा, टिकाऊ नैतिक आधार मानते हैं। क्या आपने कभी सोचा था कि समाज में कमजोर पड़ते भरोसे के मूल्य की रक्षा बाजार करने आएगा और यह वर्क एथिक्स आने वाले कई साल तक यथावत रहेगा? जिस समाज में सब कुछ रिवैलिडेट किया जाता है, वहां बाजार ग्राहक के व्यवहार और फैसले को रिवैलिडेट नहीं करेगा और सिर्फ उसको समान लौटाने की ही सुविधा नहीं देगा, बल्कि इस पर भी यकीन करेगा कि उस सामान को प्रयोग में नहीं लाया गया है। यही भरोसा बाजार व ग्राहक के बीच सेतु बनेगा, जो जेफ बेजोस के अनुसार, आने वाले वर्षों में कभी नहीं बदलेगा। और नहीं बदलेंगे उन असंख्य लोगों के सपने, जो अपनी आर्थिक सीमाओं के बावजूद कुछ खरीदना चाहेंगे, जो किफायती होने के साथ टिकाऊ भी हों। यह भाव, यह अभिलाषा, एक न खत्म होने वाली आकांक्षा की तरह कभी नहीं बदलेगी। बाजार अपने ग्राहकों को बिना किसी सामाजिक भेदभाव के फोन की एक क्लिक पर यकीन दिलाएगा कि वह ग्राहक कंपनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। वही साधन है और साध्य भी। जो भी वस्तु ग्राहक खरीदना चाहता है, बाजार बगैर गुणवत्ता में कोई समझौता किए, उसे सस्ते में ही बेचेगा। यह भी नहीं बदलेगा। सामाजिक भरोसे के धागों को उलझाते-सुलझाते बाजार में मुस्तैद अमेजन की तरह तमाम कंपनियां उस भरोसे को और मजबूत तथा पारदर्शी बनाना चाहेंगी। जेफ बेजोस ने यह भी माना कि यह सोचना असंभव होगा कि सबसे बड़ी जनसंख्या महंगी चीजें खरीदेगी। उनकी कंपनी या बाजार की तमाम कंपनियों को ग्राहक को उसकी जरूरत और सामर्थ्य के अनुसार ही सामान बेचन होगा। सभी को सब कुछ चाहिए, लेकिन सबसे जल्दी व सबसे सस्ता। और ग्राहक को यकीन भी है कि लगातार खरीदी गई वस्तुएं लौटाने के बावजूद कंपनी का भरोसा यथावत बना रहेगा। आज से दस साल बाद, बेजोस शायद एथिक्स की जरूरत को पहले से कहीं ज्यादा जरूरी मानेंगे। कंपनी की सफलता इस पर निर्भर करेगी कि वह अपनी रणनीति में स्थिर एथिकल सिद्धांतों को कितने असरदार तरीके से शामिल करती है। चुनौती एथिक्स के महत्व में बदलाव की नहीं होगी, बल्कि तेजी से बदलते तकनीकी माहौल में, आगे की सोच वाले नैतिक नवाचारों की होगी। आखिर यह समय उत्पाद का नहीं, बल्कि उससे जुड़े ग्राहकों के अनुभव का है, वस्तु की कीमत का नहीं, बल्कि उससे जुड़े मूल्य का है। नहीं तो बाजार मनुष्य के उन धार्मिक सद्भावों को भला कैसे समझ पाता और कैसे स्पिरिचुअल कॉमर्स का एक नया प्लेटफॉर्म बनकर खड़ा हो जाता, जहां त्योहार के मौसम, या नए साल में पूजा की सामग्री या प्रसाद घर पहुंच जाता है, जिसकी कल्पना पहले किसी ने नहीं की थी। बाजार उस पल्स को समझता है और उसे मालूम है कि स्पिरिचुअल कॉमर्स सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि वह जुड़ाव है, जो बाजार और ग्राहक के बीच एक आत्मिक संबंध बनाता है, जो कभी नहीं बदलेगा। ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और इंस्टामार्ट जैसी कंपनियों के लिए बाजार सिर्फ सस्ता, तेज डिलीवरी, और भरोसे का ही प्लेटफॉर्म नहीं है, बल्कि ग्राहक के उस स्पिरिचुअल मन का संवेदनशील श्रोता भी है, जो %कस्टमर इज गॉड% को पुन: परिभाषित करना चाह रहा है। और अंत में, क्या जेफ मनुष्य को बाजार से इतर कर यह भी कहना चाहेंगे कि आने वाले दस साल में नहीं बदलेगा, उस एम्पैथी की मानवीय चाह, वह त्योहारी मौसम में बाजार से अपने शहर, अपने घर लौटने की उद्विग्नता, और वह भरोसा, जो वर्चुअल से ज्यादा रियल होगा, और वह मन, जो प्यार या डांट से दी हुई सलाह को लौटाएगा नहीं, सुनेगा, समझेगा और साथ रहने की संभावनाएं तलाशेगा।

-नन्दितेश निलय
(एल्यूमनस आईआईटी, विल्ली स्पीकर, लेखक एवं एथिक्स प्रशिक्षक)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर आवकों के बीच बुधवार को तिलहनों में सोयाबीन बाजार तेजी पर रहे। दलहनों में चना मजबूत रहा। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। किराना जिंसों में कारोबार सामान्य ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में आवकें कमजोर रहने से भावों में तेजी रही। सोयाबीन बाजार 4700-4800 रू. प्रति क्विंटल पर रहे। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। दलहनों में चना मजबूत देखा गया। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। किराना जिंसों में कामकाज की मात्रा कम ही रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4050, खोपरा गोला 320-410, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारि?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2950, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1540-1560, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2460, सोया साल्वेंट 1205-1210, सोया रिफाइंड 1265-1270, कपास्या 1210, धूलिया 1215, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1255, मुम्बई सोया 1285,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4700-4800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5750, एवरेज 4800-4900, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5500-5600, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6700-6900, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इंदौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सुस्त ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 238500, चॉंदी (99) 238800, टंच 237500, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 137100,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 89.79 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.90 पर खुला, जो पिछले बंद भाव 89.75 से 15 पैसे कम है। कारोबार के दौरान रुपया थोड़ी कमजोरी के साथ कारोबार करता रहा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार भारतीय शेयर बेच रहे हैं। वहीं रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.75 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार पिछले कुछ महीनों से इस बिक्री के कारण रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दबाव में है। अमेरिकी डॉलर की स्थिति छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 98.27 पर पहुंचा।

साल के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ बाजार

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को साल 2025 के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 545.52 अंक करीब 0.64 फीसदी उछलकर 85,220.60 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 190.75 अंक तकरीबन 0.74 फीसदी ऊपर आकर 26,129.60 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान अधिकतर सूचकांक तेजी के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.66 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.77 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 1.61 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.56 फीसदी, निफ्टी मीडिया 1.50 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.47 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मुख्य सूचकांक में केवल निफ्टी आईटी में ह ी -0.30 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन, ट्रेंट, पावर ग्रिड,

बीईएल, एनटीपीसी, एमएंडएम, एच यूएल, एसबीआई, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर उछले जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों को नुकसान हुआ। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.25 अंक की तेजी के साथ 60,484.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 195 अंक की तेजी के साथ 17,713.95 पर था। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में कमजोरी के बाद भी बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 84,793.58 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी-50भी मजबूती के साथ 25,971.05 पर खुला। एशियाई बाजारों में ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.17 फीसदी गिरा, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.42 फीसदी नीचे रहा। चीन का सीएसआई 300 लगभग स्थिर रहा। जापान और दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे।

गूगल-पे, फोन-पे और पेटीएम 1 जनवरी से नहीं होंगे बंद

नई दिल्ली।एजेंसी। नए साल की तैयारियों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर कुछ मैसेज तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि 1 जनवरी 2026 से गूगल पे, फोन पे जैसे यूपीआई ऐप्स पर लिमिट लगेगी या बंद हो जाएगा। इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। कुछ मैसेज में कहा जा रहा है कि गूगल पे और फोन पे पर 1 जनवरी से ट्रांजेक्शन लिमिट लागू होगी या ऐप काम करना बंद कर देगा। यह पूरी तरह गलत है। एनपीसीआई ने 30 फीसदी मार्केट शेयर की सीमा का नियम प्रस्तावित किया था, लेकिन इसे लागू करने की नई डेडलाइन 31 दिसंबर 2026 तय की गई है। इसका मतलब है कि अगले पूरे साल तक यूजर्स बिना किसी परेशानी के सभी यूपीआई ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक अन्य दावा यह है कि अगर एक साल तक ट्रांजेक्शन नहीं किया गया तो यूपीआई आईडी बंद हो जाएगी। जबकि सच्चाई यह है कि यह नियम 2023 से लागू है और केवल उन मोबाइल नंबर से जुड़े यूपीआई आईडीएस के लिए है जो अब उपयोग में नहीं हैं। अगर नंबर बदल चुका है और लंबे समय से ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है, तभी यूपीआई आईडी डिएक्टिव हो सकती है। बैंक या ऐप पहले इसकी सूचना भी भेजते हैं। सोशल मीडिया पर यह भी कहा जा रहा है कि पेन-आधार लिंक न होने पर बैंक खाता फ्रीज हो जाएगा और यूपीआई बंद हो जाएगा। यह दावा भी गलत है। पेन लिंक न होने से केवल टीडीएस अधिक कट सकता है और टैक्स रिफंड में समस्या आ सकती है, लेकिन यूपीआई सेवाओं पर इसका कोई असर नहीं होता।

साल के आखिरी दिन सोने-चांदी में तेज गिरावट

- सोने की कीमत 1,35,962 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,40,650 रुपए किलो

नई दिल्ली।एजेंसी। साल के आखिरी दिन बुधवार 31 दिसंबर को कीमती धातुओं के बाजार में जोरदार उतार-चढ़ाव देखने को मिला। ऑलटाइम हाई स्तर छूने के बाद सोना और चांदी दोनों में तेज गिरावट दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दोनों धातुओं के भाव कमजोर रहे, जिससे निवेशकों की नजरें बाजार की आगे की चाल पर टिक गई हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ 1,35,962 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई। वहीं चांदी में इससे भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। चांदी का भाव 4.13 फीसदी टूटकर 2,40,650 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। जानकारों के मुताबिक, रिकॉर्ड स्तरों के बाद मुनाफावसूली और साल के अंत में पोजिशन क्लोजिंग के कारण कीमतों पर दबाव बढ़ा। इससे पहले मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 1,000 रुपये उछलकर 2.41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि, सोने में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 2,800 रुपये टूटकर 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया, जबकि सोमवार को यह 1,41,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। बाजार के ??विशेषज्ञों के अनुसार निकट भविष्य में भले ही चांदी में उतार-चढ़ाव बना रहे, लेकिन दीर्घकाल में इसे मजबूत औद्योगिक मांग से समर्थन मिल सकता है। खासकर सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ती मांग और आपूर्ति से जुड़ी संरचनात्मक चुनौतियां चांदी की कीमतों के लिए सहायक साबित हो सकती हैं।

मेष- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रखने वाला है। आपको भाग्य के भरोसे किसी काम को छोड़ना बेहतर रहेगा, क्योंकि उसमें आपको अच्छी सफलता हासिल होगी। आप किसी काम को लेकर ज्यादा उतावलापन न दिखाएं और आय के नए सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहेगी और आप उसे सही कामों को करने में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप अपनी माताजी से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत करेंगे, जिससे आपकी कुछ नया करने की इच्छा भी जागृत होगी और परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। आपको बिजनेस के कामों में कुछ गड़बड़ी होने से टेंशन बनी रहेगी, लेकिन आपकी संतान को कोई अवार्ड मिलने से आपका ध्यान टेंशनों से बाहर निकालेगा लेकिन आपको अपने आसपास कर रह रहे लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचना होगा, नहीं तो वह आपको धोखा दे सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपकी संतान के मन में यदि किसी काम को लेकर कोई उलझन थी, तो आप उसे भी दूर करने में लगे रहेंगे और आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। कोई पार्टी आदि को करने की योजना भी बना सकते हैं। आपको किसी दूर रहे परिजन की याद सताएगी। ऑफिस में आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए नौकरी में बदलाव के लिए बढिया रहने वाला है। बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा और आय बढ़ेंगी। यदि आपने किसी से कुछ कर्जा लेने का सोचा था, तो कुछ समय के लिए रुक जाएं। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। परिवार में छोटी-छोटी समस्याएं आने से आप परेशान रहेंगे। आज आपकी माताजी से किसी बात को लेकर कहासुनी होगी और आप अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानकर आगे बढ़ें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। पैतृक संपत्ति से आपको फायदा हो सकता है। आपके कुछ नए शत्रु उत्पन्न हो सकते हैं, जो आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आप अच्छे खानपान का आनंद लेंगे और परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करेंगे, जिससे पुराने दुख दूर हो जाएंगे और सब संबंधित रिश्तों में मजबूती आएगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए सावधानी और सफलता बरतने के लिए रहेगा। बिजनेस में कुछ गुप्त शत्रु आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आपके ऊपर काम का दबाव भी अधिक रहेगा। आपने यदि किसी काम को लेकर जोखिम लिया, तो वह बाद में आपके लिए कोई मुश्किल खड़ी कर सकता है। यदि आप शॉपिंग आदि पर जाएं, तो उसमें अपना पूरा ध्यान दें, नहीं तो कोई फ्रॉड हो सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए बढिया रहने वाला है। आपको कोई प्रमोशन आदि जैसी खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको कोई लेनदेन सोच समझ करना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा और यदि आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोले, तो इससे आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

धनु- आज का दिन बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए बढिया रहने वाला है। आपका यदि कोई काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। आपको अपनी मेहनत से बिल्कुल जी नहीं चुराना है, तो आप आज किसी बड़े जोखिम के चक्कर में न पड़ें, नहीं तो आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है और आप अपने साथी के साथ रोमांटिक रहेंगे और घूमने के लिए जा सकते हैं। आपको ध्यान में रखकर खर्च करना होगा, क्योंकि आपकी किसी प्रॉपर्टी को लेकर डील बिगड़ सकती है। आप अपनी आय को ध्यान में रखकर व्यय करें आप अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चले, यदि आपका कोई काम पेंडिंग चल रहा था, तो आपको किसी से कोई वादा सोच समझ कर करना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर यदि कोई समस्या चल रही थी, तो आप उसे दूर करने की कोशिश करेंगे और बिजनेस के कामों में कोई बदलाव न करें, नहीं तो आपको इसके लिए पछतावा होगा। आपको अपनी इन्कम को बढ़ाने के सोर्सो पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है और यदि आपको कोई जिम्मेदारी मिले, तो उसको लेकर आपको थोड़ा ध्यान देकर चलना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। परिवार के सदस्य को आपका पूरा सहयोग मिलेगा और भाई-बहनों से आप थोड़ा संयम भरा व्यवहार रखें। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी, लेकिन यदि आप लापरवाही दिखाएंगे, तो उससे आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। आप किसी अजनबी की बातों में ना आएं।

शब्दजाल - 8127

शब्दजाल में 'आ' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आ	घा	त	ह	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	त	ता	यी	तें	शा	ई
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ब्र	र	ला	ना
आ	कु	अ	ल	बे	ला	क	ई	रि	श	लौ
स	मा	श	आ	तं	क	स	अ	ग	वी	ट
री	रं	दा	चु	व	लि	आ	वा	ग	म	न
आ	गा	ल	के	गा	आ	म	र	कौ	या	ले
ग	वा	आ	रा	म	क	रो	प्रे	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	ग्य	शा	जू	द
न	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	आ	स	मा	न	हो	ग	या	दु	र	क

आराम,आगमन,आईना,आसमान,आघात, आरोग्य,आवागमन,आमादा,आततायी, आतंक

शब्दजाल - 8126 का हल

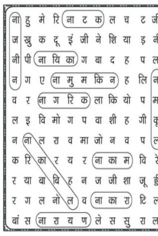

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7071

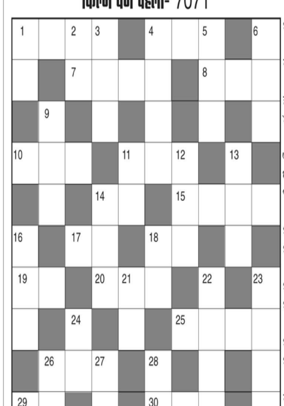

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों की सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे ख्यालों की मलिका' गीत वाली शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7070

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

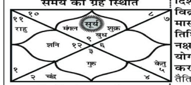

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.40 बजे से
चंद्र	वृष में	कुंभ	09.26 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.59 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.10 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.08 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.37 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.49 बजे से
राहुकाल		तुला	01.00 बजे से
1.30 से 3.00		वृश्चिक	03.15 ब.से
बजे तक		धनु	05.31 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का पहला दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 22.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 22.49 बजे को समाप्त।
योग शुभ 17.13 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.07 बजे तदनन्तर तैतिल 22.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 01'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872576
जूलियन दिन 2461041.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 11
विशेष रोहिणी व्रत, गुरु प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: संकल्प की ताकत

एक बालक परीक्षा में फेल हो गया। उसके साथियों ने इस पर उसका खूब मजाक उड़ाया। इससे उस लड़के को गहरा सदमा पहुंचा। उसके बाद से वह अत्यंत तनावग्रस्त रहने लगा। उसने पढ़ना-लिखना और यहां तक कि ढंग से खाना-पीना भी छोड़ दिया। वह हर समय एक कोने में गुमसुम बैठा रहता। बालक के माता-पिता ने उसे प्यार से समझाया, 'बेटा, एक बार फेल होना इतनी बड़ी असफलता नहीं है जिससे तुम इस तरह परेशान हो जाओ। आखिर ऐसा कब तक चलेगा। जो हुआ उसे भूल जाओ और आगे की सोचो।' किंतु बालक को माता-पिता की बातों से संतुष्टि नहीं मिली। मानसिक अशांति और निराशा में उसे कुछ नहीं सूझा और वह एक रात आत्महत्या करने के लिए चल पड़ा। रास्ते में एक बौद्ध मठ मिला जहां से कुछ आवाजें आ रही थीं। बालक उत्सुकतावश उन आवाजों को सुनने के लिए मठ के अंदर चला गया। वहां उसने देखा कि एक भिक्षुक कह रहा था, 'पानी मैला क्यों नहीं होता, क्योंकि वह बहता रहता है। पानी के मार्ग में बाधाएं क्यों नहीं आतीं? क्योंकि वह बहता रहता है। पानी का एक बिंदु झरने से नदी, नदी से महानदी और महानदी से समुद क्यों बन जाता है? क्योंकि वह बहता रहता है। इसलिए मेरे जीवन! तुम रुको मत, बहते रहो। जीवन में कुछ असफलताएं आती हैं लेकिन तुम उनसे घबराओ मत। उन्हें लांघकर दोगुनी मेहनत करते चलो। बहना और चलना ही जीवन है। एक असफलता से भी घबरा कर रुक गए तो उसी तरह सड़ जाओगे जिस तरह ठहरा हुआ पानी सड़ जाता है।' बालक को ये बातें अच्छी लगीं। वह ठहरकर इस पर विचार करने लगा। उसका खोया हुआ आत्मविश्वास लौटा। उसने ठान लिया कि वह निराश नहीं होगा और जीवन में आगे बढ़ेगा। यह सोचकर वह वापस घर की ओर मुड़ गया। फिर उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। यही बालक बड़ा होकर अपने देश वियतनाम का राष्ट्रनायक बना। उसका नाम था-हो ची मिन्ह।

सूडोकु नवताल- 7380

सरल

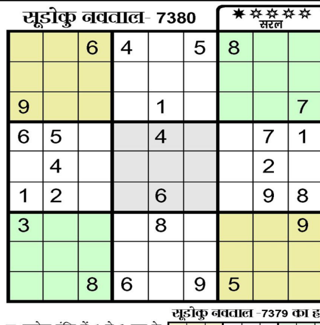

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल-7379 का हल

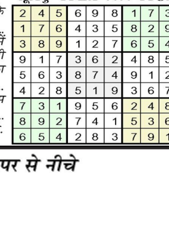

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

शब्द पहेली - 8595

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8594 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नई आशा व नई उम्मीदों के साथ नववर्ष 2026 का स्वागत

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नई आशा, नई ऊर्जा और नई उम्मीदों के साथ नववर्ष 2026 का आगाज हो गया है। इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों एवं सुधि पाठकों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं। वर्ष परिवर्तन का यह क्षण जहां एक ओर उत्साह और उल्लास से भरा है, वहीं दूसरी ओर बीते वर्ष की यादों और आने वाले समय की चुनौतियों पर मंथन का अवसर भी देता है। नववर्ष को लेकर नगर एवं ग्रामीण अंचलों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर बधाइयों और शुभकामनाओं की बाढ़ सी आ गई है। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा नववर्ष की शुभकामनाओं वाले फ्लैक्स व बैनर लगाकर क्षेत्रवासियों को बधाई दी जा रही है। हर कोई अपने-अपने तरीके से नववर्ष के स्वागत में जुटा नजर आ रहा है।

2025-उम्मीदें, उपलब्धियां और अधूरी अपेक्षाएं

लांजी क्षेत्र के लिए बीता वर्ष 2025 मिला-जुला रहा। जहां एक ओर कुछ विकास कार्यों से नगरवासियों को राहत मिली, वहीं कई ज्वलंत समस्याएं अब भी जस की तस बनी रहीं। पुलिस प्रशासन द्वारा डबल मनी जैसे मामलों में छोटे-छोटे आरोपियों की गिरफ्तारी से आमजन में यह उम्मीद जगी कि जल्द ही मुख्य आरोपी भी कानून के शिकंजे में आएंगे, लेकिन वर्ष समाप्त होने तक यह उम्मीद पूरी होती नजर नहीं आई। इसके साथ ही बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और रोजगार के अभाव में हो रहा पलायन क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं में शामिल रहा। युवा वर्ग रोजगार की तलाश में महानगरों की ओर पलायन करने को मजबूर है, जो आने वाले समय के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

अलविदा 2025, स्वागत 2026

वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसंबर को नगर व आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह थर्टी फर्स्ट पार्टी, मिलन समारोह और पारिवारिक आयोजनों के माध्यम से वर्ष 2025 को विदाई दी गई। रात 12 बजे जैसे ही घड़ी ने नए वर्ष का संकेत दिया, कहीं आतिशबाजी हुई तो कहीं डीजे की धुन पर लोगों ने झूमकर नववर्ष 2026 का स्वागत किया।

मंदिरों में पूजा-अर्चना, आस्था के साथ करेंगे नए वर्ष की शुरुआत

नव वर्ष 2026 के स्वागत के लिए लोग आतुर है। मंदिरों के दर्शन से लेकर बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर आज नव वर्ष की शुभकामनाएं दी जाएगी। नगर के मां लंजकाई मंदिर, दादा कोटेश्वर धाम, ऐतिहासिक किला, गांगजीराजा, मां काली, मां गायत्री मंदिर के अलावा मां पाण्डरीपाठ देवीधाम वारी, बालाजी मंदिर धाम कटंगी के अलावा अनेक पर्यटन स्थलों पर नववर्ष मनाने लोगों की उपस्थिति नजर आएगी। जहां भगवान का दर्शन-पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और क्षेत्र के विकास की कामना करेंगे। वहीं पिकनिक स्थलों वह सार्वजनिक स्थानों पर भी नववर्ष का स्वागत करने लोग आतुर है।

2026 से उम्मीदें

नववर्ष 2026 से क्षेत्रवासियों को विकास, रोजगार के नए अवसर, बेहतर कानून-व्यवस्था और जनसमस्याओं के समाधान की उम्मीद है। आमजन का मानना है कि यह वर्ष लांजी क्षेत्र के लिए नई संभावनाओं और सकारात्मक बदलावों का वर्ष बनेगा।

इन्हीं आशाओं और संकल्पों के साथ लांजी क्षेत्र ने नववर्ष 2026 का स्वागत किया।

फोफसा में 17वीं क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन- चूरली टीम बनी विजेता

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम फोफसा में आयोजित 17वीं क्रिकेट प्रतियोगिता का 31 दिसम्बर को भव्य समापन हुआ। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन 20 दिसंबर 2025 को ग्राम के सरपंच शिवशंकर चौधरी तथा कांग्रेस आर.टी. सेल/एसएमसी अध्यक्ष मुरलीधर बावनथडे के कर-कमलों द्वारा किया गया था। उद्घाटन समारोह में ग्राम के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और गरिमामय बनाया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न टीमों सहित कुल लगभग 33 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोमांचक मुकाबलों के बाद फाइनल मैच में चूरली टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में विजेता चूरली टीम को 3001 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई, जबकि उपविजेता फोफसा वॉरियर्स टीम को 1501 रुपये की राशि दी गई। मुरलीधर बावनथडे के द्वारा दोनों टीमों को शील्ड तथा गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। विजेता चूरली टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में प्रशांत, विकास, अजीत, वेद, विकी, सौरभ, प्रकाश, गजेंद्र, चिंटू, अनमोल, सागर, यश, प्रियांश, मिथुन और गज्जू शामिल हैं, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से टीम को जीत दिलाई। समारोह में ग्राम के सम्माननीय नागरिकों सहित अमित राहंगडाले, कार्तिक बावनथडे, ओम बावनथडे, शुभम मोरघडे, अंकित मोरघडे, प्रलाद चौधरी, नरेंद्र चौधरी, दिलीप चौहान, सुजीत शेंडे, अंकुश अनकर, दीपक अनकर, गजेंद्र सोनवाने आदि की उपस्थिति रही। इस आयोजन ने ग्राम फोफसा में खेल भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं में उत्साह जगाया। आयोजकों ने सभी भाग लेने वाली टीमों, दर्शकों तथा सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

पाली अकादमिक संस्थान में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक समारोह

पद्मेश न्यूज। लांजी। मुख्यालय के समीप स्थित ग्राम बिसोनी में सीबीएसई संबद्ध पाली अकादमिक संस्थान में 29 दिसंबर 2025 को वार्षिक समारोह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता में प्रबंधक संजय चौरे, प्राचार्या श्रीमति श्रद्धा कांड्रा के मार्गदर्शन तथा मुख्य अतिथि बेनीरामजी गुर्दे (प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय बोलेगाँव) विशिष्ट अतिथि अक्षय उपराड़े (बी0एम0ओ0 लांजी सिविल अस्पताल) श्रीमति वर्षा वारे (सरपंच, ग्राम पंचायत बिसोनी), श्रीमति समिता चंद्रिकापुरे (अध्यक्षा, पालक शिक्षक संघ, पाली अकादमिक संस्थान), प्रखर देशना केरियर एण्ड वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्षा श्रीमति शंकुतला भीमटे, श्रीमति पदम्रा बोरकर, श्रीमति नमिता भीमटे, महाविद्यालय के प्राचार्य भोजलाल लिल्हारे, समस्त शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों, ग्राम पंचायत बिसोनी के पूर्व सरपंच बारेलालजी बड़घैया, विजय वारे, पंचायत सचिव मोरघडे की गरिमामय उपस्थिति में विद्यालय का वार्षिक समारोह संपन्न हुआ । कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुई, जिसके बाद कक्षा नवमी की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर विद्या की देवी की स्तुति की। तत्पश्चात् वार्षिक समारोह में उपस्थित मुख्यअतिथि, विशिष्ट अतिथियों, ग्रामीणजनो तथा अभिभावकगणों का स्वागत, विद्यालय के शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं के द्वारा किया गया। अतिथियों के स्वागत के लिए छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया । सर्वप्रथम विद्यालय की प्राचार्या श्रीमति श्रृद्धा कांडा द्वारा विद्यालय की उपलब्धियों तथा विद्यालय के विज़न को अपने उद्बोधन के माध्यम से प्रकट किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष तथा संस्थान की संचालिका श्रीमति वंदना वैद्य ने अपने उद्‌द्बोधन के माध्यम से छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए, संस्थान के विकास तथा यहाँ अध्ययनरत् छात्रों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति का हरसंभव प्रयास करने के लिए वचनबद्धता की बात कही। मुख्य वक्ताओं में बेनीराम गुर्दे (प्राचार्य, सांदीपनि विद्यालय, बोलेगांव) तथा अक्षय उपाराड़े (ब्लाक मेडिकल ऑफीसर, सिविल अस्पताल लांजी) द्वारा छात्रों का मार्गदर्शन कर बताया गया कि, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी किस प्रकार की जाये, छात्रों में अध्ययन के प्रति सचेतता के साथ नैतिक गुणों का समावेश हो ताकि भविष्य में एक अच्छे नागरिक बनकर अपना, अपने परिवार, समाज तथा राष्ट्र का नाम भी विश्व पटल पर रोशन कर सकें । इस वार्षिक समारोह का प्रमुख आकर्षण रहे मंचीय कार्यक्रमों में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा नवमी तक के होनहार छात्र-छात्राओं द्वारा अलग-अलग विधाओं जैसे अंग्रेजी गीत, हमारे भारत देश के राज्यों के लोकनृत्य, वर्तमान समय के ज्वलंतशील मुद्दो जैसे नक्सली समस्याओं का अंत करने के लिए प्रयासरत, हमारे सुरक्षा सैनिको के योगदान को नाटक के माध्यम से पेश किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में तैयार किए गये इन कार्यक्रमों को उपस्थित जनसमूह का अपार स्नेह, उत्साहवर्धन प्राप्त हुआ तथा समस्त उपस्थित लोगों ने बच्चों की मेहनत को स्वीकार कर उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस वार्षिक समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधक संजय चौरे द्वारा उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों तथा समस्त गणमान्य नागरिक, अभिभावकगणों का आभार प्रकट किया। संस्थान में आयोजित, इन समस्त क्रियाकलापों का आयोजन संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य, की अध्यक्षता प्रबंधक संजय चौरे तथा प्राचार्या श्रीमती श्रृद्धा कांड्रा के मार्गदर्शन तथा समस्त शैक्षिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ के सहयोग से किया गया।

साकेत पब्लिक स्कूल ने मनाया रजत जयंती उत्सव

तीन दिनों तक हुए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विद्यालय साकेत पब्लिक स्कूल लांजी के 25 वर्ष पूर्ण होने पर साकेतोत्सव रजत जयंती समारोह का आयोजन बड़ी ही गरीमामयी माहौल में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। रजत जयंती समारोह का शुभारंभ 29 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार को मां भारती एवं मां सरस्वती पूजन के साथ किया, जिसमें समाजसेवी उषा देवी पशीने, सुशीला दुग्गड़, लक्ष्मी रणदिवे, लीला मोरघड़े, माया रहमतकर, श्यामलाल पाण्डे की उपस्थिति में सांस्कृतिक कार्यक्रम कक्षा प्री-प्रायमरी से पांचवी तक के छात्र/छात्राओं का नृत्य, नाट्य एवं फैंसी ड्रेस कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के नन्हे मुन्ने छात्र/छात्राओं ने आकर्षक एवं मनमोहक प्रस्तुति दी।

मेधावी एवं पूर्व छात्र/छात्राओं का किया गया सम्मान

साकेतोत्सव रजत जयंती समारोह के प्रथम दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के मेधावी एवं पूर्व छात्र/छात्राओं का सम्मान भी किया गया, जिसमें विद्यालय को विगत 25 वर्षो से गौरवान्वित करने वाले छात्र आई.आई.टी. एवं एन.आई.टी. में चयनित, कक्षा दसवी बारहवी में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र/छात्राओं, नीट प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस में प्रवेश पाने वाले छात्र/छात्राओं, शासकीय सेवा में कार्यरत् विद्यालय के पूर्व छात्र/छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में 30 दिसम्बर 2025 को साकेतोत्सव रजत जयंती समारोह के द्वितीय दिवस में सांस्कृतिक कार्यक्रम मां भारती एवं सरस्वती माता के पूजन के पश्चात शुभारंभ श्रीमती डॉ नम्रता पशीने, किरण दिनेश कचवाहे, किर्ती अनिल महिमेहरो, कल्पना मुकेश मानकर, एकता कपिल अग्रवाल, लता झंकार किरनापुरे, डॉ किशोर सोनवाने के आतिथ्य में आयोजित किया गया। जिसमें कक्षा छठवी से कक्षा बारहवी के छात्र/छात्राओं ने भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए अलग- अलग राज्यों एवं उनकी भाषा-शैली में मनमोहक एवं आकर्षक प्रस्तुति प्रस्तुत की जिससे दर्शकों का मन प्रफुल्लित एवं आनंदित हुआ।

इनका किया गया सम्मान

साकेतोत्सव रजत जयंती समारोह के द्वितीय दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के दौरान लोकतंत्र के चौथे स्तंभ एवं अपनी लेखनी से जन जागरूकता लाने वाले दिनेश रामटेक्कर बालाघाट एक्सप्रेस सहित अन्य का सम्मान विद्यालय के संचालक संतोष मोरघड़े एवं विद्यालय परिवार द्वारा किया गया।

साकेतोत्सव रजत जयंती समारोह के तृतीय दिवस समापन समारोह 31 दिसम्बर 2025 दिन बुधवार को प्रातः 08 बजे से 05 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन गायत्री परिवार के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया गया, जिसमें समस्त विद्यालय परिवार, छात्र/छात्राओं के अभिभावक नगर के गणमान्य नागरिक एवं वरिष्ठ जनों ने 05 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में उपस्थित होकर यज्ञ आहूति देकर महाप्रसादी ग्रहण किया। इसी क्रम में दोपहर 02बजे छात्र/छात्राओं के माताओं एवं मातृशक्ति को लेकर मातृशक्ति सम्मेलन श्रीमती दुर्गा दिनेश रामटेक्कर, शिखा कैलाश गोस्वामी, अरूणा राजेश रणदिवे, वीणा रमाकांत उपराड़े, लक्ष्मी व्ही.एन. रणदिवे, सुश्री मंशा नारंग, प्रिया उज्ज्वल श्रीवास्तव, रेखा राजेन्द्र मुरकुटे, कविता अमोल आसटकर के आतिथ्य में आयोजित किया गया। जिसमें अपने तनाव पूर्ण दिनचर्या से बाहर आकर अपने अनुभव एवं जीवन-शैली को समापन समारोह में उपस्थित मातृशक्तियों के साथ साझा करते हुए अपनी कला-कौशल के आधार पर प्रस्तुति दी। तत्पश्चात विद्यालय के संचालक संतोष मोरघड़े एवं प्रधान पाठक श्रीमती नेत्रेश्वरी डॉ किशोर सोनवाने ने साकेतोत्सव रजत जयंती समारोह में उपस्थित अभिभावक, अतिथियों, छात्र/छात्राओं एवं समस्त शाला परिवार का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के संचालक संतोष मोरघड़े, प्राचार्य महेन्द्र कुमार दुरूगकर, प्रधान पाठक श्रीमती नेत्रेश्वरी डॉ किशोर सोनवाने के नेतृत्व में समस्त शाला परिवार के शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों के सहयोग से सफलता पूर्वक किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन विद्यालय की छात्रा कु. नील राजू बाहेश्वर, अदिति अमोल आसटकर, किकरा फातिमा, वर्षा उपराड़े, सिद्धी उमरे, भुवन दूरूगकर, नुपुर वाकड़े तथा वाद्य यंत्रों एवं स्वागत गीत, पूजन कार्यक्रम में कु. दिव्यानी मुकेश मानकर, सानिया शेख, श्रेया बनवारी, पावन संतोष मोरघड़े, अस्मित मेश्राम का सहयोग रहा।

महेश सोनी पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड नम्बर 13 सुन्दरटोला निवासी महेश सोनी का 83 वर्ष की आयु में 30 दिसम्बर की रात्रि 10.30 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र तीन पुत्रियों व नाती पोते-पोतियों से भरा पुरा परिवार छोड़ कर इस दुनिया से विदा हो गए। इनका अंतिम संस्कार 31 दिसम्बर को स्थानीय कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया। आपके निधन पर नाते रिश्तेदार, मित्र मण्डल, ग्रामीण जनों के द्वारा शोक संवदेना व्यक्त कर मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना कर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की है।

पूर्व न.पा. अध्यक्ष सविता उईके के पति गोविंद सिंह उइके का निधन

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर समीप ग्राम मोहबट्टा निवासी श्रीमती सविता उइके पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मलाजखंड मोहगांव के पति गोविंद सिंह उइके 69 वर्ष की रायपुर के एक प्रमुख चिकित्सालय में उपचार के दौरान दुखद निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार उनके ग्राम के मोक्ष धाम में किया गया।गोविंद सिंहउइके की शिक्षा बैहर से प्राथमिक हायर सेकेंडरी एवं आरंग भारती महाविद्यालय से हुई थी सन 1976 में ताम्र परियोजना मलाजखंड में लेखपाल के पद में सेवा देते हुए 62 की उम्र में सेवन सेवानिवृत्ति होकर ग्रह ग्राम मोहबट्टा में खेती कार्य करते हुए सामाजिक धार्मिक एवं राजनीतिक में व्यस्त रहे। गोविंद सिंह हुई के पिछले कुछ माह से अस्वस्थ चल रहे थे। जिन्हें उपचार हेतु बालाघाट के चिकित्सालय मेंभर्ती किया गया था जहां से उन्हें गोंदिया के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था यहां पर स्वास्थ्य लाभ नहीं मिलने पर उन्हें रायपुर के प्रमुख चिकित्सालय में सघन चिकित्सा हेतु भर्ती किया गया । इस चिकित्सालय में उपचार के दौरान बीती रात गोविंदसिह उइके का निधन हो गया। 31 दिसंबर को स्व- गोविंद सिंह उइके का अंतिम संस्कार उनके ग्राम के ही मोक्ष धाम में किया गया।जहा पर उनके ताम परियोजना में सेवारत कर्मचारीयो ने शोक व्यक्त किया गोविंद सिंह के भतीजे विनय उयके ने अपने चाचा गोविंद सिंह के देह को नम आंखों से अग्नि को समर्पित किया श्री स्व उइके ने अपने पीछे अपनी श्रीमती सविता उइके एकमात्र बेटी, छोटा भाई गणपत सिंह छोड़ गए गांव के वरिष्ठ नन्नू सिंह टेकाम के द्वारा शोक सभा आयोजित कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

राज्यसभा के लिए जाल बुन रहे दिग्गी राजा

भाजपा संगठन की तारीफ कर अपने महत्व को जताया है पूर्व मुख्यमंत्री ने

भोपाल। अगले साल मप्र में राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं। इनमें से एक सीट पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की है। दिग्विजय सिंह लगातार दो बार से सांसद हैं। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अब तीसरी बार उन्हें राज्यसभा भेजने के मूड में नहीं है। इसका संकेत दिग्विजय को मिल गया है। शायद यही वजह है कि गतदिनों सीडब्ल्यूसी की बैठक से पहले भाजपा संगठन की तारीफ कर दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा जाने के लिए, सियासी जाल बुना है। अब यह लाख टके का सवाल है कि मप्र से कांग्रेस किसको राज्यसभा भेजेगी।

गौरतलब है कि इस साल जून में मप्र से राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं। इनमें से दो भाजपा की हैं और एक कांग्रेस के दिग्विजय सिंह की है। दिग्विजय सिंह अपना स्वघोषित वनवास समाप्त करने के बाद पिछले 12 साल से राज्यसभा में हैं। क्या कांग्रेस उनको तीसरे कार्यकाल के लिए भेजेगी? हालांकि कांग्रेस कार्य समिति की बैठक से पहले संगठन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि हमलोगों का तो हो गया लेकिन नए लोगों का क्या होगा इसकी चिंता है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वे राज्यसभा नहीं जाना चाहेंगे। उनकी उम्र 78 साल है और वे पूरी तरह से फिट हैं। 82 साल के मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में पार्टी के नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नाम की भी चर्चा है। दशकों में पहली बार ऐसा है कि कमलनाथ या उनके परिवार का कोई सदस्य न तो विधानसभा में है और न संसद में। वे भी अपने बेटे नकुलनाथ के लिए हाथ पैर मारते बताए जा रहे हैं। दिग्विजय सिंह मप्र के उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने खुद के राजनीति में सक्रिय रहते ही अपने बेटे को पार्टी एवं राज्य की राजनीति में स्थापित कर दिया है। उनके बेटा जयवर्धन सिंह गुना जिले की राघौगढ़ सीट से तीसरी बार विधायक हैं। कमलनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं।

दिग्विजय की गुगली के निकाले जा रहे मायने

राजनीति के मंजे खिलाड़ी कहे जाने वाले दिग्विजय सिंह द्वारा सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड कर भाजपा संगठन की तारीफ करने के पीछे राजनीतिक जानकार दिग्विजय सिंह की फेंकी गई गुगली बता रहे हैं। क्योंकि दिग्विजय सिंह अगले साल यानी 21 जून को राज्यसभा का दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। कांग्रेस में दिग्विजय सिंह इकलौते ऐसे नेता हैं, जो अपने बयान या पोस्ट को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। पूर्व में भी दिग्विजय सिंह विरोधी दल एवं संगठनों को लेकर बयान देकर विवादों में रहते आए हैं। इसके पीछे दिग्विजय सिंह की गहरी राजनीतिक चालें रही हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि दो दिन पहले दिग्विजय सिंह द्वारा एक बेवसाइट से भाजपा नेताओं से जुड़ा फोटो डाउनलोड करके खुद के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर डाउनलोड करने के साथ भाजपा संगठन की तारीफ करना सहज नहीं है। इसके पीछे भी दिग्विजय सिंह की छिपी हुई गहरी राजनीतिक चाल समझी जा रही है। वे अभी भी पार्टी में आगे की पारी खेलने के इच्छुक हैं। क्योंकि राज्यसभा सांसद के रूप में उनका कार्यकाल अगले साल पूरी होने जा रहा है।

दिग्विजय घर बैठने वाले नेताओं में नहीं

अक्सर राजनीतिक दल राज्यसभा के लगातार दो कार्यकाल के बाद नेताओं को तीसरी बार या उससे आगे मौका देने से परहेज करते रहे हैं। हालाकि कुछ नेताओं के लिए यह अपवाद रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि विरोधी दल के संगठन की तारीफ करके दिग्विजय सिंह ने यह साबित करने की कोशिश की है कि उनका अभी भी पार्टी में वजूद है। ऐसे में हो सकता है कि वे तीसरी बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो जाएं या फिर संगठन में उन्हें कोई में अन्य जिम्मेदारी मिले। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि भले हो कांग्रेस पार्टी दिग्विजय सिंह को राज्यसभा के लिए, तीसरी बार नहीं भेजे, लेकिन वे राजनीति से संन्यास लेकर घर बैठने वाले नेता नहीं है। राजनीति में करीब 54 साल से सक्रिय दिग्विजय सिंह 78 साल की उम्र में भी काफी सक्रिय हैं। मप्र कांग्रेस के दूसरे अन्य हमउम्र नेताओं में दिग्विजय ही इकलौते ऐसे नेता हैं, जो पार्टी की लगभग हर गतिविधियों में सक्रिय हैं। सोशल मीडिया पर देश एवं प्रदेश की राजनीति में अक्सर सक्रिय रहते हैं। हालांकि मप्र कांग्रेस के एक खेमे के नेता का यह मानना है कि दिग्विजय सिंह ने यूं ही गुगली नहीं फेंकी है। इसके परिणाम तो दूरगामी होंगे।

लाड़ला भांजा योजना पर शिवराज का बयान बना विवाद का कारण, सोशल मीडिया पर नाराजगी

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का 'लाड़ला भांजा योजना' को लेकर दिया गया बयान अब सियासी मजाक से ज्यादा विवाद का रूप लेता नजर आ रहा है। रायसेन में एक कार्यक्रम के दौरान मजाकिया लहजे में कही गई यह बात सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना का कारण बन गई है। लोगों का कहना है कि प्रदेश पहले से ही कई जमीनी समस्याओं से जूझ रहा है और ऐसे में नई योजनाओं पर हल्के-फुल्के बयान गंभीरता की कमी दर्शाते हैं। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में यूजर्स ने सवाल उठाया कि जब ॐलाड़ली बहना योजनाॐ में अभी भी हजारों महिलाएं नाम जुड़ने का इंतजार कर रही हैं और राशि बढ़ाने की मांग लगातार उठ रही है, तब नई योजना की चर्चा क्यों की जा रही है। कई लोगों ने आरोप लगाया कि सरकार जनता की असली परेशानियों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे बयान दे रही है। कुछ यूजर्स ने इसे चुनावी राजनीति से जोड़ते हुए कहा कि यह बयान सिर्फ सुर्खियों में बने रहने की कोशिश है। आलोचकों का यह भी कहना है कि प्रदेश में किसान संकट, बेरोजगारी, महंगाई और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दे ज्यादा गंभीर हैं, लेकिन उन पर ठोस समाधान की बजाय योजनाओं के नाम पर बयानबाजी की जा रही है। कई लोगों ने शिवराज सिंह चौहान के बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि एक वरिष्ठ नेता से ऐसी उम्मीद नहीं की जाती। हालांकि मंच पर मौजूद लोगों को यह बात मनोरंजक लगी, लेकिन सोशल मीडिया पर माहौल पूरी तरह उलट नजर आया। कुछ यूजर्स ने यहां तक कहा कि इस तरह के बयान सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करते हैं। विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे को लपकते हुए सरकार पर तंज कसा और कहा कि भाजपा के नेता जनता की वास्तविक समस्याओं से कट चुके हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 'लाड़ला भांजा योजना' जैसा बयान भले ही मजाक में दिया गया हो, लेकिन मौजूदा हालात में यह जनता के गुस्से को और भड़का सकता है। कुल मिलाकर, यह बयान शिवराज सिंह चौहान के लिए राजनीतिक असहजता का कारण बन गया है और सोशल मीडिया पर नकारात्मक बहस को हवा दे रहा है।

45 जिलों में 30 लाख हेक्टेयर की जमीन पर वन और राजस्व का विवाद

मामले को निपटाने के लिए अब राज्य सरकार लेगी डिप्टी कलेक्टरों की मदद

भोपाल। मप्र के पैतालिस जिलों में 30 लाख 4 हजार 624 हेक्टेयर जमीन पर वन और राजस्व विभाग के बीच विवाद की स्थिति है। प्रदेश में बने इस विवाद को निपटाने के लिए अब राज्य सरकार डिप्टी कलेक्टरों की मदद लेगी। राज्य शासन ने प्रदेश के वन क्षेत्रों में 30 लाख हेक्टेयर से अधिक वन और राजस्व भूमि संबंधी विवाद चिन्हित किए है। जमीन को लेकर बने विवाद के निराकरण के लिए अलग से वन व्यवस्थापन अधिकारी की तैनाती की जाएगी। इसके लिए डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारियों को वन व्यवस्थापन अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। ये सभी विवादित प्रकरण वर्तमान में 45 जिलों के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के न्यायालय में विचाराधीन है।

मुख्यमंत्री ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत सर्वाधिक विवादित प्रकरण वाले जिलों में अलग से पांच व्यवस्थापन अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए है। इनके पास अब केवल वन और राजस्व भूमि विवाद के निराकरण का ही एक मात्र काम होगा वे अन्य काम नहीं करेंगे। सागर में सर्वाधिक 512, बैतूल में 482, सीधी में 416, शहडोल में 449, टीकमगढ़ में 255 तथा मंडला में 218 वन खंडों में वन और राजस्व भूमि के विवाद के मामले चिन्हित किए गए है। जबलपुर में 19 हजार 370 हेक्टेयर, सतना के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रघुराजनगर में एक लाख 97 हजार 792 हेक्टेयर, छिंदवाड़ा में 2 लाख 23 हजार 498, सिंगरौली में एक लाख 23 हजार हेक्टेयर वन भूमि और राजस्व भूमि के बीच विवाद की स्थिति है। भोपाल जिले के पचास वन खंडों में तेरह हजार 338 हेक्टेयर वन-राजस्व भूमि पर विवाद की स्थिति है। इन सभी स्थानों पर वन व्यवस्थापन अधिकारी देखेंगे।

एमपी में सब कुछ जहरीला, कांग्रेस का सरकार पर तीखा हमला

'दवाई जहरीली, हवा जहरीली और पानी भी जहरीला'

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में दूषित पानी पीने से चार लोगों की मौत और कई लोगों के बीमार होने की घटना को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला है। इस घटना में बीमार हुए लोगों का इलाज फिलहाल अस्पताल में जारी है। मामले को गंभीर बताते हुए कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने प्रदेश की स्वास्थ्य, पेयजल और प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं।

मुकेश नायक ने कहा कि मध्यप्रदेश में हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में 'दवाई जहरीली, हवा जहरीली और पानी भी जहरीला' हो चुका है। उन्होंने कहा कि इंदौर जैसी घटना यह साबित करती है कि सरकार बुनियादी सुविधाओं को लेकर पूरी तरह विफल हो चुकी है। नायक ने यह भी कहा कि बच्चों के मिड-डे मील में छिपकली और मेंढक निकलने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जो सरकार की लापरवाही का बड़ा उदाहरण हैं।

कांग्रेस नेता मुकेश नायक ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देने के बजाय आंतरिक राजनीति में उलझी हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राज्य के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मुख्यमंत्री को हटाने में लगे हैं और सरकार का पूरा ध्यान सत्ता के अंदरूनी संघर्ष पर है, न कि जनता की समस्याओं पर।

सरपंच और सचिव ने कागजो पर ही बनवा दी गॉव की सीसी रोड,चौपाल, पुलिया

भोपाल। ईओडब्ल्यू द्वारा मंडला जिले की पंचायत बेलखेड़ी के सरपंच और सचिव पर बिना काम कराये ही 22 लाख 87 हजार 370 रूपये का गबन करने के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपियो में बीरन सिंह काकोडिया, सरपंच ग्राम पंचायत बेलखेड़ी, जनपद पंचायत बीजाडांडी और मिथलेश उद्दे सचिव ग्राम, पंचायत बेलखेडी के नाम शामिल है।

- गॉववालो ने की थी हेराफेरी की शिकायत

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) इकाई जबलपुर को ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत बेलखेडी में पदस्थ तत्कालीन सरपंच बीरन सिंह काकोडिया और सचिव मिथलेश उद्दे के खिलाफ ग्राम बेलखेडी और बीरमपुर में बिना विकास कार्य कराये ही रकम हड़पने की शिकायत की थी। शिकायत की जाँच में सामने आया की ग्राम पंचायत बेलखेडी में साल 2014 से 2022तक कई निर्माण कार्यो के लिये सरकारी की ओर से राशि आंवटित की गई थी। इस दौरान सरपंच बीरन सिंह और सचित मिथलेश उद्दे ने बिना कोई काम कराये कागजो पर ही फर्जी निर्माण कार्य दिखाकर 22 लाख से अधिक की रकम निकालकर गबन कर लिया गया है। आरोपी सरपंच और सचिव द्वारा अपने 6 साल के कार्यकाल में शासन की कई योजनाओं के अंतर्गत गांव में सीसी रोड, चौपाल सभा,पुलिया एवं नाली निर्माण,पंचायत भवन की मरम्मत सहित 9 अलग-अलग तरह के कार्यो के लिये स्वीकृत की गई राशि को बिना काम कराये ही दोनो आरोपियों ने संयुक्त हस्ताक्षर कर शासकीय राशि का आहरण कर गबन कर लिया।

- इन धाराओं में हुई कार्यवाही

जाँच में आरोपी सरपंच और सचिव द्वारा पद का दुरूपयोग और शासकीय राशि का गबन किये जाने के आरोप सही पाये जाने पर ईओडब्ल्यू ने उनके खिलाफ धारा 409, 420, 120बी सहित धारा 7 सी 13(1)ए,13(2),भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

अजब एमपी का गजब चुनाव!

सीट कहीं और की खाली थी, वोटिंग कहीं और करा दी

भोपाल। आम तौर पर चुनाव प्रक्रिया क्या होती है, ये सभी को मालूम है। एक निश्चित कार्यकाल के बाद खाली सीट पर उम्मीदवार खड़े होते हैं। मतदाता, मतदान करते हैं। जो उम्मीदवार सबसे ज्यादा वोट पाता है वो जीत जाता है। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के महेश्वर से अजब-गजब मामला सामने आया है। यहां एक वार्ड में चुनाव करवाया गया, उम्मीदवार जीत गया बाद में पता चला है कि जिस वार्ड में चुनाव कराना था। वहां ना कराकर दूसरे वार्ड में करवा दिया गया। दरअसल, महेश्वर जनपद पंचायत के वार्ड नंबर 7 के सदस्य मोहन मकवाने के निधन के बाद वहां उपचुनाव होना था। पंचायत ऑफिस के कर्मचारियों ने लापरवाही बरतते हुए वार्ड नंबर 7 की जगह वार्ड क्रमांक 9 को खाली बता दिया, इस रिपोर्ट को आगे भेज दिया गया। इसके बाद भी बिना किसी क्रॉस वेरिफिकेशन के वार्ड क्रमांक 9 के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई।

जीत के बाद जश्न पड़ा फीका

चुनाव की नोटिफिकेशन जारी होने के बाद वार्ड क्रमांक-9 से बीजेपी प्रत्याशी अभय सिंह बारिया ने नामांकन दाखिल किया। उनके अतिरिक्त कोई और उम्मीदवार खड़ा नहीं हुआ। इस वजह से उन्हें निर्विरोध चुन लिया गया। विजित उम्मीदवार ने जश्न भी मनाया लेकिन उनकी जीत में भंग तब पड़ गया, जब तहसीलदार व रिटर्निंग ऑफिसर ने दस्तावेजों का मिलान किया तो गलती पता चला।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही पर कलेक्टर भव्या मित्तल के प्रतिवेदन पर इंदौर संभागायुक्त सुदाम खाडे ने की कार्रवाई की है। जनपद पंचायत सीईओ रीना चौहान को निलंबित कर दिया है। सीईओ जिला पंचायत आकाश सिंह ने महेश्वर जनपद के दो कर्मचारियों को पहले निलंबित कर दिया था।

विनोद/ 31 ?दिसम्बर /2025

बैंक से लोन लिया, फिर गिरवी रखे मकान को तोड़कर फ्लैट बनाये और बेच दिये

ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर : बैंक का 32 लाख का लोन एनपीए हुआ

भोपाल। ईओडब्ल्यू द्वारा स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एवं जयपुर ब्रांच उज्जैन से लोन लेकर हेराफेरी करने के साथ ही आम लोगों के साथ धोखाधड़ी करने की शिकायत की जॉच के बाद विजय जैन पिता कैलाश चन्द्र जैन, निवासी 308 बागड़िया टॉवर, नजर अली मार्ग, उज्जैन सहित अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

- यह था मामला

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ मुख्यालय (ईओडब्ल्यू) भोपाल द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार आरोपी विजय जैन पिता कैलाश चन्द्र जैन के खिलाफ शिकायत मिली की उनके द्वारा मुनिनगर उज्जैन स्थित म.प्र. गृह निर्माण मण्डल के कर्मचारियों के लिए बनाये गये भवन नंबर एचबी 7 व 9 को साल 2011 व 2012 में क्रय किया गया। भवन नंबर एचबी 7 को क्रय करने हेतु विजय जैन द्वारा 15 लाख रूपये का होम लोन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एवं जयपुर शाखा उज्जैन से लिया गया। उक्त बैंक बाद में भारतीय स्टेट बैंक में विलय हो गई थी, तथा विजय जैन का ऋण खाता भी भारतीय स्टेट बैंक, फ्रीगंज उज्जैन में स्थानांतरित हो गया। उक्त दोनों भवन म.प्र. गृह निर्माण मण्डल द्वारा किराया पद्धति पर मण्डल कर्मचारियों को दिए गए थे, जिनको आरोपी विजय जैन द्वारा नियम विरूद्ध तरीके से बिना मण्डल की अनुमति के तोड दिया गया इतना ही नहीं उन पर बिना वैधानिक अनुमति लिये हुए बहुमंजिला फ्लेट का निर्माण कर लिया गया। आरोपी विजय जैन द्वारा उक्त संपत्ति बैंक में बंधक होने के बाद भी बिना अनुमति के बनाये गये इन 8 फ्लेट को आम लोगों को बेच दिया गया। इन्हें बेचने के लिये आरोपी विजय जैन के द्वारा रजिस्ट्रियों में यह गलत जानकारी दी गई की यह संपत्ति कहीं भी बंधक नहीं है।

- 32 लाख रूपये का लोन एनपीए हुआ

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ मुख्यालय (ईओडब्ल्यू) भोपाल द्वारा शिकायत की जॉच में पाया गया कि बैंक के ऋण धारक विजय जैन और अन्य के द्वारा बैंक में गिरवी रखे भवन को अवैधानिक रूप से तोड़कर व उसका स्वरूप बदलकर, खुद को लाभ पहुंचाने के लिए संपत्ति आम लोगों को बेच दी गई।

प्रभारी उप यंत्री को सेवा से किया बर्खास्त

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनसामान्य का स्वास्थ्य, राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल आपूर्ति से नागरिकों के संक्रमित होने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। घटना में लापरवाही पाये जाने पर जोन क्रमांक4 के जोनल अधिकारी, सहायक यंत्री एवं प्रभारी सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। प्रभारी उपयंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। मामले की गहन जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की समिति भी गठित कर दी गई है।

सूचना आयुक्त पद के लिए आईएएस-आईपीएस अधिकारियों में होड़

भोपाल। राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्त के तीन पदों के लिए आईएएस-आईपीएस अधिकारियों के साथ-साथ कई सेवानिवृत्त अधिकारी भी दौड़ में हैं। इन पदों के लिए कुल 185 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा काफ़ी कड़ी हो गई है। सूचना आयुक्त के रिक्त पदों पर आवेदन करने वालों में आठ सेवानिवृत्त आईएएस, तीन आईपीएस, तीन आईएफएस, 17 प्रशासनिक अधिकारी, 32 अधिवक्ता, 51 पत्रकार समेत अन्य लोग शामिल हैं। यहीं नहीं, आवेदन करने वाले आईएएस अधिकारियों में संजय मिश्रा और वंदना वैद्य शामिल हैं। दोनों ने अपने वर्तमान पदों से हटकर सूचना आयुक्त बनने की इच्छा जताई है।

सेवानिवृत्त आईपीएस और आईएएस अधिकारी भी मैदान में सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारियों में जीपी सिंह और मुकेश जैन ने आवेदन किया है। इसके अलावा पवन श्रीवास्तव, जो 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उन्होंने भी आवेदन किया है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों में संजय गुप्ता, वीरेन्द्र सिंह रावत, नरेश पाल, राजेश कौल, रवीन्द्र सिंह और श्रीनिवास शर्मा के नाम शामिल हैं। अन्य प्रशासनिक सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी भी इस पद के लिए आवेदन कर चुके हैं। साथ ही क्रस्सू से जुड़े कुछ लोगों ने भी अपने आवेदन भेजे हैं। जानकारी के अनुसार सूचना आयुक्तों के चयन में भाजपा संगठन और आरएसएस की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। यह चर्चा है कि कई आवेदक आरएसएस के माध्यम से लॉबिंग कर रहे हैं। राज्य सूचना आयोग के इन अहम पदों के लिए चयन प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

नए साल में लगेगा बिजली बिल का करंट

कंपनियों ने नियामक आयोग को दिया 10.19 प्रतिशत बिजली दर बढ़ाने का प्रस्ताव

भोपाल। मप्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक और झटका तैयार है। आने वाले समय में बिजली बिल महंगे हो सकते हैं और इसकी वजह सुनकर लोग हैरान हैं। बिजली वितरण कंपनियां अब अपने पुराने हो चुके तार, केबल और मशीनों के घिसने-पिटने का खर्च भी सीधे उपभोक्ताओं से वसूलना चाहती हैं। कंपनियों ने मप्र विद्युत नियामक आयोग के सामने जो सालाना राजस्व आवश्यकता दाखिल की है, उसमें डिप्रिसिएशन ऑफ एसेट्स के नाम पर 1,190 करोड़ रुपये का खर्च दिखाया गया है। कंपनियों का मानना है कि इस रकम की भरपाई के लिए बिजली दरों में बढ़ोतरी की जाए। अगर आयोग ने इसे मंजूरी दे दी, तो सिर्फ डिप्रिसिएशन का बोझ ही हर महीने के बिजली बिल में करीब 2 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकता है।

बिजली कंपनियों ने साल 2026-27 के लिए कुल 6,044 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का हवाला देते हुए 10.19 प्रतिशत टैरिफ हाइक का प्रस्ताव रखा है। कंपनियों के मुताबिक, उन्हें कुल 65,374 करोड़ रुपये की जरूरत है। इसमें 57,559 करोड़ रुपये बेस एआरआर, 3,451 करोड़ रुपये बिजली खरीद से जुड़ा अतिरिक्त खर्च और 4,365 करोड़ रुपये 2024-25 के पुराने खर्चों का 'ट्रू-अप' शामिल है। कंपनियों का कहना है कि बिजली बिक्री से होने वाली आमदनी इस खर्च से 6,044 करोड़ रुपये कम रहेगी, जिसकी भरपाई उपभोक्ताओं से की जानी चाहिए।

लगातार घाटा दिखा रही कंपनियां

प्रदेश की बिजली कंपनियां हर साल घाटा दिखा रही है। यह घाटा भी कोई आज का नहीं बल्कि वर्षो पुराना है, जिसे आयोग अस्वीकार कर चुका है। जबकि, होना यह चाहिए, कि भारत सरकार ने आमजन को राहत देने के लिए जीएसटी में जो छूट दी, उसका लाभ बिजली की दर में कमी करके दिया जाता। दरअसल, कोयले पर जो जीएसटी सरचार्ज लगता था, वह समाप्त कर दिया गया है। बिजली क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि बिजली कंपनियां अपनी असफलताओं को छुपाने के लिए बिजली दर बढ़ाना चाहती हैं। आयोग ने बिजली कंपनियों की याचिका पर 24 फरवरी से जनसुनवाई करने का निर्णय लिया है। इसके लिए आपत्तियां 25 जनवरी तक ली जाएंगी। प्रदेश में एक करोड़ 29 लाख घरेलू उपभोक्ता हैं। प्रदेश में बिजली की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अलग-अलग कंपनियां बनाई गई थीं लेकिन इसका कोई लाभ आम उपभोक्ता को नहीं मिला। प्रतिवर्ष कंपनियां घाटे का रोना रोकर नियामक आयोग में बिजली की दर बढ़ाने की याचिका लगाती हैं और कुछ न कुछ वृद्धि हो भी जाती है। इस बार पावर मैनेजमेंट कंपनी ने बिजली कंपनियों को हो रहे घाटे की भरपाई के लिए 10.19 प्रतिशत से वृद्धि की मांग की है। इसके पीछे जो आधार दिया हैं वह गले के नीचे नहीं उतरता है। कंपनियों ने बताया कि 2014-15 से 2022-23 की अवधि में 3,451 करोड़ रुपये की वृद्धि का प्रस्ताव अस्वीकार किया गया था, उसके कारण प्रबंधन में समस्या आ रही है। इसी तरह स्मार्ट मीटर लगाने में होने वाले 820 करोड़ और लगभग 300 करोड़ रुपये बिजली खरीदी का व्यय बताया गया है। जबकि, स्मार्ट मीटर लगाते समय यह दावा किया गया था कि इसका भार उपभोक्ता पर नहीं पड़ेगा। बिजली चोरी रुकेगी और जो लागत है उसकी भरपाई हो जाएगी। इसी तरह बिजली खरीदी का भार भी उपभोक्ताओं पर डालने की तैयारी है। जबकि, प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 5,781 मेगावाट हो गई है। यह बिजली तीन रुपये प्रति यूनिट से कम दर पर मिल रही है। ऐसे में निश्चित तौर पर लागत घटनी चाहिए, पर यह बढ़ रही है। बिजली क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि बिजली कंपनियों का प्रबंधन फेल है। भ्रष्टाचार के कारण समस्या बढ़ रही है।

जियो टैगिंग से जुड़ेंगे पीएम आवास के लाभार्थी अब 5 चरणों की देनी होगी जानकारी

भोपाल । अब प्रधानमंत्री आवास योजना-2.0 के लाभार्थियों को इंटरनेट आधारित जियो टैगिंग से जोड़ा जाएगा। योजना में पारदर्शिता लाने के लिए निर्माण कार्यों के पांचों चरणों की जानकारी देनी होगी। खास बात यह है कि प्रत्येक चरण की जानकारी को पर्यवेक्षक की मदद से भुवन वेबपोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। जानकारों का कहना है कि योजना के तहत अब शासन की सहायता से मकान निर्माण में फर्जीवाड़े की गुंजाइश लगभग खत्म हो जाएगी।

दरअसल, बेनीफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन (बीएलसी) घटक के अंतर्गत बनने वाले आवासों की निगरानी अब भारत सरकार द्वारा विकसित जियो टैगिंग ऐप से की जाएगी। पहले जहां केवल एक बार जियो टैगिंग होती थी, अब मकान निर्माण के अलग-अलग चरणों में पांच बार जियो टैगिंग अनिवार्य कर दी गई है। इसके बाद ही अनुदान की राशि हितग्राही के खाते में जारी होगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अनुसार, पीएम आवास-2.0 में बीएलसी घटक के तहत. अपनी जमीन पर मकान बनाने वाले हितग्राही को कुल 2.5 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। इसमें 1.5 लाख रुपए केंद्र सरकार और 1 लाख रुपए राज्य सरकार की ओर से मिलेंगे। यह सहायता केवल नए मकान के निर्माण के लिए होगी। मकान के विस्तार या नवीनीकरण के लिए अनुदान नहीं मिलेगा। जियो टैगिंग की व्यवस्था से यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि वास्तव में नया मकान ही बनाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार बीएलसी घटक के आवासों की हर तीन माह में जियो टैगिंग कराई जाएगी। पहली बार खाली प्लॉट की, इसके तीन माह बाद फाउंडेशन या प्लिंथ लेवल की, 6 महीने बाद लिन्टेल लेवल की, 9 माह बाद रूफ लेवल की और 12 महीने बाद मकान पूरा होने की जियो टैगिंग की जाएगी। टैगिंग की प्रगति पर पहली किश्त काम शुरू होने पर 1 लाख, उसके बाद फिर अलग-अलग चरणों में मिलेगी। यदि हितग्राही 3 माह में निर्धारित स्तर का निर्माण पूरा नहीं कर पाता है तो निकाय नोटिस जारी करेगा। यदि 15 माह में भी निर्माण पूर्ण नहीं होने पर 3 माह की मोहलत अंतिम नोटिस के रूप में दी जाएगी। 18 महीने में भी काम पूरा नहीं होने पर आवास सरेंडर कराया जाएगा।

साल 2025 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 10 क्रिकेटरों में

9 भारतीय और एक विदेशी खिलाड़ी

मुम्बई। साल 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाले शीर्ष दस क्रिकेटरों में से नौ क्रिकेटर भारतीय हैं और केवल एक विदेशी क्रिकेटर है। है। इस सूची में पहले नंबर पर भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली जबकि दसवें नंबर पर भी भारत के ही ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा शामिल हैं। वहीं एकमात्र विदेशी क्रिकेटर के तौर पर ऑस्ट्रेलिाई कप्तान पैट कमिंस सातवें नंबर पर हैं। हैं। क्रिकेटरों की कमाई वेतन, बोर्ड अनुबंध के साथ ही विज्ञापनों से भी होती है। इसके आलाव खिलाड़ी कई कंपनियों के साथ ब्रांड एंबेसडर के तौर पर भी जुड़े हुए होते हैं। खिलाड़ियों का टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 मैच के अलावा घरेलू क्रिकेट में खेलने के लिए लाखों रुपये मिलते हैं। अनुबंध के तौर पर कई करोड़ में रकम मिलती है। इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में विश्व में नंबर एक स्थान पर रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट ने करीब 250 से 300 करोड़ रुपये की रकम हासिल की। इसमें आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंग्लुरु की ओर से मिलने वाली 21 करोड़ रुपये की राशि और बोर्ड के सालाना अनुबंध से मिलने

वाले 7 करोड़ रुपये के साथ बड़ी बड़ी कंपनियों के ब्रैंड एंडोर्समेंट से मिलने वाली राशि भी शामिल है। विराट के केवल एक प्रारुप में खेलने के बाद भी उनकी ब्रैंड वैल्यू पहले जैसी बनी हुई है।

वहीं साल 2025 में सबसे ज्यादा कमाई के मामले में दूसरे नंबर पर सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा हैं। रोहित ने साल भर में करीब 150 करोड़ से 180 करोड़ रुपये कमाए हैं। . उन्हें आईपीएल अनुबंध, बीसीसीआई से सालाना वेतन और ब्रांड एंडोर्समेंट से काफी राशि मिलती है। सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में तीसरे नंबर पर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत रहे। फिट नहीं होने के कारण काफी समय बाहर रहने के बाद भी उन्हें साल में करीब 100 करोड़ से 120 करोड़ रुपये कमा लिए।

वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सबसे अधिक कमाई के मामले में चौथे नंबर पर रहे। उनकी सालाना कमाई 90 करोड़ से 110 करोड़ के रही है। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने 80 करोड़ से 100 करोड़ कमाए और वह पांचवे नंबर पर रहे। वहीं श्रेयस अय्यर कमाई के मामले मे छठे नंबर पर रहे। उन्होंने कुल 70 से 85 करोड़ रुपये कमाये। वहीं सातवें नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने हैं जिन्होंने 60 करोड़ से 75 करोड़ रुपये के बीच कमाए, उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल अनबंध से मिले 18 करोड़ भी शामिल हैं।

वहीं भारतीय टीम के नये टेस्ट व एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल ने इस साल 50 करोड़ से 65 करोड़ के बीच कमाई की। वहीं केएल राहुल भी सबसे ज्यादा कमाई करने वालों में शामिल थे, जिनकी 2025 में कमाई 45 करोड़ से 55 करोड़ रही है। इसस अंतिम नाम रवींद्र जडेजा का है, जिन्होंने इस साल लगभग रू.40 करोड़ से रू. 50 करोड़ कमाए हैं।

हरमनप्रीत के अर्धशतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका को पांचवें टी20 में हराकर 5-0 से सीरीज जीती

तिरुवनंतपुरम। कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार अर्धशतक और अमनजीत कौर के साथ खेली उनकी अर्धशतकीय पारी की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंकाई टीम को 15 रनों से हराकर सीरीज में 5-0 से जीत दर्ज की है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 175 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 160 रन ही बना पायी। श्रीलंका की ओर से सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने अर्धशतक लगाया पर इन दोनो के आउट होने के बाद अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पायीं। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा 5 और पहला मैच खेल रही जी कमलिनी 12 रन ही बना पायी। एक समय आधी भारतीय टीम 77 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। इसके बाद हरमनप्रीत कौर ने ने अमनजोत कौर 21 के साथ छठे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी कर भारतीय टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। हरलीन देओल ने 13, ऋचा घोष ने 5 और दीप्ति शर्मा ने 7 रन बनाये।

वहीं हरमनप्रीत ने 43 गेंदों में 9 चौके और एक छक्का लगाकर 68 रन बनाये। वहीं अमनजोत ने 21 रन बनायी। अंतिम दो ओवरों में अरुंधति रेड्डी ने तेजी से रन बनाकर भारतीय टीम को 170 के पार पहुंचाया। वहीं अरुंधति ने 4 चौके और एक छक्के के साथ 11 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए। स्नेह राणा 8 रन पर नाबाद रहीं। वहीं श्रीलंका की आरे से कविशा दिल्हारी, रश्मिका सेववंदी और चमारी अटापट्टू ने दो-दो विकेट लिए जबकि निमाशा मदुशानी ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए हुए श्रीलंकाई बल्लेबाज हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने तेजी से रन बनाये। इसके आउट होते ही श्रीलंकाई पारी लड़खड़ा गयीं। श्रीलंका की ओर से इमेशा और हसिनी ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इमेशा ने 50 जबकि हसिनी ने 65 रन बनाए। इस मैच में भारत की दीप्ति शर्मा एक विकेट लेते ही महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उनके नाम अब 152 विकेट हो गए हैं, इससे ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट का 151 विकेटों का विश्व रिकॉर्ड भी टूट गया है। वहीं दीप्ति, अमनजोत और अरुंधति के अलावा वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और स्नेह राणा ने भी एक-एक विकेट लिया।

पहली पारी की बढ़त से मध्य प्रदेश की जीत; बड़ौदा के खिलाफ रोमांचक ड्रॉ

भिलाई/इंदौर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर-16) के एलीट ग्रुप मुकाबले में मध्य प्रदेश (एमपीसीए) ने बड़ौदा के विरुद्ध पहली पारी की महत्वपूर्ण बढ़त के आधार पर तकनीकी जीत हासिल कर ली है। भिलाई के सेक्टर-10 बीएसपी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस तीन दिवसीय मुकाबले के अंतिम दिन मध्य प्रदेश के बल्लेबाजों ने शानदार जुझारूपन दिखाया, जिसके चलते मैच ड्रॉ होने के बावजूद पहली पारी में मिली 8 रनों की सूक्ष्म बढ़त मध्य प्रदेश के पक्ष में निर्णायक साबित हुई।

दूसरे दिन के स्कोर 15/2 से आगे खेलते हुए मध्य प्रदेश की दूसरी पारी एक समय संकट में थी, लेकिन अंश यादव और ऋतिक परब ने पारी को बखूबी संभाला। अंश यादव ने शानदार धैर्य का परिचय देते हुए 75 रनों की बेशकीमती पारी खेली। वहीं, पहली पारी में गेंद से पंजा मारने वाले ऋतिक परब ने बल्ले से भी अपना कौशल दिखाया और 54 रनों का महत्वपूर्ण अर्धशतक जड़ा। अथर्व पटेल के 28 रनों की मदद से मध्य प्रदेश ने अपनी दूसरी पारी में 202/8 का स्कोर खड़ा किया। बड़ौदा के गेंदबाज ओम पटेल ने 4 और मलीकेश ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बड़ौदा की टीम ने आक्रामक रुख अपनाया। कृव पटेल (67) और पहली पारी के स्टार काव्य मकवाना (40) ने तेजी से रन बटोरे और एक समय मध्य प्रदेश के लिए खतरे की घंटी बजा दी थी। हालांकि, विवान पांडे ने धारदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके, जबकि ऋतिक परब ने 2 विकेट लेकर बड़ौदा की जीत की उम्मीदों पर अंकुश लगा दिया। मैच समाप्त होने तक बड़ौदा ने 7 विकेट पर 137 रन बनाए और अंततः मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस मैच का असली टर्निंग पॉइंट पहली पारी रही, जहाँ मध्य प्रदेश के 217 रनों के जवाब में बड़ौदा की टीम ऋतिक परब (5/81) की घातक फिरकी के सामने 209 रनों पर सिमट गई थी। वह 8 रनों की सूक्ष्म बढ़त ही अंत में मध्य प्रदेश को इस एलीट ग्रुप मुकाबले के महत्वपूर्ण अंक दिलाने में सफल रही।

श्रेयस अय्यर की फिलहाल वापसी की उम्मीद नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहेंगे

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोटिल होने के बाद से ही बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के अभी वापसी करने की कोई उम्मीद नहीं है। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंत में चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरे हैं। इसी कारण उनकी मैदान पर वापसी में देरी हो रही है। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से भी उन्हें खेलने की मंजूरी नहीं मिली है। वहीं पहले कहा गया था कि श्रेयस 30 दिसंबर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर आ जाएंगे पर अब उन्हें कम से कम एक सप्ताह और वहीं रहना होगा।

इसका कारण है कि श्रेयस का वजन करीब 6 किलो वजन घट

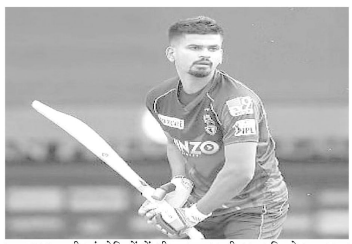

गया था। उनकी मांसपेशियों में भी कमजोरी आई है। इससे उनकी ताकत अभी भी सही स्तर पर नहीं पहुंची है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी में कोई परेशानी नहीं है पर ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के बाद से ही उनका वजन करीब छह किलो वजन घट गया है। इसलिए मेडिकल टीम अभी तक उन्हें फिट नहीं मानती है।' पहले कहा जा रहा था कि श्रेयस के 3 और 6 जनवरी को विजय हजारे ट्रॉफी के मैच खेलने की उम्मीद है और फिर 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उनकी वापसी की बात कही गयी पर अब , योजना बदल गई है उम्मीद है कि उन्हें 9 जनवरी तक ही खेलने की मंजूरी मिलेगी। ऐसे में उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में शामिल होना संभव नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा, 'श्रेयस की रिकवरी में काफी सकारात्मक संकेत थे। वह मुंबई में बल्लेबाजी कर रहे थे और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जमकर मेहनत कर रहे थे। विजय हजारे ट्रॉफी में उनके 3 और 6 जनवरी के मैच खेलने की भी उम्मीद थी पर हमें बताया गया है कि उन्हें और समय चाहिए। अब वह सिर्फ टूर्नामेंट के नॉकआउट मैचों से ही उपलब्ध होंगे।'

कोमा में रहे श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर अक्षु फर्नाडो का निधन

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर अक्षु फर्नाडो का लंबी बिमारी के बाद मंगलवार को निधन हो गया। अक्षु पिछले करीब सात साल से कोमा में थे। अंडर-19 क्रिकेटर रहे अक्षु दिसंबर 2018 में एक रेलवे ट्रैक पर हादसे का शिकार हो गये थे। उसके बाद से ही वह गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती थे। वह तब से ही जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे थे। उनके निधन की खबर से श्रीलंकाई क्रिकेट जगत में शोक छा गया है। रागामा क्रिकेट क्लब के वरिष्ठ प्रशासक रोशन अबेयसिंघे ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, वह एक शानदार इंसान और बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी थे। एक क्रूर हादसे ने उनका करियर छीन लिया। हम सभी के लिए यह बेहद दुखद दिन है।

अक्षु फर्नाडो की गिनती श्रीलंका के सबसे प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज़ों में होती थी। वह 2010 अंडर-19 विश्व कप के लिए भी श्रीलंकाई टीम में शामिल थे। हादसे से कुछ ही हफ्ते पहले उन्होंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में शतक लगाया था।

करीब 9 साल के करियर में अक्षु ने कोल्ट्स क्रिकेट क्लब, पनादुरा स्पोर्ट्स क्लब और चिलॉ मरियंस स्पोर्ट्स क्लब से खेलते हुए

39 मैचों में 1067 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाये थे। वहीं अक्षु फर्नाडो ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 52 रनों की पारी खेली थी।

मुंबई इंडियन्स ने डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले क्रिस्टन बीम्स को बनाया स्पिन गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 की तैयारियों में जुटी गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में अहम बदलाव करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और कोचिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाली बीम्स की एंट्री से मुंबई इंडियन्स की महिला टीम को स्पिन विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बीम्स ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट अभियानों का हिस्सा रह चुकी हैं और 2017 महिला एकदिवसीय विश्व कप में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर रही थीं।

क्रिस्टन बीम्स का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही ज्यादा लंबा न रहा हो, लेकिन वह अपनी निरंतरता और क्रिकेट की समझ के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए एक टेस्ट मैच खेला, जिसमें 11 ओवर की गेंदबाजी करने के बावजूद उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने 30 महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42 विकेट अपने नाम किए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15 रन देकर चार विकेट रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी बीम्स का योगदान अहम रहा, जहां उन्होंने 18 मैचों में 20 विकेट लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर तीन विकेट का रहा। घरेलू स्तर पर उन्होंने महिला बिग बैश लीग में 45 टी20 मुकाबले खेले और अपनी उपयोगिता साबित की।

गंभीर को लेकर उठी कोचिंग बहस, मोंटी पनेसर ने दी रणजी ट्रॉफी में अनुभव लेने की सलाह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर इन दिनों लगातार चर्चाएं हो रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टेस्ट क्रिकेट की कोचिंग उनसे वापस ले सकता है। इन अटकलों के बीच अब पूर्व इंग्लैंड स्पिनर मोंटी पनेसर का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने गंभीर को रणजी ट्रॉफी में कोचिंग करने की सलाह दी है। पनेसर का मानना है कि भारत की प्रमुख घरेलू रेड-बॉल प्रतियोगिता में कोचिंग का अनुभव लेने से गंभीर को टेस्ट फॉर्मेट की बारीकियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

पनेसर के अनुसार, रणजी ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट में काम करने से गंभीर को यह सीखने का अवसर मिलेगा कि रेड-बॉल क्रिकेट में संतुलित टीम कैसे तैयार की जाती है। इसके साथ ही वहां पहले से काम कर रहे अनुभवी कोचों से बातचीत कर वह अपने दृष्टिकोण को और मजबूत बना सकते हैं। उनका कहना है कि मौजूदा समय में भारतीय टेस्ट टीम कमजोर नजर आ रही है और यह एक सच्चाई है, जिससे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। पनेसर ने यह

भी कहा कि जब एक साथ तीन बड़े और अनुभवी खिलाड़ी संन्यास ले लेते हैं, तो उनकी भरपाई करना आसान नहीं होता और नई पीढ़ी को तैयार होने में समय लगता है।

गौतम गंभीर का कोचिंग रिकॉर्ड व्हाइट-बॉल और रेड-बॉल फॉर्मेट में अलग-अलग तस्वीर पेश करता है। व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उन्होंने भारत को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जिताई और उनके कार्यकाल में टीम ने अब तक कोई टी20 सीरीज नहीं गंवाई है। इसके उलट टेस्ट क्रिकेट में उनके नेतृत्व में भारतीय टीम को घरेलू मैदान पर दो बार क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है, जो पहले कभी नहीं देखा गया था। पिछले डेढ़ साल में रेड-बॉल इंटरनेशनल मैचों में भारत को अपेक्षाकृत ज्यादा हार झेलनी पड़ी है, जिससे कोचिंग रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं।

पनेसर की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब यह खबरें भी सामने आ रही हैं कि बीसीसीआई ने गंभीर के पूर्व साथी और दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण से टेस्ट टीम की जिम्मेदारी संभालने को लेकर अनौपचारिक बातचीत की है। भारत में आमतौर पर स्प्लिट कोचिंग मॉडल को प्राथमिकता नहीं दी जाती, ऐसे में अगर ऐसा होता है तो यह एक बड़ा बदलाव माना जाएगा। हालांकि, लक्ष्मण के पास गंभीर की तुलना में कोचिंग का लंबा अनुभव जरूर है। इन सभी अटकलों पर बीसीसीआई ने साफ रुख अपनाया है। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि गंभीर को हटाने या टेस्ट टीम के लिए नया कोच नियुक्त करने को लेकर कोई कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने इन खबरों को पूरी तरह निराधार और बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह केवल अटकलें हैं और बीसीसीआई इनका सीधा खंडन करता है।

टी20 विश्वकप के लिए मलिंगा बने श्रीलंकाई टीम के सलाहकार

मुंबई। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्वकप 2026 को देखते हुए दिग्गज पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को सलाहकार बनाया है। टी20 विश्वकप फरवरी में होगा। ऐसे में मलिंगा के पास अधिक समय नहीं है पर वह टीम को महित्वूर्ण सलाह जरुर दे सकते हैं। टी20 विश्कवप भारत और श्रीलंका में ही खेला जाएगा। मलिंगा ने अपने करियर के दौरान श्रीलंका की ओर से 30 टेस्ट, 226 एकदिवसीय और 84 टी20 अंतरराष्ट्रीयी मैचों में 101, 338 और 107 विकेट लिए हैं।

श्रीलंकाई बोर्ड ने कहा, मलिंगा को राष्ट्रीय पुरुष टीम के लिए सलाहकार तेज गेंदबाज कोच बनाया गया है। उन्हें एक माह के लिए ये जिम्मेदारी दी गयी है। बोर्ड ने कहा , मलिंगा आईसीसीस पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी में देश के तेज गेंदबाजों की सहायमता करेंगे।

बोर्ड मलिंगा के विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव और डेथ बॉलिंग में उनकी विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहता है। जिससे विश्वकप में टीम बेहतर होकर उतर सके। टी20 विश्वकप की मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे। ये आईसीसी टूर्नामेंट 7 फरवरी 2026 को शुरू होगा, जिसका पहला मैच कोलंबो में खेला जाएगा।

मलिंगा को सलाहकार इसलिए बनाया गया है क्योंकि उन्हें टीम20 क्रिकेट का बहुत अनुभव है, उन्होंने सबसे छोटे प्रारुप में अंतरराष्ट्रीय मैचों के अलावा दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेला है। मलिंगा ने साल 2008 से 2017 तक और फिर 2019-2020 तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस की ओर से खेला है। इसके अलावा उन्होंने बिग बैश लीग और कैरिबियाई लीग में भी खेला है।

न्यूजीलैंड ने 2025 में मचाई धमाल, भारत-पाकिस्तान ने भी दिखाई ताकत

नई दिल्ली। 2025 का साल क्रिकेट फैंस के लिए काफी रोमांचक रहा और इस दौरान कई टीमों ने अपने प्रदर्शन से दिल जीते। सभी फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी20 मिलाकर सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीमों की लिस्ट में न्यूजीलैंड सबसे ऊपर रही। 2025 में कीवी टीम ने कुल 47 मैचों में 33 जीत दर्ज की, जबकि सिर्फ 9 मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक मैच ड्रॉ रहा और चार मैचों का नतीजा नहीं निकला। न्यूजीलैंड ने इस साल 4 टेस्ट, 17 वनडे और 12 टी20 में जीत हासिल कर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। भारत और पाकिस्तान ने भी सालभर शानदार प्रदर्शन किया और दोनों टीमों ने बराबर 30-30 मैच जीते। हालांकि पाकिस्तान ने भारत की तुलना में अधिक मैच खेले। पाकिस्तान ने कुल 56 मुकाबलों में 30 जीत हासिल की, वहीं भारत ने 45 में से इतने ही मैच जीते। इस साल भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में कई बार पाकिस्तान को मात दी, जिससे दोनों के बीच मुकाबले का रोमांच और बढ़ गया।

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने इस साल तीसरे नंबर पर कब्जा जमाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कुल 38 मैचों में 23 जीत दर्ज की, जबकि 11 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में उन्हें साल की आखिरी हार मिली, लेकिन इसके बावजूद टीम ने पूरे साल स्थिर प्रदर्शन किया। लिस्ट में पांचवें पायदान पर बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका की टीमें रही, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 21-21 मुकाबले जीते। साउथ अफ्रीका ने 43 मैच खेले, जिनमें 22 में हार झेली, जबकि बांग्लादेश ने 47 में से 23 मैच गंवाए। दोनों टीमों ने सालभर अपने फैंस को रोमांचक क्रिकेट का अनुभव जरूर कराया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की साल 2025 की सर्वश्रेष्ठ टीम में चार भारतीय भी शामिल

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने साल साल 2025 की अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम ग्यारह घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी दक्षिण अफ्रीका के टेम्बा बावुमा को दी गयी है। इसमें चार भारतीय खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। इस टीम में भारत के शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, के केएल राहुल के अलावा रविंद्र जडेजा को 12 वां खिलाड़ी बनाया गया है। इस टीम में टेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत के लिए केएल राहुल को रखा गया है।

इन दोनों बल्लेबाज़ों ने ही साल 2025 में टेस्ट क्रिकेट में 800 से ज्यादा रन बनाए थे। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद राहुल को भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिली थी जिसे उन्होंने अच्छी तरह से निभाय।

वहीं मध्य क्रम में शुभमन और रूट रहेंगे।

मध्य क्रम में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज़ जो रूट, भारत के शुभमन गिल के अलावा दक्षिण अफ्रीका के बावुमा रहेंगे। बावुमा की कप्तानी में ही दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जीता था।

टीम में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी को विकेटकीपर-बल्लेबाज़ जबकि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को ऑलराउंडर की भूमिका में रखा गया है। वहीं गेंदबाज़ी की कमान भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड को रखा गया है। स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी दक्षिण अफ्रीका के साइमन हार्मर के पास रहेगी।

सीए की सर्वश्रेष्ठ टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल,

एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, जसप्रीत बुमराह, स्कॉट बोलैंड, साइमन हार्मर। 12 वें खिलाड़ी रविंद्र जडेजा रहेंगे।

पीएमश्री कन्या विद्यालय बैहर में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

वार्षिकोत्सव समारोह में छात्राओं ने बिखेरी प्रतिभा, अतिथियों ने दिया प्रेरणादायी संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर में 29 एवं 30 दिसंबर 2025 को दो दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर अर्पित गुप्ता उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती यशवन्ती गुडडा मरकाम (अध्यक्ष, नगर परिषद बैहर), सुरेन्द्र सिंह गुर्जर (एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज, बैहर), विकासखण्ड अधिकारी एन.के. वैद्य, आलोक कुमार चौरे (प्राचार्य, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर) सहित नगर के गणमान्य नागरिक, पालकगण एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम श्री गुप्ता ने छात्राओं को जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं टीम भावना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सफलता सामूहिक प्रयास और सकारात्मक सोच से ही प्राप्त होती है। वहीं एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को खेल के माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं करियर निर्माण के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती यशवन्ती गुडडा मरकाम ने खेल भावना को जीवन में अपनाने का संदेश देते हुए छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं की। सांसद प्रतिनिधि सुरेन्द्र गुडडा मरकाम ने खेलों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक समरसता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें विद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद संबंधी उपलब्धियों की जानकारी दी गई। छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं खेल गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने सराहा।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्राचार्य श्री एन.सी. पटले, प्रधानपाठक श्री जे.एल. ठाकरे, श्री पी.सी. त्यागी, कार्यक्रम संचालक श्रीमती कामना श्रीवास्तव तथा खेल प्रभारी श्री राजेश बम्बुरे एवं श्रीमती जामवती धुर्वे (पी.टी.आई.) के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

चौपहिये की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार चाचा भतीजे घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले भरवेली रोड पर स्थित ग्राम देवटोला ओजस स्कूल के पास फोर व्हीलर मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई फोर व्हीलर की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार चाचा भतीजे घायल हो गए दोनों घायल सचिन पिता इंचलाल मंडिया 26 वर्ष और उसका चाचा जीत लाल पिता राम चरण मंडिया45 वर्ष दोनों ग्राम गोड़ीटोला भरवेली निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन मंडिया अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं 30 दिसंबर की शाम 6ः00 बजे सचिन मंडिया अपने चाचा जीतलाल मंडिया के साथ मोटरसाइकिल में अपनी बहन कविता पिछोड़े के ग्राम गांगुलई गए थे। रात्रि 9ः00 9ः30 बजे सचिन मंडिया अपने चाचा जीतलाल मंडिया के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम गोंगलई से अपने घर गोंडीटोला भरवेली लौट रहे थे। मोटरसाइकिल जीत लाल मंडिया चला रहा था बालाघाट से भरवेली की ओर जाते समय ग्राम देवटोला ओजस स्कूल के पास भरवेली की ओर से तेज रफ्तार से आ रही फोर व्हीलर ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। फोर व्हीलर की ठोकर से सचिन मंडिया और उसका चाचा जीतलाल मंडिया दोनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

श्रमोदय आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा प्रदेश के पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित श्रमोदय आवासीय विद्यालयों में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। यह विद्यालय भोपाल, इंदौर, ग्वालियर एवं जबलपुर में संचालित हैं। जिला श्रम पदाधिकारी श्री मयंक दीक्षित ने बताया कि कक्षा 6वीं, 7वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की प्रक्रिया 20 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होकर 20 जनवरी 2026 तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी एवं उनके अभिभावक ऑनलाइन आवेदन करने के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.mpsos.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

टाइगर रिज़र्व सफारी बुकिंग में सावधानी बरतें, एमपी ऑनलाईन से ही करें आरक्षण वन विभाग की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश के टाइगर रिज़र्व क्षेत्रों में सफारी बुकिंग को लेकर वन विभाग ने पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के सभी टाइगर रिज़र्व में सफारी बुकिंग केवल अधिकृत पोर्टल MPOnline (www.mponline.gov.in) के माध्यम से ही मान्य है। इसके अलावा किसी भी निजी वेबसाइट, मोबाइल ऐप या डिजिटल प्लेटफॉर्म को सफारी बुकिंग की अनुमति नहीं दी गई है।

वन विभाग ने जानकारी दी है कि वर्तमान में कुछ फर्जी वेबसाइट और डिजिटल प्लेटफॉर्म टाइगर सफारी बुकिंग के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। ऐसे प्लेटफॉर्म से की गई बुकिंग अवैध मानी जाएगी और इससे पर्यटकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विभाग ने पर्यटकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति ने किसी अनधिकृत वेबसाइट या ऐप के माध्यम से सफारी बुक कराई है और उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो वह तत्काल संबंधित वन विभाग कार्यालय को इसकी सूचना दे। ऐसे मामलों को आवश्यक कार्रवाई हेतु राज्य साइबर पुलिस सेल को भेजा जाएगा।

वन विभाग ने स्पष्ट किया कि पर्यटकों की सुरक्षा, पारदर्शिता और वैधानिक व्यवस्था सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए सभी पर्यटक केवल अधिकृत MPOnline पोर्टल के माध्यम से ही टाइगर रिज़र्व सफारी बुकिंग करें और किसी भी भ्रामक विज्ञापन या लिंक से सावधान रहें।

जिला पंजीयक आर.पी. मरकाम को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंजीयक श्री आर.पी. मरकाम अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर 31 दिसंबर 2025 को शासकीय सेवा से निवृत्त हो गये हैं। इस अवसर पर जिला पंजीयक कार्यालय बालाघाट में एक सादे एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

समारोह के दौरान मरकाम को शाल एवं श्रीफल भेंट कर उनके दीर्घायु, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में सिवनी की जिला पंजीयक श्रीमती कीर्ति असाटी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्हें बालाघाट जिले के जिला पंजीयक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

अपने उद्बोधन में श्री आर.पी. मरकाम ने कहा कि उन्होंने लगभग 37 वर्षों तक शासन की सेवा की है और यह उनके लिए गर्व का विषय है कि उन्होंने अपने संपूर्ण सेवाकाल में ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शासकीय सेवक के जीवन में सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक पड़ाव होता है और बिना किसी आरोप अथवा जांच के सेवा से निवृत्त होना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सहयोग एवं समर्थन के लिए जिला पंजीयक कार्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन भावनात्मक माहौल में हुआ, जहां सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में वरिष्ठ उप पंजीयक वीरेन्द्र परस्ते, उप पंजीयक श्री महासिंग मरकाम, स्टेनो टायपिस्ट श्रीमती अनिता नंदनवार, सहायक ग्रेड-3 अनुराग अहरवाल, संतोष वरकड़े, राहुल जतेरे, अनुराग शरणागत, सुभाष वाहने एवं अभिषेक राय उपस्थित थे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेलवाही में स्वागत, विदाई एवं वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेलवाही में दिनांक 30 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को प्रातः 9 बजे से सायं 4ः30 बजे तक स्वागत, विदाई एवं वार्षिक उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, अतिथिगण एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य श्री हेमंत कुमार राणा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के तत्कालीन प्राचार्य श्री राजेंद्र कुमार शिव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में असिस्टेंट प्रोफेसर श्री टेप सिंह मेरावी, रेलवाही उपसरपंच माननीय भूपेंद्र यादव, मानेगांव प्राचार्य विनोद वासनिक, बीजटोला प्राचार्य सतीश पटले तथा कनिया प्राचार्य सुखचंद यादव शामिल रहे। इसके अतिरिक्त सभी सेवानिवृत्त शिक्षक, स्थानांतरित शिक्षक, संकुल में नवपदस्थ शिक्षक एवं संकुल के समस्त शिक्षकगण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाकर निरंतर प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के अंतर्गत क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कुर्सी दौड़, खो-खो एवं कबड्डी जैसी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों में जीतने का जज्बा, टीम भावना एवं खेल भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जिससे पूरा परिसर प्रेरणादायक वातावरण से सराबोर रहा। हाउस प्रणाली के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में ग्रीन हाउस ने प्रथम स्थान तथा एलो हाउस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं सुचारु संचालन में श्री आत्माराम हिरवाने का विशेष योगदान रहा, जिसकी शाला परिवार द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष भोज का आयोजन भी किया गया। समापन अवसर पर प्राचार्य श्री हेमंत कुमार राणा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं आयोजन समिति को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बधाई दी। साथ ही वर्ष 2025 की विदाई एवं नववर्ष 2026 के स्वागत के अवसर पर सभी को अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम का समापन हर्ष, उल्लास एवं सकारात्मक संदेश के साथ हुआ।

प्रलय बैलेस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

7500 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, 1000 किग्रा तक गोला बारूद ले जा सकेगी

बालासोर(ईएमएस)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बुधवार को ओडिशा तट के पास प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस दौरान एक ही लॉन्चर से बहुत कम समय के अंतर में दो प्रलय मिसाइलें (सल्वो लॉन्च) दागी गईं।

यह परीक्षण सेना के उपयोग से जुड़ी जांच (यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल) का हिस्सा था। दोनों मिसाइलें तय किए गए रास्ते पर ठीक तरह से उड़ीं और सफलतापूर्वक लक्ष्य पूरे किए। मिसाइलों की पूरी उड़ान पर नजर रखने के लिए ओडिशा के चांदीपुर में स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज के सेंसर लगाए गए थे।

रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की सामरिक मिसाइल क्षमता के लिए एक अहम उपलब्धि बताया है। प्रलय मिसाइल को पूरी तरह स्वदेशी है और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने इसे बनाया है।

ठंड, बर्फबारी, बारिश से नव वर्ष का आगाज

मप्र में टेम्परेचर 1.7 डिग्री, छत्तीसगढ़ में ओस जमी, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। नव वर्ष 2026 का आगाज ठंड, बर्फबारी और बारिश के साथ होगा। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। इसका असर मैदानी राज्यों पर नजर आ रहा है। जम्मू-कश्मीर की सोनमर्ग टनल के पास तेज बर्फबारी हुई। हिमाचल में के लाहौल स्पीति में 30 दिसंबर की शाम से बर्फबारी जारी है। यहां तापमान -10 डिग्री तक जा सकता है। मध्य प्रदेश में शहडोल के कल्याणपुर में तापमान 1.7 डिग्री रहा। छत्तीसगढ़ के मैनपाट में रात का तापमान 2 डिग्री पहुंचा। अंबिकापुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में ओस जम गई। 4 संभाग कोल्ड वेव की चपेट में हैं। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी के बीच 2 दिन बारिश की भी चेतावनी है।

गुरूवार को पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहने के संकेत हैं। पहाड़ी राज्यों के निचले इलाकों में हल्की बारिश, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। बारिश, बर्फबारी और ठंडी हवाओं के कारण कई इलाकों में सर्दी और शीतलहर का असर बढ़ सकता है।

खराब मौसम का असर

श्रीनगर एयरपोर्ट पर बुधवार को 6 फ्लाइट रद्द की गईं। इनमें इंडिगो की 1, एअर इंडिया की 3 और एअर इंडिया एक्सप्रेस की 1 फ्लाइट शामिल है। स्पाइसजेट की 1 फ्लाइट ऑपरेशनल कारणों से कैंसिल की गई है। असम के कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में सर्दी और खराब मौसम के कारण सभी सरकारी और प्रोविंसिलाइज्ड स्कूलों की छुट्टी 6 जनवरी तक के लिए की गई है। प्राइवेट स्कूलों को खुद से फैसला लेने का कहा गया है।

नर्मदापुरम में ठंड की वजह से पहली मौत-अस्पताल तिराहे पर खुले में मिली लाश

नर्मदापुरम शहर में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। कडकड़ाती ठंड के बीच बुधवार को एक 35 साल के युवक की मौत का मामला सामने आया। सुबह 8 बजे जिला अस्पताल तिराहे पर मृतक का शव मिला। सूचना पर डॉयल 112 पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंचा। मृतक की पहचान नहीं हो पाई। डॉक्टर ने प्रथम दृष्टया मौत की वजह अत्याधिक ठंड बताई है। कोतवाली पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। शव को मर्चुरी रूम में रखवाया है। शिनाख्त के लिए परिजन की तलाश कर रही है। कोतवाली थाना टीआई कंचन सिंह ठाकुर के मुताबिक बुधवार सुबह अस्पताल तिराहे पर एक 35 साल के व्यक्ति की लाश मिली। डॉक्टर ने मौत की वजह प्रथम दृष्टया ठंड बताई है। मृतक के सीधे हाथ की कलाई पर मां लिखा है। शोल्डर के पास राम जाने और ? का चिन्ह बना है। मृतक के पास दवा की पर्ची भी मिली। जिसमें पिंटू पिता अनवर लिखा है। जिसकी शिनाख्त की जा रही है।

सर्दी और

विस्फोटक सामग्री की अवैध सप्लाई का भंडाफोड़

टोंक। डीएसटी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विस्फोटक सामग्री की अवैध सप्लाई का भंडाफोड़ किया है। टीम ने एक कार से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है और बूंदी जिले के रहने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में सप्लाई के लिए इस्तेमाल की जा रही मारुति सियाज कार को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी यूरिया खाद के कट्टों में छुपाकर करीब 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट लेकर आ रहे थे। यह विस्फोटक सामग्री बूंदी से टोंक सप्लाई के लिए लाई जा रही थी। डीएसटी टीम को इस संबंध में मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके आधार पर बरौनी थाना क्षेत्र में कार्रवाई की गई।

महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों से संपर्क कर प्रवेश लेने किया प्रेरित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन एवं डॉ. देवराज चौरे के संयोजन में कॉलेज चलों अभियान चलाया जा रहा है। इसी कालेज चलो अभियान कार्यक्रम के तहत मंगलवार को शास. उं च. मा. विद्यालय नगपुरा के प्राचार्य चन्द्रपालसिंह उइके एवं ग्राम पंचायत नगपुरा के सरपंच, सचिव, पंच, एवं अन्य सामुदायिक संगठन के सदस्यों की उपस्थिति में महाविद्यालय के प्राध्यापक नितेश कुमार, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, प्रशिक हुमनेकर द्वारा हायर सेकेण्डरी नगपुरा के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों से सम्पर्क किया। साथ ही कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल

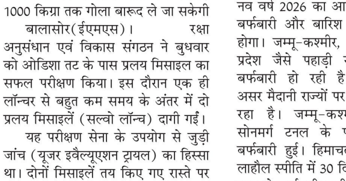

आधारित पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम, विषय चयन इत्यादि से अवगत करवाया गया। महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम, सुविधाओं, शासन द्वारा संचालित गांव की बेटी, मुख्यमंत्री मेधावी जैसी प्रोत्साहन एवं विभिन्न छात्रवृति योजनाओं जैसे संबल, आवास, एससी/एसटी, ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्टमैट्रिक के साथ संचालित अन्य योजनाओं से भी विद्यार्थियों को अवगत करवाया। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियों से विद्यार्थियों को अवगत करवाते हुए उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। वहीं महाविद्यालय में उपलब्ध स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की जानकरी, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की अध्ययन की सुविधा, व्यक्तित्व विकास योजनाएँ, एन.एस.एस. कौशल विकास की जानकारी, प्लेसमेंट की जानकारी, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की जानकारी, कॅरियर अवसर मेला, व्यवसायिक पाठ्यक्रम, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी स्कूलों में प्राध्यापकों द्वारा दी गई। साथ ही छात्र-छात्राओं की जिज्ञासा को शांत कर महाविद्यालय में प्रवेश लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

100 एमएम से ज्यादा वाली निमेसुलाइड दवा बनाने-बेचने पर बैन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दर्द और बुखार में इस्तेमाल होने वाली निमेसुलाइड दवा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। 100 मिलीग्राम से अधिक डोज वाली निमेसुलाइड की सभी ओरल (खाने वाली) दवाओं की मैन्यूफैक्चरिंग और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है। जो दर्द तो कम करती है लेकिन इसकी ज्यादा डोज से लिवर खराब होने का खतरा रहता है। यह प्रतिबंध केवल अधिक डोज (100 मिलीग्राम) वाली निमेसुलाइड पर लागू होगा। जबकि कम डोज की दवाएं मिलती रहेंगी। निमेसुलाइड ब्रांड बेचने वाली दवा कंपनियों को अब ज्यादा डोज वाली दवाओं का प्रोडक्शन बंद करना होगा। जो दवाईयां पहले से बाजार में मौजूद हैं उन्हें वापस मंगाना होगा।

देश के बाहर लंदन में ईडी की बडी कार्रवाई

बकिंघम पैलेस के पास 150 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक ऋण धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने प्रसिद्ध कपड़ा कंपनी एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड और इसके पूर्व सीएमडी नितिन कासलीवाल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई है। एजेंसी के अनुसार, यह संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के लाभकारी स्वामित्व में है।

1,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला

नितिन कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक कंसोर्टियम (समूह) के साथ लगभग 1,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के माध्यम से बैंकों से लिए गए ऋण को गलत तरीके से विदेशी निवेश के नाम पर भारत से बाहर भेजा गया। ईडी के बयान के अनुसार नितिन कासलीवाल ने बैंकों के फंड को डाइवर्ट किया और विदेशी न्यायक्षेत्रों में निजी ट्रस्टों और कंपनियों की एक जटिल संरचना के माध्यम से इन संपत्तियों को छुपाया।

विदेशी ट्रस्टों और शेल कंपनियों का जाल

एजेंसी की ओर से 23 दिसंबर को की गई छापेमारी और जब्त किए गए दस्तावेजों के विश्लेषण से एक बेहद जटिल नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

न्यूज गैलरी

धान सत्यापन में अनियमितता, व्यापारी के विरुद्ध मंडी एक्ट में प्रकरण दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आज दिनांक 31 दिसंबर 2025 को ग्राम देवलगांव में धान सत्यापन की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी लांजी एवं उप निरीक्षक कृषि उपज मंडी लांजी द्वारा संयुक्त रूप से की गई। जांच के दौरान गगन ट्रेडर्स नामक अनाज व्यापारी के निवास स्थल पर धान भंडारण का भौतिक सत्यापन किया गया। मंडी पोर्टल में उपलब्ध जानकारी के अनुसार व्यापारी के

पास 293 क्विंटल धान का स्टॉक दर्ज था, जबकि मौके पर किए गए भौतिक सत्यापन में कुल 320 क्विंटल धान पाया गया। इस प्रकार पोर्टल में दर्ज मात्रा एवं वास्तविक भंडारित मात्रा में अंतर पाया गया। उक्त अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यापारी के विरुद्ध मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण तैयार किया गया। साथ ही व्यापारी को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि उपार्जन अवधि के दौरान बिना अनुमति किसी भी प्रकार से धान का वितरण या विक्रय न किया जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि धान उपार्जन व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस प्रकार की जांच आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

साल के अंतिम दिन मिला उपहार

पुलिस ने 170 लोगों को लौटाए गुम और चोरी गये मोबाईल

विभाग अब तक 1 करोड़ 10 लाख के करीब 572 मोबाइल लौटा चुका है

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट पुलिस ने वर्ष 2025 में 1 करोड़, 10 लाख रु की लागत के करीब 572 गुम हुए मोबाइल को बरामद कर, मोबाईल मालिको के सुपुर्द किया है।इस वर्ष के तीसरे व आखरी चरण में नववर्ष से ठीक पहले बालाघाट पुलिस ने गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी कर 31 दिसंबर बुधवार को 170 लोगो के गुम हुए मोबाइल बरामद कर उनके मालिको के सुपुर्द किया।यह महत्वपूर्ण उपलब्धि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के विशेष निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट निहित उपाध्याय के मार्गदर्शन में प्राप्त हुई है।पुलिस द्वारा तकनीकी माध्यमों एवं विशेष निगरानी के जरिए गुम और चोरी हुए मोबाइलों की लगातार खोज की गई,जहा मोबाइल मिलने पर 31 दिसंबर को कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान 170 लोगो को गुम हुए मोबाईल लौटाए गए।जिसे पाकर मोबाईल मालिको के चेहरे पर पुनः मुस्कान लौट आई।

साल के अंतिम दिन लौटाए गए 170 मोबाइल

नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बरामद किए गए मोबाइल फोन संबंधित थानों के माध्यम से थाना स्तर पर निरंतर वापस किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 31 दिसंबर 2025, वर्ष के अंतिम दिन, पुलिस नियंत्रण कक्ष बालाघाट में आयोजित व्यवस्था के तहत लगभग 170 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत करीब 45 लाख रुपये है, उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ दिखाई दी।

छह महीनों में बनी रिकॉर्ड बरामदगी

पिछले छह महीनों के भीतर बालाघाट पुलिस ने गुम मोबाइलों की बरामदगी में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अवधि में 417 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 83 लाख रुपये है, बरामद कर संबंधित आवेदकों को लौटाए गए।

3 चरणों मे लौटाए 1 करोड़ 10 लाख के मोबाईल

पत्रकारवार्ता में बताया गया कि वर्ष 2025 के प्रारंभिक चरण में जून माह की शुरुआत में ही लगभग 155 मोबाइल फोन बरामद कर आवेदकों को लौटाए गए थे। इसके बाद मोबाइल बरामदगी की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत, तेज तथा सरल बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप बाद के महीनों में बरामदगी के आंकड़ों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई।पुलिस ने बताया कि वर्ष 2025 में 3 चरणों मे अब तक 1 करोड़ 10 लाख रु के 572 मोबाईल बरामद कर उनके मूल मालिको को लौटाए गए है।

नए वर्ष में शुभकामनाओ के नाम पर हो सकती है धोखाधड़ी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट निहित उपाध्याय स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में बुधवार को वार्ता के दौरान ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनका मोबाइल फोन गुम या चोरी हो जाए, तो वे तुरंत संबंधित माध्यम पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। समय पर शिकायत दर्ज होने से मोबाइल को बंद कराने, उसका पता लगाने और शीघ्र बरामदगी की संभावना काफी बढ़ जाती है।पुलिस ने चेतावनी दी है कि नववर्ष की बधाई के नाम पर अज्ञात नंबरों से आने वाले संदेशों, संदिग्ध फाइलों अथवा कड़ियों पर क्लिक न करें, क्योंकि इनके माध्यम से धोखाधड़ी की घटनाएं की जा रही हैं। नागरिक अपने मोबाइल की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखें और किसी भी अनजान सामग्री को डाउनलोड करने से बचें।

भोपाल ने मंदसौर को हराकर जीता म.प्र हॉकी स्टेट टूर्नामेंट

फाइनल में 4-1 से जीत, ग्वालियर को मिला तीसरा स्थान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ हॉकी मैदान में 24 दिसंबर से आयोजित स्वर्गीय रमणिक लाल त्रिवेदी स्मृति मध्यप्रदेश हॉकी मेन्स स्टेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 31 दिसंबर को भोपाल और मंदसौर के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में भोपाल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंदसौर को 4-1 गोल से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मैच की शुरुआत बेहद रोचक रही। पहले हॉफ में मंदसौर के खिलाड़ी अक्षय दुबे ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद भोपाल के ओशाफुर रहमान ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। मध्यांतर तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं। तीसरे हॉफ के बाद भोपाल के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार तीन गोल दागे और मुकाबला 4-1 से अपने नाम कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। भोपाल की ओर से ओशाफुर रहमान ने दो, जबकि अलीशान और जमील खान ने एक-एक गोल किया। मंदसौर की ओर से अक्षय दुबे ने एकमात्र गोल किया। फाइनल से पूर्व सुबह 9.30 बजे तीसरे स्थान के लिए ग्वालियर और जबलपुर के बीच मुकाबला खेला गया। मैच के पहले हॉफ तक दोनों टीमें 1-1 से बराबर थीं, लेकिन इसके बाद ग्वालियर के खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गोल दागे और 6-1 से जीत दर्ज कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

अतिथियों ने खिलाडियों का किया उत्साहवर्धन

समापन समारोह में मुख्य अतिथि म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, कलेक्टर मृणाल मीणा, एसडीएम गोपाल सोनी, हॉकी म.प्र महासचिव लोक बहादुर सिंह, ज्वाइंट सेक्रेटरी जगेन्द्र सिंह तोमर, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, हॉकी म.प्र उपाध्यक्ष विजय वर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा विजेता भोपाल, उपविजेता मंदसौर एवं तृतीय स्थान प्राप्त ग्वालियर टीम को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र व व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए। मंच संचालन वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी सुशील वर्मा ने किया।

अतिथियों ने कहा बालाघाट बन रहा हॉकी का हब

कलेक्टर मृणाल मीणा ने कहा कि टर्फ मैदान बनने के बाद जिले में लगातार बेहतर हॉकी प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। आगामी दिनों में महिला हॉकी प्रतियोगिता एवं 11 जनवरी से ऑल इंडिया स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा, जिससे बालाघाट की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी हब के रूप में बन रही है। हॉकी म.प्र महासचिव लोक बहादुर सिंह ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सफल आयोजन से प्रदेश में हॉकी को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। वहीं किरण भाई त्रिवेदी ने कहा कि निरंतर प्रतियोगिताओं से स्थानीय खिलाड़ियों को सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

इन का रहा आयोजन में सहयोग

टूर्नामेंट के सफल संचालन में वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राधेलाल दौने, सुशील वर्मा, राजकुमार शांडिल्य, वामन उके, राजेश सेवईवार, प्रीतपाल सिंह सौंधी, सुधांशु तिवारी, गोपाल धुर्वे, फिरोज खान, रमेश उके, उमेश मालाधारी, चिनु गंगवानी, तुषार मानकर, मकरंद अंधारे, गणेश अग्रवाल, सत्यम वर्मा, जावेद खान सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में दर्शकों का सहयोग रहा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

धान भंडारण में अनियमितता पर दो राइस मिलों पर लगा जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आज 31 दिसंबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल के निर्देशन में गठित जांच दल द्वारा क्षेत्र की राइस मिलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मंडी अधिनियम के अंतर्गत धान भंडारण एवं अभिलेखों की गहन जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान पटेल राइस मिल, गर्रा में मंडी के ई-अनुज्ञा पोर्टल के अनुसार धान का स्टॉक 17.50 क्विंटल अधिक पाया गया। इस अनियमितता को गंभीर मानते हुए मंडी अधिनियम 1972 के अंतर्गत राइस मिल संचालक श्री संतोष राहंगडाले पर पांच गुना मंडी शुल्क की राशि 3,626 रुपये अधिरोपित की गई तथा उक्त राशि कार्यालय कृषि उपज मंडी वारासिवनी में जमा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मिल परिसर में उपलब्ध चावल के स्टॉक से संबंधित बिल व अन्य दस्तावेज जांच हेतु प्रस्तुत करने को कहा गया।

इसी क्रम में संचेती राइस मिल, वारासिवनी के गोदाम परिसर का भी आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान मंडी के ई-अनुज्ञा पोर्टल के अनुसार धान का स्टॉक 111 क्विंटल कम पाया गया। इस पर राइस मिल संचालक गंभीर संचेती पर मंडी अधिनियम 1972 के तहत 14,320 रुपये की पांच गुना मंडी शुल्क की राशि अधिरोपित की गई तथा राशि जमा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चावल भंडारण से संबंधित समस्त बिल एवं अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा गया।

इस कार्रवाई में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग अश्विन देशमुख, कृषि उपज मंडी वारासिवनी के सचिव युवराज ठाकरे, सहायक विक्रांत देशमुख तथा तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरया उपस्थित रहे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मंडी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने एवं अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार की सघन जांच आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

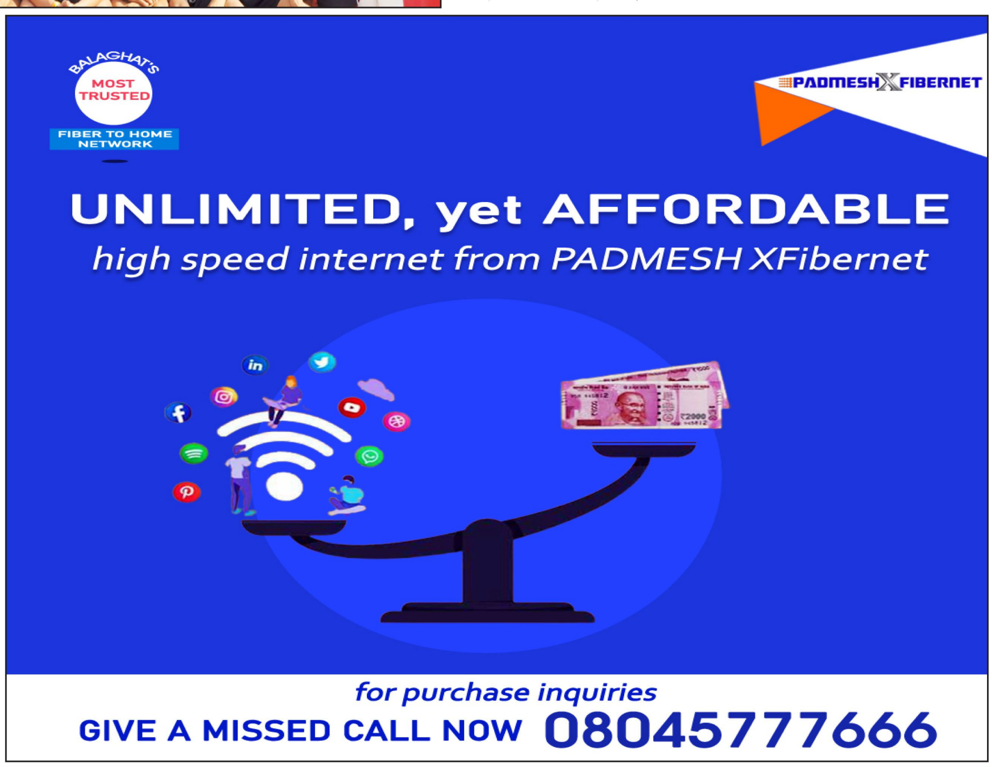

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट